वूमेन एक्सप्रेस

www.womenexpress.in

Email: thewomenexpress@gmail.com

Women Express tv

● वर्ष 8 ● अंक 187 ● हिन्दी दैनिक ● नई दिल्ली शनिवार 19 सितंबर 2020 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य 1 रूपया ● डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

कृषि विधेयक किसानों के रक्षा कवच, विपक्ष कर रहा भ्रमित

नए प्रावधान लागू होने के कारण अपनी फसल मनचाही कीमत पर बेच सकेंगे: मोदी

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 18 सितंबर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को देश के किसानों को आश्वस्त किया कि लोकसभा से पारित कृषि सुधार संबंधित विधेयक उनके लिए रक्षा कवच का काम करेंगे और नए प्रावधान लागू होने के कारण वे अपनी फसल को देश के किसी भी बाजार में अपनी मनचाही कीमत पर बेच सकेंगे। प्रधानमंत्री ने विपक्षी पार्टियों, खासकर कांग्रेस पर, आरोप लगाया कि वह इन विधेयकों का विरोध कर किसानों को भ्रमित करने का प्रयास कर रही हैं और दावा किया कि इन विधेयकों के कानून बनने के बाद 21वीं सदी में भारत का किसान बंधनों में नहीं रहेगा। उन्होंने इन विधेयकों को देश की जरूरत और समय की मांग बताया। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम में न पड़ें और सतर्क रहें। मोदी ने ये बातें आज ऐतिहासिक' कोसी रेल महासेतु को राष्ट्र को सर्मिपत करने और बिहार के रेल यात्रियों की सुविधाओं के लिए 12 रेल परियोजनाओं का शुभारंभ करने के बाद अपने संबोधन में कही। वीडियो कांफ्रेंस से आयोजित इस समारोह में बिहार के राज्यपाल फागू चौहान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, रविशंकर प्रसाद, गिरिराज सिह और नित्यानंद राय ने भी हिस्सा लिया। मोदी ने कहा, कल विश्वकर्मा जयंती के दिन लोकसभा में ऐतिहासिक कृषि सुधार विधेयक पारित किए गए हैं। किसान

और ग्राहक के बीच जो बिचौलिए होते हैं, जो किसानों की कमाई का बड़ा हिस्सा खुद ले लेते हैं, उनसे बचाने के लिए ये विधेयक लाए जाने बहुत आवश्यक थे। ये विधेयक किसानों के लिए रक्षा कवच बनकर आए हैं।'' उन्होंने आरोप लगाया कि जो लोग दशकों तक सत्ता में रहे हैं और देश पर राज किया है, वे लोग किसानों को इस विषय पर भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं ओर उनसे झूठ बोल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, जिस एपीएमसी एक्ट को लेकर अब ये लोग राजनीति कर रहे हैं। एग्रीकल्चर मार्केट के प्रावधानों में बदलाव का विरोध कर रहे हैं, उसी बदलाव की बात इन लोगों ने अपने घोषणापत्र में भी लिखी थी। लेकिन अब जब एनडीए सरकार ने ये बदलाव कर दिया है, तो ये लोग इसका विरोध करने पर उतर आए हैं। दुष्प्रचार किया जा रहा है कि सरकार के द्वारा किसानों को एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) का लाभ नहीं दिया जाएगा। ये भी मनगढ़ंत बातें कही जा रही हैं कि किसानों से धानगेहूं इत्यादि की खरीद सरकार द्वारा नहीं की जाएगी। ये सरासर झूठ है, गलत है, किसानों को धोखा है।'' मोदी ने कहा कि नीतीश कुमार भली भांति समझते हैं एपीएमसी कानून से किसानों का क्या क्या नुकसान होता रहा है। यही वजह है बिहार का मुख्यमंत्री बनने के बाद अपने शुरुआती वर्षों में ही उन्होंने बिहार में इस कानून को हटा दिया था। उन्होंने कहा, जो काम कभी बिहार ने करके दिखाया था, आज देश उस रास्ते पर चल पड़ा है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र की सरकार किसानों को एमएसपी के माध्यम से उचित मूल्य दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकारी खरीद भी पहले की तरह जारी रहेगी, कोई भी व्यक्ति अपना उत्पाद दुनिया में कहीं भी बेच सकता है। जहां चाहे वहां बेच सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसानों को अपनी उपज कहीं पर भी किसी को भी बेचने की आजादी देना बहुत ऐतिहासिक कदम है।

स्कूल गरीब बच्चों को ऑनलाइन कक्षा के लिए उपकरण और इंटरनेट मुहैया कराएं

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 18 सितंबर । दिल्ली उच न्यायायल ने शुक्रवार को निजी एवं सरकारी स्कूलों को निर्देश दिया कि वे गरीब बचों को ऑनलाइन कक्षाओं के लिए उपकरण और इंटरनेट पैकेज मुहैया कराएं। अदालत ने कहा कि ऐसी सुविधाओं की कमी भेदभाव 'और डिजिटल रंगभेद'पैदा करती है।

उन्होंने कहा कि उपकरण उपलब्ध नहीं होने के चलते एक ही कक्षा में पढने वाले ऐसे छात्रों को अन्य छात्रों की तुलना में हीन भावना'महसूस होगी जोकि उनके मन और मस्तिष्क को प्रभावित कर सकता है।' न्यायमूर्ति मनमोहन और न्यायमूर्ति संजीव नरुला की पीठ ने कहा कि यदि एक स्कूल स्वयं ही ऑनलाइन प्रणाली के जरिए कक्षाएं संचालित करने का फैसला करता है तो'उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) अथवा वंचित समूह श्रेणी के अंतर्गत आने वाले छात्रों को भी इसी तरह की सुविधाएं एवं उपकरण उपलब्ध हों।' अदालत ने कहा कि महामारी के वर्तमान दौर में ऐसे छात्रों को आवश्यक उपकरण उपलब्ध नहीं कराना, विशेषतौर पर शिक्षा के अधिकार कानून2009 के प्रावधानों का उल्लंघन होगा। उन्होंने यह भी कहा कि गैर वित्तपोषित निजी स्कूल, शिक्षा के अधिकार कानून2009 के तहत उपकरण और इंटरनेट पैकेज खरीदने पर आई तर्कसंगत लागत की प्रतिपूर्ति राज्य से प्राप्त करने के योग्य हैं, भले ही राज्य यह सुविधा उसके छात्रों को मुहैया नहीं कराती है।'' पीठ ने गरीब और वंचित विद्यार्थियों की पहचान करने और उपकरणों की आपूर्ति करने की सुचारु प्रक्रिया के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित करने का निर्देश दिया।

मंत्रियों एवं सांसदों के वेतन, भत्ते में कटौती संबंधी विधेयकों को रास की मंजूरी

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 18 सितंबर । राज्यसभा ने मंत्रियों के वेतन एवं भत्तों से संबंधित संशोधन विधेयक और सांसदों के वेतन, भत्ते में एक वर्ष के लिये 30 प्रतिशत की कटौती के प्रावधान वाले विधेयकों को शुक्रवार को मंजूरी दे दी। इस धनराशि का उपयोग कोविड19 महामारी के कारण उत्पन्न स्थिति से मुकाबले के लिये किया जायेगा। संसद सदस्य वेतन, भत्ता एवं पेशन संशोधन विधेयक 2020 को इस सप्ताह के शुरू में लोकसभा की मंजूरी मिल चुकी है। उच सदन में संक्षिप्त चर्चा के बाद मंत्रियों के वेतन एवं भत्तों से संबंधित संशोधन विधेयक 2020 और संसद सदस्य वेतन, भत्ता एवं पेशन संशोधन विधेयक 2020 को ध्वनिमत से मंजूरी दे दी गयी। संसद सदस्य वेतन, भत्ता एवं पेशन संशोधन विधेयक 2020 को इससे संबंधित

अध्यादेश के स्थान पर लाया गया है। संसद सदस्य वेतन, भत्ता एवं पेशन (संशोधन) अध्यादेश 2020 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने छह अप्रैल को मंजूरी दी थी और इसके अगले दिन यानी सात अप्रैल को यह जारी किया गया था। संसद सदस्य वेतन, भत्ता एवं पेशन संशोधन विधेयक 2020 के माध्यम से सांसदों के वेतन में 30त्न की कटौती के लिए संसद सदस्यों के वेतन, भत्ते और पेंशन अधिनियम, 1954 और मंत्रियों के सत्कार भत्ते में कटौती के लिए मंत्रियों का वेतन और भत्ते अधिनियम, 1952 में संशोधन किया गया है। मंत्रियों के वेतन एवं भत्तों से संबंधित संशोधन विधेयक 2020 को भी ध्वनिमत से मंजूरी दे दी गई। यह विधेयक गृह राज्यमंत्री जी किशन रेड्डी ने पेश किया। राज्यसभा में इन विधेयकों पर एक साथ हुई चर्चा में भाग लेते हुए अधिकतर विपक्षी सदस्यों ने कहा कि सांसदों के वेतन में कटौती से उन्हें कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन सरकार को सांसद निधि के निलंबन पर पुनिर्वचार करना चाहिए। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि कोविड19 के कारण उत्पन्न अभूतपूर्व स्थिति को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाये हैं। यह कदम उनमें से एक है। उन्होंने कहा कि परोपकार की शुरूआत घर से होती है, ऐसे में संसद के सदस्य यह योगदान दे रहे हैं।

मोदी ने कोसी रेल महासेतु राष्ट्र को किया सर्मिपत

प्रधानमंत्री ने बिहार के रेल यात्रियों की सुविधाओं के लिए 12 रेल परियोजनाओं का शुभारंभ किया

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 18 सितंबर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ऐतिहासिक' कोसी रेल महासेतु को राष्ट्र को सर्मिपत किया और बिहार के रेल यात्रियों की सुविधाओं के लिए 12 रेल परियोजनाओं का शुभारंभ भी किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज बिहार में रेल संपर्क बहाल करने के क्षेत्र में नया इतिहास रचा गया है और ये परियोजनाएं राज्य में व्यापार, कारोबार, उद्योग, रोजगार को भी बढ़ावा देने वाली हैं।

वीडियो कांफ्रेस के माध्यम से आयोजित इस समारोह में बिहार के राज्यपाल फागू चौहान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, रविशंकर प्रसाद, गिरिराज सिह और नित्यानंद राय ने भी हिस्सा लिया। इन परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद मोदी ने अपने संबोधन में कहा, आज बिहार में रेल कनेक्टिविटी के क्षेत्र में नया इतिहास रचा गया है। कोसी महासेतु और किउल ब्रिज के साथ ही

बिहार में रेल यातायात, रेलवे के बिजलीकरण और रेलवे में मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने, नए रोजगार पैदा करने वाली एक दर्जन परियोजनाओं का आज लोकार्पण और शुभारंभ हुआ है।'' उन्होंने कहा कि लगभग 3000 करोड़ रुपये की इन परियोजनाओं से बिहार का रेल नेटवर्क तो सशक्त होगा ही पश्चिम बंगाल और पूरे भारत का रेल संपर्क भी मजबूत होगा। कोसी महासेतु को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की परिकल्पना बताते हुए मोदी ने कहा कि यह नीतीश कुमार का ड्रीम प्रोजेक्ट रहा है।

वर्ष 2003 में इसकी नींव रखी गई थी और अब जाकर इसे राष्ट्र को सर्मिपत किया जा रहा है। उन्होंने कहा, जब 2003 में नीतीश जी रेल मंत्री थे और अटल जी प्रधानमंत्री, तब नई कोसी रेल लाइन परियोजना की परिकल्पना की गई थी। इसका उद्देश्य यही था कि मिथिला और कोसी क्षेत्र के लोगों की दिक्कतों को दूर किया जाए। इसी सोच के साथ 2003 में अटल जी द्वारा इस परियोजना का शिलान्यास किया गया था। लेकिन अगले वर्ष अटल जी की सरकार चली गई और उसके बाद कोसी रेल लाइन परियोजना की रफ्तार भी उतनी ही धीमे हो गई।'' विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि इस दौरान सत्ता में रहने वालों को अगर मिथिलांचल की फिक्र होती, बिहार के लोगों की दिक्कतों की फिक्र होती, तो कोसी रेल लाइन परियोजना पर तेजी से काम हुआ होता। उन्होंने कहा, कोसी और मिथिला क्षेत्र के लिए ये महासेतु सुविधा का साधन तो है ही, यह इस पूरे क्षेत्र में व्यापार, कारोबार, उद्योग व रोजगार को भी बढ़ावा देने वाला है। आज आत्मनिर्भरता और आधुनिकता की प्रतीक, वंदे भारत जैसी भारत में बनी ट्रेनें रेल नेटवर्क का हिस्सा होती जा रही हैं।आज देश के अनछुए हिस्सों को रेल नेटवर्क के साथ जोडने की, रेलमार्गों के चौड़ीकरण और बिजलीकरण की व्यवस्था का तेजी से विस्तार हो रहा है।''

मोदी ने कहा कि बिहार में गंगा, कोसी, सोन जैसी नदियों के विस्तार के कारण यहां के अनेक हिस्से एक दूसरे से कटे हुए रहे हैं ओर इसकी वजह से लोगों की एक बड़ी दिक्कत रही है। नदियों की वजह से होने वाला सफर लंबा हो जाया करता था। उन्होंने कहा, जब नीतीश जी रेल मंत्री थे, जब पासवान जी रेल मंत्री थे, तो उन्होंने भी इस समस्या को दूर करने के लिए बहुत प्रयास किया था। लेकिन फिर एक लंबा समय वो आया जब इस दिशा में ज्यादा काम ही नहीं किया गया।''

शोपियां मुठभेड़: सेना ने माना जवानों ने किया नियमों का उल्लंघन

श्रीनगर । भारतीय सेना ने 18 जुलाई को जम्मूकश्मीर के शोपियां में हुए विवादित एनकाउंटर मामले में शामिल जवानों को दोषी माना है। सेना ने कहा है कि आरोपी जवानों पर आर्मी एक्ट के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की जा रही है। इस एनकाउंटर में तीन आतंकियों के मारे जाने का दावा किया गया था। दूसरी ओर स्थानीय लोगों और परिजनों ने आरोप लगाया था कि कथित एनकाउंटर में मारे गए तीनों लोग कजिन थे और शोपियां में श्रमिक के तौर पर काम कर रहे थे।

सेना की ओर से कोर्ट ऑफ इनक्वायरी ने पाया है कि सैनिकों ने आर्म्ड फोर्सेस एक्ट के तहत मिले अधिकारों का उल्लंघन किया। रक्षा प्रवक्ता ने कहा, सेना की ओर से ऑपरेशन अमशीपोरा को लेकर की जा रही जांच खत्म हो गई है। जांच में प्रथम दृष्टया संकेत मिले हैं कि **AFSPA** 1990 की शक्तियों का दुरुपयोग किया और सुप्रीम कोर्ट की ओर से दिए गए निर्देशों की अवहेना हुई। घटना की शिकायत मिलने के बाद आर्मी एक्ट के तहत जांच शुरू की गई और जो लोग प्रथम दृष्टया दोषी पाए गए, उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के आदेश दिए गए।बयान में कहा गया कि जांच में जुटाए गए साक्ष्यों से संकेत मिला है कि ऑपरेशन अमशीपोरा में मारे गए तीन अज्ञात आतंकी इम्तियाज अहमद, अबराबार अहमद और मोहम्मद इबरार थे ।

दिल्ली में सभी स्कूल 5 अक्टूबर तक बंद रहेंगे

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । दिल्ली में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामले को देखते हुए केजरीवाल सरकार ने सभी स्कूलों को पांच अक्टूबर तक बंद रखने का फैसला किया है।

शिक्षा निदेशालय (डीओई) की तरफ से जारी एक आधिकारिक आदेश में कहा गया है कि सभी सरकारी और निजी स्कूल 5 अक्टूबर तक सभी छात्रों के लिए बंद रहेंगे। हालांकि, ऑनलाइन शिक्षण और शिक्षण गतिविधियां हमेशा की तरह जारी रहेंगी। स्कूल के प्राचार्यों को ऑनलाइन कक्षाओं या किसी अन्य कार्य के सुचारू संचालन के लिए आवश्यकता के अनुसार, कर्मचारी बुलाने के लिए अधिकृत किया गया है। दिल्ली सरकार ने यह फैसला बच्चों के हितों को ध्यान में रखते हुए लिया

है। इससे पहले दिल्ली सरकार ने राजधानी के सभी स्कूलों को 30 सितंबर तक बंद करने का फैसला किया था लेकिन केंद्र सरकार की तरफ से जारी गाइडलाइन्स के मुताबिक ऐसे अटकलें थीं कि कुछ शर्तों के साथ दिल्ली में स्कूलकॉलेज 21 सितंबर से खुल सकते हैं। लेकिन अब केजरीवाल सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अभी स्कूल नहीं खुलेंगे। दिल्ली में कोरोना संक्रमण का मामला सामने आने के बाद 16 मार्च से सभी स्कूलकॉलेज बंद कर दिए गए थे। जबकि 25 मार्च से केंद्र सरकार ने पूरे देश में स्कूलकॉलेज बंद करने का फैसला किया था। इसके बाद से स्कूल अभी तक बंद हैं। बच्चों की पढ़ाई नुकसान न हो इसके लिए ऑनलाइन के जरिए शिक्षा दी जा रही है। बता दें कि दिल्ली में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। राजधानी में बृहस्पतिवार को भी कोरोना के 4432 नए मामले सामने आए। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली में अब तक कुल दो लाख 34 हजार 701 मामले आ चुके हैं। जिसमें एक लाख 98 हजार 103 मरीज ठीक हो चुके हैं। इस तरह मरीजों के ठीक होने की दर 84.40 फीसद है। मृतकों की संख्या बढ़कर 4877 हो गई है। मौजूदा समय में मृत्यु दर 2.08 फीसद पर आ गई है।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में बड़ा घोटाला

(विशेष संवाददाता)

बलिया। बलिया में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में बड़ा घोटाला सामने आया है। आशा बहुओं और विभागीय कर्मचारियों की साठगांठ से योजना में जमकर फर्जीवाड़ा कर लूट की गई है। बताया जा रहा है कि जिले के नगरा पीएचसी में बड़ी संख्या में अपात्र महिलाओं को पात्र दिखाकर लाखों का गबन किया गया है। नगरा पीएचसी में फर्जीवाड़ा कर 77 अपात्र महिलाओं को योजना का लाभार्थी बताया गया है।बता दें कि पीएम मातृ वंदना योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को सरकार की ओर से 6 हजार रुपये की राशि देने का प्रावधान है, लेकिन बलिया की नगर पीएचसी पर इस योजना में जमकर धांधली की गई। यहां लाभ पाने वाली महिलाओं में कई 6065 वर्ष से अधिक की आयु की भी बताई जा रही हैं।

इतना ही नहीं मामला सामने आने के बाद अब विभागीय कर्मचारी अपना पक्ष रखने की तैयरी में जुटें हैं। नगरा पीएचसी में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना को संचालित करने वाली यूनिट के तहत काम करने वाली रीता देवी ने बताया कि उनके पास इस योजना के आवेदन फॉर्म जमा न करके, संबंधित कंप्यूटर ऑपरेटर सीधे फॉर्म जमा कर रहे हैं। मानकों की अनदेखी कर काम किया जा रहा है।

राष्ट्रपति ने हरसिमरत कौर का इस्तीफा किया मंजूर

नरेंद्र सिंह तोमर को सौंपा गया खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 18 सितम्बर। केंद्रीय मंत्रिमंडल से अकाली नेता हरसिमरत कौर बादल के द्वारा इस्तीफा देने के बाद आज तड़के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ सलाह मशविरा करने के बाद शुक्रवार को सुबह हरसिमरत कौर का इस्तीफा मंजूर करते हुए खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय का प्रभार केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को सौंप दिया है। इस बावत राष्ट्रपति भवन की ओर से आधिकारिक सूचना भी शुक्रवार सुबह जारी कर दी गई। राष्ट्रपति के द्वारा हरसिमरत कौर का इस्तीफा जितनी जल्दबाजी में स्वीकार किया गया है उससे साफ लगता है कि भारतीय जनता पार्टी

अब शिरोमणि अकाली दल का दबाव सहने को कतई तैयार नहीं है। इसका इशारा भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नडडा ने दोपहर होते होते दे भी दिया। नडडा ने भाजपा मुख्यालय में आयोजित एक समारोह में स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहले भी कहा है कि हमें दबाव की राजनीति में नहीं आना है और हमारी सरकार वह काम करती रहेगी जो देश के गाँव, गरीब और किसान के लिए जरूरी हैं। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश में हर क्षेत्र में आज बदली हुई तस्वीर दिख रही है। प्रधानमंत्री ने राजनीतिक कार्यसंस्कृति को बदल कर रख दिया है। साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजनीति में विकास, सेवा, जन कल्याण और जनता के लिए समर्पण की संस्कृति का शुभारंभ किया।

इस सब बातों को देख कर लगता है कि शिरोमणि अकाली दल के लिए भाजपा के साथ गठबंकधन करना आसान नहीं है। हो सकता है कि 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में भाजपा अकेले अपने दम पर चुनाव मैदान में उतरे। इसके अलावा दूसरा विकल्प बागी अकाली नेता सुखदेव सिंह ढींढसा की पार्टी शिरोमणि अकाली दल डेमोक्रेटिक के साथ गठबंधन करके चुनाव मैदान में उतरे। तीसरा, यह भी संभावना जताई जा रही है कि मशहूर क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू भी भाजपा में दाखिल हो सकते हैं।

सूत्रों के मुताबिक सिद्धू और बादल परिवार के बीच छत्तीस का आंकडा माना जाता है। और इस समय सिदधू का पंजाब के मुख्यमंत्री कैपटन अमरिंदर सिह के साथ टकराव भी चल रहा है। कैप्टन ने सिदधू को मंत्रिमंडल से पीछे हटा भी दिया था। इसलिए माना जा रहा है कि यदि सिदधू को मुख्यमंत्री पद का प्रत्याशी घोषित करने को यदि भाजपा तैयार हो जाए तो सिदधू दंपत्ति कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो सकते हैं।

24 घंटे में सामने आए 96 हजार से ज्यादा नए केस

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । देश में कोरोना संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी जारी है। शुक्रवार को 96,424 नए मामले सामने आए। इन नए मामलों के साथ देश में कोविड19 के मरीजों की संख्या बढ़कर 52 लाख से अधिक हो गई है। लेकिन, राहत की बात यह है कि बीमारी से ठीक होने वाले लोगों की संख्या में भी इजाफा हुआ है। आंकड़े के अनुसार, अब तक 41 लाख 12 हजार से ज्यादा लोग ठीक हो चुके हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से शुक्रवार सुबह अद्यतन किए गए आंकड़े के अनुसार, पिछले 24 घंटे में 1,174 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 84,372 गई है। देश में संक्रमण के मामले बढ़कर 52,14,678 हो गए हैं, जिनमें से 10,17,754 लोगों का उपचार चल

रहा है और 41,12,552 लोग उपचार के बाद इस बीमारी से उबर चुके हैं। संक्रमण के कुल मामलों में विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, मरीजों के स्वस्थ होने की दर बढ़कर 78.86फीसदी हो गई है जबकि मृत्यु दर में गिरावट आई है और यह 1.62 फीसदी है। वहीं, 19.52 फीसदी मरीजों का अभी इलाज चल रहा है। देश में कोरोना मृत्यु दर वैश्विक औसत से भी कम है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद की ओर से जारी आंकड़े के मुताबिक, देशभर में 17 सितंबर तक कुल 6,15,72,343 नमूनों की जांच की गई, जिनमें से गुरुवार को एक दिन में 10,06,615 नमूनों की जांच की गई। भारत में कोविड19 के मामले 21 दिन में 10 से 20 लाख के पार पहुंचे थे। इसके बाद 16 दिन में में 20 से 30 लाख और 13 दिन में 30 से 40 लाख के आंकड़े को पार किया था।

दिल्ली में अकाली दल के पार्षद भी देंगे इस्तीफा !

केंद्रीय मंत्रिमंडल से हरसिमरत कौर के बाद नगर निगम की राजनीति में भी गरमाई चर्चा

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 18 सितम्बर। भारतीय जनता पार्टी और शिरोमणि अकाली दल में बिगड़ते रिश्तों के बीच अब दिल्ली की सियासत भी गरमा गई है। दिल्ली में अकाली दल कोटे के पांच निगम पार्षदों पर भी इस्तीफे का सवाल उठने लगे हैं। 2017 के दिल्ली नगर निगम चुनाव में अकाली कोटे के 5 उम्मीदवार निगम पार्षद बने थे।

इसमें 2 महिला और तीन पुरुष पार्षद हैं। इसमें से मौजूदा समय में तीन पार्षद विभिन्न समितियों एवं जोन के चेयरमैन हैं। केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल के द्वारा कृषि अध्यादेशों के विरोध में वीरवार की रात दिए गए इस्तीफे के बाद नगर निगम के चेयरमैन भी क्या इस्तीफा देंगे?। शिरोमणि अकाली दल दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका की पत्नी मनप्रीत कौर कालका, कालका जी वार्ड से निगम पार्षद हैं और हाल ही में सामुदायिक एवं तहबाजारी कमेटी की वाइस चेयरपर्सन बनी हैं। एक तरफ हरमीत कालका अपने सोशल मीडिया पर हरसिरमत कौर के इस्तीफे को कुर्बानी बताकर प्रशंसा कर रहे हैं वहीं दूसरी ओर अपनी पत्नी के पद की कुर्बानी कब दिलवाएंगे उसपर मौन हैं। इसके साथ ही राजिंदर नगर वार्ड के निगम पार्षद परमजीत सिंह राणा सामाजिक न्याय एवं कानूनी कमेटी के चेयरमैन हैं। जबकि, गुरतेग बहादुर नगर वार्ड से निगम पार्षद राजा इकबाल सिंह सिविल लाइंस जोन के चेयरमैन हैं। इसके अलावा दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के उपाध्यक्ष कुलवंत सिंह बाठ की पत्नी गुरजीत कौर बाठ और दिल्ली कमेटी के पूर्व संयुक्त सचिव अमरजीत सिंह पप्पू भी निगम पार्षद हैं। अब देखना होगा कि ये पांचों निगम पार्षद हरसिमरत कौर बादल की तर्ज पर अपने पदों का त्याग करते हैं या हरसिमरत कौर को पंजाब की बेटी बताकर उनके इस्तीफे को कुर्बानी बताने की होड़ में ही लगे रहेंगे। बता दें कि दिल्ली में अकाली और भाजपा के बीच संबंध जनवरी 2020 से ही खराब चल रहे हैं। भाजपा ने दिल्ली विधानसभा चुनावों में इस बार अकाली कोटे की चार विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किये थे और अकालियों केा एक भी सीट नहीं दी थी। इससे पहले हरियाणा विधानसभा चुनावों में भी भाजपा ने अकाली दल को एक भी सीट नहीं दी थी। अब देखना होगा कि भाजपा हाईकमान अकाली कोटे के निगम पार्षदों के बारे में क्या फैसला लेता है। वहीं जागो पार्टी के अध्यक्ष मंजीत ड्क्षसह जीके ने हरमीत कालका के द्वारा सोशल मीडिया पोस्ट पर कहा कि अब कालका को बताना चाहिए कि वह अपनी पत्नी से इस्तीफा कब दिलवा रहे हैं। क्योंकि, अकाली दल के अध्यक्ष की पत्नी अपनी पार्टी की लाइन के साथ न खड़ी होकर भाजपा के साथ खड़ी हुई है।

एक नजर

एप्पल भारत में 23 सितंबर को ऑनलाइन स्टोर की पेशकश करेगा

नई दिल्ली। एप्पल ने शुक्रवार को कहा कि वह अगले हफ्ते भारत में अपने ऑनलाइन स्टोर की शुरुआत करेगी, जहां देश भर के ग्राहकों को पहली बार कंपनी के उत्पादों की पूरी श्रृंखला की पेशकश की जाएगी। इस पहल से एप्पल को त्योहारी मांग का फायदा उठाने में मदद मिलेगी। तकनीकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ने बताया कि 23 सितंबर को शुरू होने वाले नए ऑनलाइन स्टोर से ग्राहकों को दुनिया भर में फैले एप्पल स्टोर के समान सेवाएं मिलेंगी। एप्पल के सीईओ टिम कुक ने फरवरी में कहा था कि कंपनी इस साल के अंत में भारत में अपना ऑनलाइन स्टोर शुरू करेगी, जबकि उसका पहला पारंपरिक खुदरा स्टोर 2021 में चालू होगा। एप्पल की वरिष्ठ उपाध्यक्ष डिडेर ओ ब्रायन ने कहा, ''हम जानते हैं कि हमारे उपयोगकर्ता जुड़े रहने, सीखने और रचनात्मकता का इस्तेमाल करने के लिए प्रौद्योगिकी पर भरोसा कर रहे हैं, और भारत में एप्पल स्टोर को ऑनलाइन लाकर, हम इस महत्वपूर्ण समय में अपने ग्राहकों को एप्पल की बेहतरीन पेशकश दे रहे हैं।'' भारत में अपने उत्पादों को तीसरे पक्ष के विक्रेताओं और फ्लिपकार्ट तथा अमेजन जैसे ऑनलाइन मार्केटप्लेस के जरिए बेचती है। केंद्र सरकार ने पिछले साल एकलब्रांड खुदरा क्षेत्र के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के दिशानिर्देशों में ढील दी थी।

साप्ताहिक बैठक में पार्षदों ने उठाए पार्किंग सहित कई मुद्दे

नई दिल्ली। शाहदरा साउथ जोन की साप्ताहिक बैठक में पार्षदों ने अधिकारियों की मिलीभगत से धड़ल्ले से नियमों को ताक पर रखकर फैक्ट्रियों के साथसाथ पार्किंग का मुद्दा जोरशोर से उठाएं। बैठक की अध्यक्षता जोन चेयरमैन धरना मलिक ने की। बैठक के दौरान पार्षद श्याम सुंदर अग्रवाल ने केडी वर्मा से पूछा कि फैक्ट्री विभाग के अधिकारियों ने कृष्ण नगर इलाके में चल रही फैक्ट्री को तो सील कर दिया था, हालांकि बाद में अधिकारियों ने इस फैक्ट्री की सील खोल दी थी। इस मामले में दो अधिकारियों को सस्पेंड भी किया गया। निगम पार्षद ने कहा कि झील में नियमों को ताक पर रखकर 1100 गज में फैक्ट्री चल रही थी। जबकि इस फैक्ट्री मालिक को बवाना में प्लॉट भी मिले हुए थे। बावजूद यह फैक्ट्री अधिकारियों की मिलीभगत से चलती रही। शिकायत करने पर जब अधिकारियों ने मौके का मुआयना किया तो फैक्ट्री चलती मिली थी। उन्होंने कहा किअधिकारियों ने फैक्ट्री मालिक का चालान काटकर छोड़ दिया। जबकि कायदे से उसे तुरंत सील किया जाना चाहिए था।

राम बृक्ष मल्ल का महासंघ से कोई वास्ता नहीं- विश्व हिन्दु महासंघ

नई दिल्ली। विश्व हिन्दु महासंघ ने कहा है कि 2016 में ही महासंघ से अंतरराष्ट्रीय सचिव के पद से हटाने के बावजूद राम बृक्ष मल्ल महासंघ और राष्ट्रीय अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम पर लोगों से किसी न किसी बहाने पैसे लूटने में लगे हुए हैं और ऐसे में सस्था का नाम खराब हो रहा है। मालूम हो कि उनके गलत कार्यों में लिप्त होने के कारण उन्हें 2016 में उनके पद से कार्यमुक्त कर दिया गया था लेकिन इसके बाद भी वह मीडिया में फर्जी प्रेस विज्ञप्ति भेज रहे थे और साथ ही लोगों को महासंघ का सदस्य और अन्य चीजों को लेकर पैसों की वूसली करने में लग हुए हैं। विश्व हिन्दु महासंघ के अंतरिम अध्यक्ष और कालकाजी मंदिर के पीठाधीश्वर महंत सुरेंद्रनाथ अवधूत ने कहा कि वह महासंघ का नाम खराब करने में लगे हुए हैं और वह किसी भी कार्य में लिप्त पाए जाते हैं तो महासंघ का उनसे कोई लेना देना नहीं है ।

किसान संबंधी विधेयकों के लोकर राज्यों से परामर्श नहीं किया गयाः चिदंबरम

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 18 सितंबर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने लोकसभा में किसान संबंधी दो विधेयकों अनुमोदित करने को लेकर पंजाब और हरियाणा के किसानों के विरोध प्रदर्शन पर शुक्रवार को कहा कि यह जनता और सरकार के बीच की दूरी को प्रदर्शित करता और यह दर्शाता है कि राज्यों से परामर्श नहीं किया गया है। चिदंबरम ने आज कई ट्वीट किए। उन्होंने कहा कि किसान संबंधी दो विधेयकों को लोकसभा ने अनुमोदित कर दिया है। पंजाब और हरियाणा के किसान विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। यह जनता और सरकार के बीच की दूरी को प्रदर्शित करता है। कांग्रेस नेता ने कहा, 'दोनों विधेयक हमारे अपूर्ण खाद्य सुरक्षा प्रणाली के तीन स्तंभों को चुनौती देते हैं। वे हैं, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), सार्वजनिक खरीद और सार्वजनिक वितरण प्रणाली

(पी.डी.एस.)।' उन्होंने कहा, 'तमिलनाडु में किसानों ने मुझे बताया कि वे 1150 रुपये के एमएसपी के मुकाबले निजी व्यापारियों को 850 रुपये में धान बेच रहे हैं। राज्य सरकार को स्थिति स्पष्ट करना होगा।' उन्होंने कहा कि विधेयकों में गंभीर दोष यह है कि वे यह निर्धारित नहीं करते हैं कि किसान को जो कीमत मिलेगी वो एमएसपी से कम नहीं होगी। राज्यों से परामर्श नहीं किया गया। भाजपा सरकार द्वारा यह कानून पारित करना राज्यों के अधिकार और संघवाद लिए एक बड़ा झटका है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृषि से जुड़े विधेयकों को लेकर हो रहे विरोध पर गुरुवार को इन्हें ऐतिहासिक बताते हुए कहा था कि किसानों को भ्रमित करने में बहुत सारी शक्तियां लगी हुई हैं एमएसपी और सरकारी खरीद की व्यवस्था बनी रहेगी तथा अन्नदाता सशक्त होंगे। कृषि से जुड़े विधेयकों के विरोध में मोदी सरकार में केंद्रीय मंत्री अकाली दल बादल प्रतिनिधि हरसिमरत कौर बादल ने कल इस्तीफा दे दिया था ।

बिधूड़ी ने जैतपुर और हरिनगर के सफाई अधिकारियों के साथ किया क्षेत्र का दौरा

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष में दिल्ली भाजपा की ओर से मनाए जा रहे सेवा सप्ताह कार्यक्रम के पांचवें दिन शुक्रवार को दक्षिणी दिल्ली के सांसद रमेश बिधूड़ी ने बदरपुर के विधानसभा वार्ड जैतपुर और हरिनगर में सफाई अभियान में भाग लिया। सांसद बिधूड़ी ने इस दौरान वहां मौजूद पार्टी के नेताओं कार्यकर्ताओं से सड़कों पर झाड़ू लगाकर सफाई भी की। सांसद बिधूड़ी ने क्षेत्र में लंबित कार्यों को जल्दी पूरा करने का निगम के आधिकारियों और कार्मचारियों से आग्रह किया।

बिधूड़ी ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर 'सेवा सप्ताह' के पाँचवे दिन बदरपुर विधानसभा के वार्ड जैतपुर व हरिनगर द.दिल्ली मे सफाई अभियान को आगे बढाते हुए दक्षिणी दिल्ली नगर निगम के अधिकारियों के साथ दौरा किया।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए सरकार ने एफडीआई का फैसला किया

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 18 सितंबर । वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि रक्षा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेश निवेश (एफडीआई) के नियमों को आसान बनाने के सरकार के फैसले से रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा और इस दौरान राष्ट्रीय हितों तथा सुरक्षा को सबसे ऊपर रखा जाएगा।

उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र में विदेशी निवेश को मंजूरी देने से पहले उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा के पैमाने पर जांच की जाएगी। सरकार ने कुछ शर्तों के साथ इस क्षेत्र में स्वतः मार्ग के तहत 74 प्रतिशत एफडीआई की इजाजत दी है।

गोयल ने एक ट्वीट में कहा, ''अब, स्वतः मार्ग से 74 प्रतिशत तक एफडीआई की मंजूरी दी जाती है और 74 प्रतिशत से अधिक की अनुमति सरकारी (मंजूरी) मार्ग से दी जाएगी। इससे कारोबारी सुगमता बढ़ेगी और निवेश, आय तथा रोजगार

की वृद्धि में योगदान होगा।''

उन्होंने कहा कि सरकार के आत्मनिर्भर भारत के नजरिए के अनुरूप राष्ट्रीय हितों और सुरक्षा को सबसे ऊपर रखते हुए किए गए इन संशोधनों से रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मई में स्वतः मार्ग के जरिए रक्षा विनिर्माण में 74 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति देने की घोषणा की थी। सरकारी मार्ग के तहत विदेशी निवेशकों को निवेश से पहले संबंधित मंत्रालय या विभाग से अनुमति लेनी होती है, जबकि स्वतः मार्ग में निवेशक को निवेश करने से पहले इस बारे में सिर्फ आरबीआई को सूचित करना होता है।

मानसून सत्रः कर्मचारियों, पत्रकारों की रोजाना एंटीजन जांच अनिवार्य

नई दिल्ली, 18 सितंबर । सांसदों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने के नए मामलों के आने के बाद अब नए प्रोटोकॉल के मुताबिक, संसद परिसर में प्रवेश करने वाले वहां के सभी कर्मचारियों और पत्रकारों की रोजाना एंटीजन जांच अनिवार्य कर दी गई है। संसद के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दोनों सदनों के सदस्य एक निश्चित अंतराल के बाद आरटीपीसीआर जांच करवा रहे हैं। सांसद चाहे जितनी बार, आरटी पीसीआर जांच करा सकते हैं। संसद की कार्यवाही का प्रेस दीर्घा से कवरेज करने वाले पत्रकारों के पास भी आरटीपीसीआर जांच कराने के विकल्प खुले हैं। यह जांच 72 घंटे के लिए मान्य है। चूंकि आरटीपीसीआर जांच की रिपोर्ट आने में देरी लगती है, इसलिए एंटीजन जांच रोज किया जाना अनिवार्य कर दिया गया हैं अपने संबंधित मंत्रियों के साथ संसद पहुंचने वाले अधिकारियों को भी 72 घंटे के भीतर हुई आरटीपीसीआर जांच की अपनी रिपोर्ट दिखानी होगी।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय मंत्री नितिन गड़करी और प्रह्लाद पटेल कोरोना से संक्रमित पाए गए हैं। दोनों ने संसद के चालू सत्र में हिस्सा लिया है। 14 सितंबर को संसद की शुरुआत से पहले हुई जांच में भी कई सांसद कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे। उन्हें संसद की कार्यवाही से दूर रहने की सलाह दी गई है।

आयुध निर्माणियों का निगमीकरण राष्ट्रहित के खिलाफः विनय विश्वम

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 18 सितंबर। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेता विनय विश्वम ने आयुध निर्माणियों के निगमीकरण को राष्ट्रहित के खिलाफ बताते हुए सरकार से इसे वापस लेने की मांग की है। विश्वम ने आज राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान यह मामला उठाते हुए कहा कि देश की आयुध निर्माणी और रक्षा क्षेत्र के अन्य उपक्रम लंबे समय से राष्ट्र हित में काम कर रहे हैं।

इनमें सेनाओं के लिए महत्वपूर्ण और जरूरी हथियार तथा गोला बारूद बनाया जाता है। सरकार ने अब इनके निगमीकरण की प्रक्रिया शुरू की है जो राष्ट्रहित के खिलाफ है। देश के लोगों, आयुध निर्माणियों के कर्मचारियों और जानकारों के बीच इस कदम को लेकर रोष व्याप्त है। उन्होंने कहा कि सरकार को इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए अपने इस कदम को वापस लेने पर विचार करना चाहिए। द्रविड़ मुनेत्र कषगम के तिरूचि शिवा ने तमिलनाडु में निरंतर बढ रही बेरोजगारी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि राज्य के रोजगार पंजीकरण केन्द्र में 84 लाख बेरोजगारों ने पंजीकरण कराया हुआ है।

उन्होंने कहा कि हाल ही में सफाई कर्मचारी के पद के लिए स्नातकोत्तर की डिग्री वाले उम्मीदवारों ने भी आवेदन किया जो हैरान करने वाली बात है।

उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की नौकरियों में भी राज्य के लोगों का प्रतिनिधित्व कम है और इस स्थिति पर विचार किये जाने की जरूरत है। कांग्रेस की फौजिया खान ने जमीनों के मालिकाना हक को लेकर बढते विवादों के मद्देनजर इससे संबंधित दस्तावेजों के डिजटलीकरण की मांग की। उन्होंने कहा कि इससे विवाद खत्म हो जायेगा और न्यायालयों में मुकदमों का बोझ भी कम होगा।

पीएम मोदी को आया रूस के राष्ट्रपति पुतिन का फोन, कई मुद्दों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली, 18 सितंबर (वेबवार्ता)। पीएम मोदी को आया रूस के राष्ट्रपति पुतिन का फोन, इन मुद्दों पर हुई चर्चा चीन के साथ सीमा विवाद के बीच आज रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन किया। उन्होंने भारत रूस की 'विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त सामरिक भागीदारी' को और मजबूत करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और कोरोना के बावजूद द्विपक्षीय बातचीत में निरंतर गति के लिए सराहना व्यक्त की। विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि पीएम मोदी ने इस साल एससीओ और ब्रिक्स की रूसी अध्यक्षता के लिए राष्ट्रपति पुतिन को धन्यवाद दिया। उन्होंने इस वर्ष के अंत में आगामी एससीओ और ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए अपनी उत्सुकता व्यक्त की। साथ ही भारत द्वारा आयोजित किए जाने वाले एससीओ शासनाध्यक्षों की परिषद में भी उनसे मिलने की इच्छा जताई। मंत्रालय ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए अपनी व्यक्तिगत प्रतिबद्धता के लिए राष्ट्रपति पुतिन को धन्यवाद दिया। मोदी ने कहा कि वह पारस्परिक रूप से सुविधाजनक तारीख पर अगले द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन के लिए भारत में राष्ट्रपति पुतिन का स्वागत करने के लिए तत्पर हैं। पीएम मोदी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन के बीच ये बातचीत ऐसे समय में हुई है, जब चीन के साथ भारत का तनाव अपने चरम पर है। हालांकि, मंत्रालय की तरफ से इस बात की जानकारी नहीं दी गई है दोनों नेताओं के बीच चीन को लेकर बात हुई है या नहीं।

दिल्ली में कोरोना के 4127 नए मामले मृतकों का आंकड़ा 4900 के पार

(लोकेश निरवाल)

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण के 4127 नए मामले आए हैं। इसके साथ ही कुल संक्रमितों की संख्या अब 2 लाख 40 हजार के करीब जा पहुंची है। वहीं मृतकों की संख्या अब 4900 के आंकड़े को पार कर गई है।

दिल्ली सरकार की हेल्थ बुलेटिन के मुताबिक, शुक्रवार को 4127 नए मामले आए हैं। अब राष्ट्रीय राजधानी में कुल संक्रमितों की संख्या 2 लाख 38 हजार 828 हो गई है। वहीं इस दौरान 30 लोगों की मौत हुई है। इस प्रकार कोरोना के कारण यहां जान गंवाने वालों की संख्या अब 4907 तक पहुंच चुकी है। बीते 24 घंटे में कोरोना 3568

लोगों इलाज के बाद ठीक हुए हैं। इस तरह अब तक कुल 2 लाख 01 हजार 671 लोग कोरोना को मात दे चुके हैं।

दिल्ली स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, राजधानी में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या अब 32 हजार 250 है। इसमें से 18 हजार 701 लोग होम आइसोलेशन में हैं जबकि अन्य लोगों का दिल्ली के अलगअलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है। कोविड अस्पताल में 6956, डेडिकेटेड कोविड केयर में 2014 और कोविड हेल्थ सेंटर में 601 मरीज भर्ती हैं।

अगर टेस्टिंग की बात करें तो आज राजधानी में कुल 61 हजार 037 सैंपल्स की जांच हुई है। इसमें से 11 हजार 203 नमूनों की जांच आरटीपीसीआर/सीबीनैट/ट्रूनैट माध्यम से की गई है।

वहीं 49 हजार 834 सैंपल्स रैपिड एंटीजन माध्यम से जांचे गए हैं। दिल्ली में अभी तक कुल 24 लाख 30 हजार 629 कोरोना सैंपल्स की जांच हो चुकी है।

गर्मी और उमस से मिल सकती है राहत दिल्ली में हल्की बारिश की संभावना

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली। उमस और गर्मी से परेशान दिल्लीवालों को आज थोड़ी राहत मिल सकती है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को राजधानी दिल्ली में कुछ स्थानों पर हल्की बारिश होने की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने कहा कि दिल्ली में पिछले 10 दिनों से बारिश नहीं हुई है, हालांकि मॉनसून अभी खत्म नहीं हुआ है। सफदरजंग वेधशाला ने 8 सितंबर को 1.3 मिमी बारिश दर्ज की थी। पिछले कुछ दिनों से दिल्ली में बारिश की कमी ने पारे को बढ़ा दिया। भारत मौसम विज्ञान विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, राजधानी दिल्ली में सितंबर में अब तक 78 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई है। सफदरजंग वेधशाला ने इस महीने अब तक 94 मिमी की सामान्य के

मुकाबले सिर्फ 20.9 मिमी बारिश दर्ज की है। लोधी रोड मौसम केंद्र ने सामान्य रूप से 94 मिमी बारिश की तुलना में केवल 18.5 मिमी वर्षा का अनुमान लगाया है। आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार, पालम मौसम केंद्र ने 50 साल के औसत 96 मिमी के मुकाबले केवल 30.3 मिमी बारिश दर्ज की है। दिल्ली में इस साल अगस्त में 237 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो सात साल में सबसे ज्यादा है। कुल मिलाकर, मॉनसून का मौसम शुरू होने के बाद, 1 जून से शहर में 617.8 मिमी की तुलना में 576.5 मिमी बारिश दर्ज की गई है। आईएमडी ने यह भी कहा है कि मॉनसून के दिल्ली में लंबे समय तक रहने और अक्टूबर के शुरुआती दिनों में वापस लेने की संभावना है। इस बार मॉनसून सामान्य से दो दिन पहले 25 जून को दिल्ली पहुंच गया था।

महिला हेल्पलाईन न.

डीएमआरसी–155370
सीआईएसएफ–22185555
दिल्ली पुलिस–1091
दिल्ली सरकार–181
कहीं भी–कभी भी–1090

समाचार एजेंसी
वेब वार्ता
पल-पल की खबर हर पल
समाचार एजेंसी का सदस्य बनने के लिए संपर्क करें
9650061234

एक नजर

अप्रैल से पहले खरीदे गए बीएस-4 वाहनों का रजिस्ट्रेशन होगा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के नगर निगमों और दिल्ली पुलिस की ओर से पिछले 1 अप्रैल के पहले खरीदे गए बीएस4 वाहनों के रजिस्ट्रेशन की अनुमति दे दी है। चीफ जस्टिस एसए बोब्डे की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि ये वाहन दिल्ली में आवश्यक सेवाओं के लिए इस्तेमाल किए जाने हैं। कोर्ट ने 13 अगस्त को बीएस4 वाहन खरीदने वालों को राहत देते सुप्रीम कोर्ट ने 31 मार्च तक बिकी गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन की इजाजत दी थी। कोर्ट ने कहा था कि जो गाड़ियां बिक्री के बाद ईवाहन पोर्टल पर दर्ज हुई हैं या जिनका अस्थायी रजिस्ट्रेशन हुआ है, उनका रजिस्ट्रेशन हो सकता है। लेकिन कोर्ट ने दिल्लीएनसीआर में बिकी गाड़ियों को छूट नहीं दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने 31 जुलाई को बीएस4 वाहनों के रजिस्ट्रेशन पर अगले आदेश तक रोक लगा दी थी। कोर्ट ने मार्च में बड़ी संख्या में इन वाहनों की बिक्री पर संदेह जताते हुए कहा था कि मामले में गड़बड़ी की गई है। पिछले 8 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने बीएस4 वाहनों की बिक्री के लिए लॉकडाउन के बाद दस दिनों की मोहलत वाले आदेश को वापस ले लिया था। जस्टिस अरुण मिश्रा की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा था कि लॉकडाउन के बाद दस दिनों में बेचे गए वाहनों का रजिस्ट्रेशन न किया जाए।

कनॉट प्लेस में फिर पहुंचने लगे वीडियो बनाने वाले युवा

नई दिल्ली । दिल्ली का दिल कहे जाने वाला कनॉट प्लेस (सीपी) इन दिनों अपने पुराने रंग में दिखने लगा है। मेट्रो सेवा शुरू होने के बाद लोग की संख्या अब बढ़ने लगी है। कोरोना काल से पहले लोग बड़ी संख्या में वीडियो बनाने और फोटोशूट कराने के लिए कनॉट प्लेस आते थे। अब एक बार फिर कनॉट प्लेस में सोशल मीडिया पर वीडियो अपलोड करने वाले स्टार की संख्या बढ़ने लगी है। लोग सेंट्रल पार्क और कनॉट प्लेस की अलग अलग लोकेशन पर वीडियो और फोटोशूट कर रहे हैं। लॉकडाउन से पहले कनॉट प्लेस में लोगों का हुजूम लगा रहता था। इनमें अधिकतर लोग खरीदारी करने के लिए आने वाले थे तो कुछ लोग दिल्ली घूमने के बाद सीपी में घूमने के लिए आते थे। लॉकडाउन से पहले भी सीपी में लोग जमकर मस्ती भरी, एक्शन और शॉर्ट फिल्म की वीडियो शूट करते थे। इसके अलावा टिकटॉक के बनाने वाले आकर वीडियो बनाते थे। लेकिन अब सरकार ने टिकटॉक को पाबंदी लगा दी है, जिसके स्थान पर कई भारतीय एप आए हैं, जिनपर एक बार फिर लोग अपनी वीडिया अपलोड करने लगे हैं। वहीं, अब मेट्रो सेवा शुरू होने और बाजार खुलने से लोग दोबारा कनॉट प्लेस आने लगे हैं। कनॉट प्लेस में आकर अधिकतर युवक और युवतियां यहां वीडियो शूट करते हैं। करोल बाग के रहने वाले विपिन राघव का कहना है कि वह हमेशा अपने फेसबुक और इंस्टाग्राम पर वीडियो अपलोड करते हैं, जिसके लिए उन्हें कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में बेहतरीन लोकेशन मिलती है।

PM मोदी कभी दबाव की राजनीति से प्रभावित नहीं होते

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजनीतिक संस्कृति में बदलाव किया: नड्डा

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 18 सितम्बर । भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने आज शुक्रवार को भाजपा की पत्रिका कमल संदेश द्वारा प्रकाशित विशेषांक नए भारत के प्रणेता का विमोचन किया। कमल संदेश के इस विशेषांक नए भारत के प्रणेता में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के व्यक्तित्व, कृतित्व और विचारों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया है। इस विशेषांक में प्रधानमंत्री का जीवन परिचय, बाल्यकाल से लेकर अब तक के उनके जीवन की चित्रमयी यात्रा, उनके चुने हुए उद्बोधन, उनके द्वारा रचित कुछ प्रमुख कविताओं को भी सम्मिलित किया गया है। इसमें प्रधानमंत्री के कार्यकाल के 70 ऐतिहासिक निर्णयों को भी स्थान दिया गया है। साथ ही, प्रधानमंत्री द्वारा रचित पुस्तकों पर भी चर्चा इस विशेषांक में की गई है।

इस मौके पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नडडा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र को देश की राजनीतिक संस्कृति में बदलाव लाने का श्रेय दिया। साथ ही कहा कि वह कभी भी दबाव की राजनीति के असर में नहीं आते हैं। और जो लोगों के हित हैं, उसे करके रहते हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि हमने कई सरकारें देखी हैं लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में गरीब कल्याण और आर्थिक सुधारों से लेकर देश की एकता और अखंडता

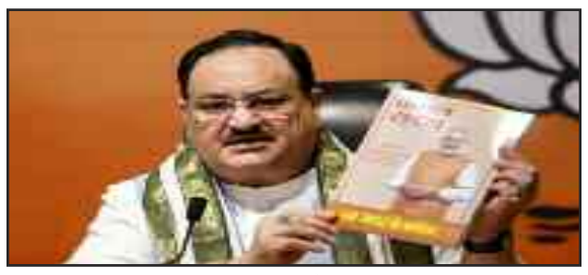

को अक्षुण्ण रखने हेतु लाये गए बदलावों जो देश और दुनिया ने जो देखा है, वह अकल्पनीय और अद्भुत है। प्रधानमंत्री ने राजनीतिक कार्यसंस्कृति को बदल कर रख दिया है। 2014 से पहले कांग्रेस और उसके सहयोगियों की सरकारों के दौरान चुनाव में विकास का रिपोर्ट कार्ड रखने की जगह जाति आधारित वोट बैंक और तुष्टिकरण की राजनीति की जाती थी। पर, प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीति में विकास, सेवा, जन कल्याण और जनता के लिए समर्पण की संस्कृति का शुभारंभ किया। कांग्रेस पर कड़ा प्रहार करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में यह वादा किया था कि किसानों को एपीएमसी से बाहर निकाल कर लायेंगे और एसेंशियल कमोडिटी एक्ट को बदलेंगे। जो लोग इन कृषि विधेयकों का विरोध कर रहे हैं, वे वास्तव में किसान और उनके उत्पाद की बिक्री के बीच में मौजूद बिचौलियों की भाषा बोल रहे हैं। विधेयक किसानों को कई और विकल्प प्रदान कर उन्हें सही मायने में सशक्त करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग जानबूझ कर किसानों को गुमराह कर रहे हैं ताकि किसान लाभ न उठा सकें। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहले भी कहा है कि हमें दबाव की राजनीति में नहीं आना है और हमारी सरकार वह काम करती रहेगी जो देश के गाँव, गरीब और किसान के लिए जरूरी हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में हर क्षेत्र में आज बदली हुई तस्वीर दिख रही है। उन्होंने याद दिलाया कि आयुष्मान भारत योजना को लागू करते समय भी इस योजना का जम कर विरोध किया गया था लेकिन आज वही आयुष्मान भारत योजना देश के गरीबों के लिए सबसे बड़ी वरदान साबित हो रही है।

1200 सीसीटीवी से पुख्ता होगी शारदा विवि की सुरक्षा

नोएडा। शारदा विश्वविद्यालय व अस्पताल परिसर के चप्पेचप्पे की सुरक्षा पुख्ता करने के लिए प्रबंधन ने 1200 सीसीटीवी लगवाने का निर्णय लिया है। पहले चरण में 450 कैमरे लगा दिए गए हैं। अगले चरण में सभी कैमरे लगा दिए जाएंगे। कंट्रोल रूम में बैठकर एकएक व्यक्ति पर नजर रखी जा सकेगी। विवि में पंद्रह हजार से अधिक छात्र शिक्षा ग्रहण करते हैं। इसमें विभिन्न देशों के एक हजार से अधिक छात्र भी शामिल हैं। पूर्व में कई बार विवाद की स्थिति हुई। इसमें विवाद करने वाले, विवाद का कारण व बाहरी लोगों की पहचान में परेशानी आई। अस्पताल में भी प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग इलाज के लिए आते हैं। सभी चीजों को देखते हुए सुरक्षा पुख्ता करने का निर्णय लिया। एक स्थान पर शारदा कंट्रोल एंड कमांड सेंटर भी बनाया गया है। यहीं पर बैठकर व्यक्ति सभी लोगों पर नजर रख सकेगा।

सीएम अरविंद केजरीवाल दिल्ली के जिम एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों से मिले

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 18 सितंबर। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को दिल्ली के जिम एसोसिएशन के साथ बैठक की और उन्हें अपने व्यवसाय और दिल्ली की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया। दिल्ली के जिम एसोसिएशंस के प्रतिनिधियों ने दिल्ली में जिम और योग केंद्र खोलने के लिए सीएम अरविंद केजरीवाल को धन्यवाद दिया। सीएम ने कोविड19 संक्रमण के प्रसार के खतरे को कम करने के लिए जिम और योग केंद्र मालिकों के साथसाथ आम जनता से जिम केंद्रों में सुरक्षा के प्रोटोकॉल का पालन करने की अपील की। मुख्यमंत्री कार्यालय ने ट्वीट किया, ''दिल्ली के जिम एसोसिएशंस के प्रतिनिधियों ने आज माननीय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी से मिल कर दिल्ली में जिम खोलने के लिए उनका धन्यवाद किया। माननीय मुख्यमंत्री जी ने भी भविष्य में उन्हें सहयोग देने का आश्वासन दिया।''

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी एक ट्वीट कर कहा, ''दिल्ली के सभी जिम संचालकों और व्यायाम

करने वाले लोगों से मेरी अपील है कि जिम सेंटर्स पर सुरक्षा नियमों का पालन जरूर करें। हमें कोरोना संक्रमण को फैलने से भी रोकना है और स्वस्थ्य भी रहना है।'' बैठक के बाद डीडीएमए ने कहा कि जिम और योग केंद्रों को दिल्ली में कंटेनमेंट जोन के बाहर खोलने की अनुमति दी जाएगी। यह आदेश 13 सितंबर को जारी किया गया था और जिम के अंदर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न सुरक्षा उपायों जैसे कि थर्मल स्क्रीनिंग, सीमित प्रवेश और जिम क्षेत्रों के नियमित स्वच्छता का पालन करना होगा। सीएम अरविंद केजरीवाल ने जिम मालिकों से अपील करते हुए कहा कि वे यह सुनिश्चित करें कि केंद्र सरकार द्वारा जारी किए गए सभी एसओपी का सही तरीके से पालन किया जाए। उन्होंने कहा कि जिम सेंटरों में आने वाले लोगों को भी कोरोना संक्रमण के फैलाव को रोकने के लिए सभी सुरक्षा मानकों और प्रोटोकॉल का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार के अनलॉक आदेश जारी होते ही दिल्ली सरकार ने दिल्ली खोलना शुरू कर दिया है और केंद्र सरकार के निर्देश पर जब भी अनलॉक आदेश लागू किए गए दिल्ली में आर्थिक गतिविधियां भी शुरू हो गईं।'

राष्ट्र सेवक बनकर काम कर रहे हैं पीएम मोदी: तिवारी

नई दिल्ली। सांसद मनोज तिवारी अपने निर्वाचन क्षेत्र के तहत झुग्गी बस्तियों में पहुंचे। मनोज तिवारी ने सेवा बस्तियों मुंशी राम कॉलोनी एवं पत्राचार बस्ती तिमारपुर में भोजन वितरण कर सेवा दिवस मनाया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष मोहन गोयल, निगम पार्षद पूजा मदान, रेखा सिन्हा, ममता कुमारी, प्रवीण चैधरी, सुधीर चैधरी, भाजपा नेता भूषण त्यागी सहित कई पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनते ही बरसों पुराने वीआईपी कल्चर को समाप्त करने की घोषणा की और स्वयं को राष्ट्र का स्वामी नहीं सेवक कहते हुए प्रधानमंत्री को प्रधान सेवक के रूप में देश की जनता के सामने प्रस्तुत किया और न सिर्फ ऐसी घोषणाएं की बल्कि उसी आचरण पर अपने आप को डालकर एक आदर्श प्रस्तुत किया और आज जब उनका जन्मदिन है। सेवा सप्ताह के तहत दिल्ली के कोने कोने में हजारों कार्यकर्ता सेवा बस्तियों प्रतिष्ठानों अस्पतालों गली मोहल्लों पार्कों में जाकर कहीं श्रमदान तो कहीं कोरोना योध्दाओ का सम्मान भोजन वितरण कोरोना से बचाव की राहत सामग्री बाट रहे हैं।

सरकार भारतीय चिकित्सा पद्धति के प्रसार के लिए प्रतिबद्ध: हर्षवर्धन

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 18 सितंबर। राज्यसभा ने भारतीय चिकित्सा पद्धति के प्रचार प्रसार के आश्वासन के साथ होम्योपैथी केन्द्रीय परिषद (संशोधन) 2020 विधेयक और भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद (संशोधन) विधेयक 2020 को आज ध्वनिमत से पारित कर दिया।

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री हर्षवर्धन ने इन दोनों विधेयकों पर एक साथ हुयी चर्चा का जबाव देते हुये कहा कि सरकार भारतीय चिकित्सा पद्धति के प्रचार प्रसार के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व्यक्तिगत स्तर पर इसको वैश्विक स्तर पर प्रचारित करने में लगे हुये हैं और भारतीय चिकित्सा पद्धति को पूरी दुनिया में लोकप्रिय बनाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति और योग को भी प्राथमिकता दी जा रही है और इसके लिए अलग आयोग बनाने की तैयारी चल रही है। इस पर काम जारी है। उन्होंने कहा कि आयुष मंत्रालय को लेकर कई सवाल उठाये गये हैं।

उन्होंने कहा कि आयुष मंत्रालय को जिस उद्देश्य से गठन किया गया था वह अपने उद्देश्यों को पूरा करने में सफल रहा है। मंत्री ने कहा कि आयोग के संचालक मंडल में किसी तरह का आरक्षण का प्रावधान नहीं है और इसमें किसी जाति या मजहब के नाम पर किसी को पद देने का प्रावधान नहीं है। केन्द्रीय मंत्री ने इससे पहले दोनों विधेयक पेश करते हुए कहा कि होमियोपैथी परिषद अपने दायित्वों को पूरा करने में विफल रहा और उस पर अनियमितताएं, पारदर्शिता का अभाव तथा भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। इसलिए परिषद के स्थान पर संचालक मंडल की स्थापना की गयी थी। इसके बाद सदन ने इन दोनों विधेयकों को ध्वनिमत से पारित कर दिया जो होम्योपैथी केन्द्रीय परिषद (संशोधन) अध्यादेश और भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद (संशोधन) अध्यादेश का स्थान लेंगें। इसके पहले इलामारम करीम, के के रागेश, विनय विश्वम और केसी वेणुगोपाल ने पिछले दिनों जारी होमियोपैथी केंद्रीय परिषद (संशोधन) अध्यादेश तथा भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद (संशोधन) अध्यादेश को नामंजूर करने के लिए संकल्प पेश किया जिसे अस्वीकृत कर दिया गया।

कोरोना काल में सब्जियों के बाद अब रूलाएंगे दाल के बढ़ते दाम, हुआ 20 फीसदी इजाफा

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । सब्जियों के बढ़ते दामों से पहले ही सभी त्रस्त थे, जिसकी वजह से लोगों ने महंगी सब्जियां खाने की बजाय दालों का रूख कर लिया था। लेकिन सब्जियों के दामों से सताए लोगों को रूलाने के लिए अब दाल के दाम भी लगातार बढ़ते चले जा रहे हैं। हाल यह है कि बीते 15 दिनों के भीतर दालों के रेट में करीब 20 फीसदी का इजाफा दर्ज किया गया है। अधितकर दालें 100 रुपए तक पहुंच चुकी हैं। ऐसे में प्रोटिनयुक्त भोजन व शरीर में प्रतिरोधात्मक क्षमता कैसे बढ़ सकती है। जब गरीब की थाली से सब्जी के साथ ही दाल भी गायब हो जाए। दिल्ली एनसीआर में बढ़ रहे इस दाल के दामों को लेकर थोक व्यापारियों का कहना है कि इस साल कोरोना के चलते दालों की पैदावार में काफी कमी आई है। जिसकी वजह से पुराना स्टॉक खत्म हो चुका है और नया स्टॉक कम है जिसने खुदरा के साथ ही दाल की थोक कीमतों पर काफी असर डाला है। सबसे अधिक दाम अरहर व मूंग की दाल के बढ़े हैं। थोक भाव में प्रति क्विंटल अरहर में 600700 व मूंग में 800900 रुपए का इजाफा हुआ है। खाद्य वस्तुओं के दामों में लगातार इजाफा होने की वजह सप्लाई चेन का प्रभावित होना भी है क्योंकि कोरोना वायरस और बाढ़ ने सप्लाई चेन पर काफी प्रभाव डाला है। जिसकी वजह से लगातार दालों के दामों में इजाफा हो रहा है और तकरीबन 20 फीसदी दाम दालों के बढ़ गए हैं। यदि इसी प्रकार दाल व सब्जियों के दाम बढ़ते रहे तो कोरोना से लड़ना काफी कष्टकारी हो सकता है।

सेवा सप्ताह के उपलक्ष्य में स्वच्छता अभियान का हुआ आयोजन

(नीरज पांडेय/वूमेन एक्सप्रेस)

नई दिल्ली। कोंडली विधानसभा क्षेत्र के चारों मंडलों में सेवा सप्ताह के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 70 वे जन्म दिवस के अवसर पर सेवा सप्ताह के तहत मोदी को धिर्गायू होने कि शुभकामनाएं दी । भाजपा के पूर्व विधान सभा प्रत्याशी व कोण्डली विधान सभा के प्रभारी व पूर्व उप महापौर राजकुमार ढिल्ले ने बताया कि आज चारो वार्डो में स्वच्छता अभियान चलाया गया। भाजपा के कार्यकर्ताओं के अलावा आम जनता ने और आरडब्लूए के लोगो ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया । विधान सभा के दो मण्डलों में मयूर विहार जिला अध्यक्ष विनोद बछेती ने भी भाग लिया और स्वच्छता अभियान मैं बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया तथा स्वच्छता अभियान को अपने अपने मण्डलों में हमेशा के लिये जारी रखने का आवाहन भी किया । राजकुमार ढिल्ले ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए हुये कहा कि सभी कार्यकर्ताओं ने वास्तव में बड़े ही मेहनत और लगन से

सफाई अभियान को सुचारू रूप से सफल बनाने में सहयोग किया है। कार्यक्रम में विधान सभा के सह प्रभारी सुनील चौहान चारो मण्डलों के मण्डल अध्यक्ष राजेंद्र धवन , अमर पाल सिंह , संजीव भदौरिया व राजीव शर्मा , निगम पार्षद अतुल गुप्ता , राजीव चौधरी , महिला मोर्चा पंकज गुप्ता , सुमन गुलेरिया , अनिता सिंह , पूनम शर्मा , मनोज मेहरा , सनोज गिरि , पी. डी. जोशी , डा. हरी शंकर काश्यप , राजीव ठक्कर , नीरज शर्मा , मनोज कुमार , सुबोध , पूर्व विधायक मनोज कुमार , सियाराम कनौजिया , प्रशांत गोहर , जितेन्द्र डेढ़ा , गुंजन नरूला , सुनीता रावत , अलका जोशी , अर्चना भाटिया सहित सैकडो कार्यकर्ताओं ने भाग लिया ।

नायडू ने दी सदस्यों को उनके चैम्बर में न आने की सलाह

नई दिल्ली, 18 सितंबर (वेबवार्ता)। राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू ने सदस्यों से कहा है कि वे कार्यवाही चलने के दौरान न तो टेबल अधिकारियों के पास जायें और न ही उनके चैंबर में आयें। नायडू ने आज सदन में शून्यकाल शुरू होने पर कहा कि वे सदस्यों को पहले भी सलाह दे चुके हैं कि वे कार्यवाही के दौरान टेबल अधिकारियों के पास न जायें। उन्होंने कहा कि कार्यवाही शुरू होने से पहले सदस्य अपने सभी संदेह दूर कर सकते हैं और जानकारी ले सकते हैं। कार्यवाही के दौरान सदस्यों को कोई भी जानकारी लेने के लिए पर्ची का इस्तेमाल करना चाहिए।

नायडू ने बाद में कहा कि सदस्यों को सभापति के चैम्बर में भी नहीं आना चाहिए। उन्होंने कहा कि सदस्य अपने शून्यकाल नोटिस के बारे में जानकारी लेने के लिए उनके पास आ जाते हैं।

उन्हें इससे परेशानी नहीं है बल्कि उन्हें सदस्यों से मिलना अच्छा लगता है लेकिन स्वास्थ्य विभाग और हमारे ही लोग कह रहे हैं कि कृपया इसकी अनुमति न दें। उन्होंने कहा कि ये सभी बंद कमरे हैं और हवा का बाहर अंदर आवागमन नहीं हो पाता। कृपया इसे ध्यान में रखें और इससे बचें। उन्होंने कहा कि यदि आपको कोई समस्या है तो चेयर को पर्ची भेजें। आप मुझे भी लिख सकते हैं और मैं विषय का समाधान करने की हर संभव कोशिश करूंगा। उन्होंने कहा कि सदस्यों को आपस में भी पर्ची से ही बातचीत करनी चाहिए। हल्के अंदाज में उन्होंने कहा, 'परीक्षा कक्ष में पर्ची का आदान प्रदान नहीं हो सकता लेकिन यहां इसकी अनुमति है।'

जकात फाउंडेशन सुदर्शन टीवी मामले में हस्तक्षेप करना चाहता है ?

नई दिल्ली, 18 सितंबर (वेबवार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को गैर सरकारी संगठन 'जकात फाउंडेशन' से पूछा कि क्या वह सुदर्शन टीवी मामले में हस्तक्षेप करना चाहता है, क्योंकि इसमें उसकी भारतीय शाखा पर विदेश से आतंकवाद से जुड़े संगठनों से वित्तीय मदद मिलने का आरोप लगाया गया है। बता दें कि जकात फाउंडेशन प्रशासनिक सेवा में शामिल होने के इच्छुक मुस्लिम उम्मीदवारों को प्रशिक्षण मुहैया कराता है।

न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड, न्यायमूर्ति इंदु मल्होत्रा और न्यायमूर्ति केएम जोसेफ की पीठ के समक्ष जकात फाउंडेशन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगडे ने कहा कि सुदर्शन टीवी द्वारा दाखिल हलफनामे में उनके मुवक्किल पर विदेश से चंदा लेने का आरोप लगाया गया है। हेगड़े ने कहा कि उनका मुवक्किल एक धर्मार्थ संगठन है जो गैर मुस्लिमों की भी मदद कर रहा है और इस तरह की समाज सेवा सरकारी स्तर पर भी नहीं जानी जाती। पीठ ने हेगड़े से कहा कि टीवी चैनल की ओर से विदेश से मिले चंदे के संबंध में विदेशी चंदा नियमन कानून (एफसीआरए) के दस्तावेज जमा किए गए है और यह उसके मुवक्किल पर निर्भर है कि वह मामले में हस्तक्षेप करना चाहता है या नहीं। हेगड़े ने कहा कि जकात फांडेशन कोई आवसीय कार्यक्रम संचालित नहीं करता है और केवल आईएसएस कोचिंग के लिए शुल्क का भुगतान करता है। गौरतलब है कि शीर्ष अदालत सुदर्शन चैनल के कार्यक्रम 'बिंदास बोल' के खिलाफ शिकायत पर सुनवाई कर रही है। कार्यक्रम के प्रोमो में दावा किया गया है कि वह 'प्रशासनिक सेवा में मुस्लिमों की घुसपैठ की साजिश' का बड़ा खुलासा करेगा।

वहीं, प्रधान संपादक के जरिये दाखिल हलफनामे में सुदर्शन टीवी ने कहा, ''जवाब देने वाले प्रतिवादी (सुरेश चव्हाणके) ने 'यूपीएससी जिहाद' शब्द का इस्तेमाल किया है क्योंकि विभिन्न स्रोतों से जानकारी मिली कि जकात फांउडेशन को आतंकवाद से संबंध रखने वाले विभिन्न संगठनों से धन मिला।'' चैनल ने अपने जवाब में कहा, ''ऐसा नहीं है कि जकात फांउडेशन को मिले सभी चंदों का संबंध आतंकवाद से है। हालांकि, कुछ चंदा ऐसे संगठनों से मिला है या ऐसे संगठनों से प्राप्त हुआ है जो चरमपंथी समूहों का वित्तपोषण करते हैं।

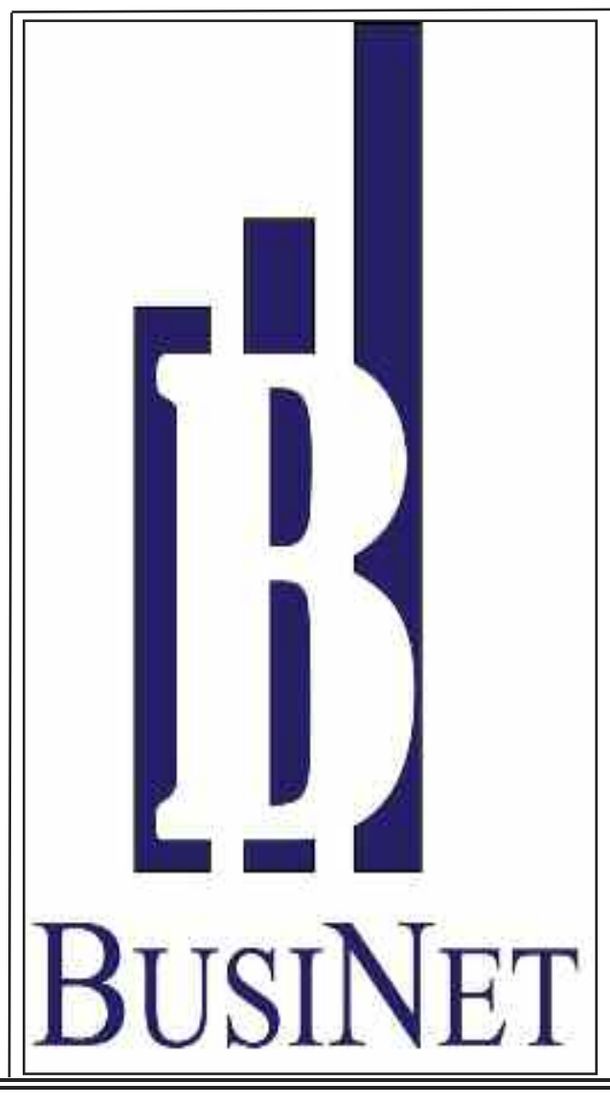

संपादकीय

साइबर जासूस है चीन

चीन की जासूस कंपनियां सिर्फ भारत का ही डाटा इकट्ठा नहीं कर रही हैं, बल्कि 10 से ज्यादा देशों में करीब 2.5 लाख लोगों की जासूसी की है। एक चैंकाने वाला तथ्य यह है कि अकेली जेन्हुआ डाटा कंपनी करीब 30 लाख वैश्विक हस्तियों पर निगरानी रखे हुए है। अमरीका में सबसे अधिक करीब 52,000 लोगों, ब्रिटेन में शाही परिवार समेत 40,000 से अधिक लोगों, ऑस्ट्रेलिया के करीब 35,000 नागरिकों और संगठनों की जासूसी कर चीनी कंपनी ने एक पुख्ता डाटाबेस तैयार कर लिया है। चीन में ऐसा डाटा सरकार और कम्युनिस्ट पार्टी को मुहैया कराना कंपनियों की बाध्यता है। सरकार में चीन की सेना भी शामिल है। चीन ने जासूसी के तरीके बदले हैं और फेसबुक, ट्विटर और व्हाट्स एप सरीखे सोशल मीडिया के जरिए सूचनाएं, समाचार, विचार, आलेख, नीतिगत फैसलों और चीन के बारे में देश का औसत अभिमत आदि का डाटा इकट्ठा किया गया है। चीन के लिए ऐसी जासूसी भी सामरिक रणनीति से कमतर नहीं है। आजकल युद्ध सिर्फ मैदान पर ही सेनाओं के बीच नहीं लड़े जाते, बल्कि साइबर से अंतरिक्ष तक युद्ध के मैदान खुले हैं।

भारत में जासूसी के जरिए जिस तरह लक्षित डाटा जुटाया गया है, यकीनन यह रवैया चिंताजनक है। जिन्हें निशाना बनाकर उनके बारे में डाटा चुराया गया है, उससे कई महत्त्वपूर्ण सवाल पैदा होते हैं। मुद्दा राजनेताओं और संवैधानिक हस्तियों तक ही सीमित नहीं है, सरपंच और पंच स्तर पर भी जासूसी की जाती रही है, उद्यम पूंजीवादियों और देश में सक्रिय विदेशी निवेशकों, आईआईटी के निदेशकों, विभिन्न स्वास्थ्य एवं भुगतान एप्स, तकनीकी स्टार्टअप से लेकर नई अर्थव्यवस्था के प्रत्येक प्रारूप पर चीन निगरानी रखे हुए है। यहां तक कि फूड, शॉपिंग, ईकॉमर्स, यातायात और डिलीवरी चेन तक की जासूसी की जाती रही है। ऐसा लगता है मानो चीन भारत के कारोबार को तबाह करना चाहता है। क्रिकेट के 'भगवान' सचिन तेंदुलकर, प्रख्यात फिल्म निर्देशक श्याम बेनेगल सरीखों को भी छोड़ा नहीं गया है। अब सवाल है कि क्या भारत सरकार जागरूक और चैकस है कि उसके हजारों नागरिकों पर, परंपरागत तरीके के पार जाकर, निगरानी रखी जा रही है? सरकार ने अपने स्टाफ और अन्य कम्प्यूटर, इंटरनेट इस्तेमाल करने वालों की 'साइबर सुरक्षा' के लिए क्या बंदोबस्त किए हैं? क्या हमारा साइबर कानून इतना छिद्रदार है कि कोई भी घुसकर जासूसी कर सकता है? क्या हमारा सिस्टम सुरक्षित नहीं है? क्या यह सुरक्षा संबंधी बड़ा जोखिम है? अंततः भारत सरकार इसका जवाब किस तरह देगी? कांग्रेस ने लोकसभा में तार्किक मांग की है कि विदेश मंत्रालय को दिल्ली में चीन के राजदूत को तलब करना चाहिए और अपना शुरुआती विरोध दर्ज कराना चाहिए।

हैरानी है कि चीनी कंपनियों ने पूर्वोत्तर के सातों राज्यों के प्रमुख 180 नेताओं के साथसाथ जम्मूकश्मीर और लद्दाख में भी जासूसी की है। बेशक इस तरह इकट्ठा किए गए डाटा का दुरुपयोग किया जा सकता है और चीन दुष्प्रचार का खेल नए सिरे से शुरू कर सकता है। प्रौद्योगिकी की भाषा में जिसे 'संकर युद्ध' करार दिया जाता रहा है, उसके तहत चीन हमारी आर्थिक गतिविधियों को गड़बड़ा सकता है, सामाजिक अशांति फैला सकता है, संस्थानों को कमजोर या नष्ट किया जा सकता है और हमारे राजनीतिक नेतृत्व को बदनाम कर सकता है, लिहाजा इस साइबर हमले और और संभावित दुष्प्रचार अभियान को रोकने के लिए भारत सरकार को तुरंत कदम उठाने पड़ेंगे। चीन की जासूस हरकतों के मद्देनजर भारतीय सुरक्षा से जुड़ी एजेंसियां सक्रिय हो गई हैं। यह भी आकलन किया जा रहा है कि कितना व्यापक डाटा चुराया जा चुका है और वह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए कितना घातक साबित हो सकता है? भारत अपने स्तर पर तो कार्रवाई करेगा ही, लेकिन इस विषय को दुनिया के बहुविध मंचों पर भी साझा किया जाना चाहिए।

महिला हेल्पाइन

डीएमआरसी	155370
सीआईएसएफ	22185555
दिल्ली पुलिस	1091
दिल्ली सरकार	181
कहीं भी कभी भी	1090

हिंदी दैनिक वूमेन एक्सप्रेस

खबर एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
चेम्बर नंबर-302, वधवा बिजनेस सेंटर, डी-288-89/10,
नियर लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टैशन गेट नंबर -1,
विकास मार्ग, नई दिल्ली - 110092
मोबाइल : 07042999974/ 09013518518
प्रधान संपादक : खुशबू पाण्डेय
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा
राजनीतिक संपादक : नीता बुधौलिया
विज्ञापन प्रबंधक : रिजवाना नसीम
कानूनी सलाहकार : लख़मी चन्द
www.womenexpress.in
Email : thewomenexpress@gmail.com

इंदौर कार्यालय

102 , राजानी भवन , हाई कोर्ट के सामने,एम् ,जी रोड , इंदौर (मध्यप्रदेश)
रजनी खेतान (ब्यूरो चीफ)
मोबाइल : 08770587699, 09826024018

इलाहाबाद कार्यालय

17/33, महात्मा गांधी मार्ग
(माया बाजार) सिविल लाइनस।
फोन : 05322560285
09415215390
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा

किसानों को गुमराह करने की सियासत

कृषि क्षेत्र में व्यापक सुधारों और किसानों को लाभ पहुंचाने की नीयत से केंद्र सरकार तीन बिल लाई है। विपक्ष संसद से सड़क तक इन बिलों का विरोध कर रहा है। विरोध के स्वर सरकार के अंदर से भी उठ रहे हैं। एनडीए का पुराना साथी अकाली दल सरकार के इस कदम से बेहद नाराज है। अकाली दल के कोटे से केंद्रीय कैबिनट मंत्री हरसिमरत कौर ने विरोध में अपने पद से इस्तीफा तक दे दिया है। हरियाणा, पंजाब और राजस्थान के किसान संगठन विरोध जता रहे हैं। विपक्षी दल और किसान संगठन किसानों को यह कहकर बरगला रहे हैं कि इन बिलों की आड़ में सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य की व्यवस्था खत्म करने की दिशा में काम कर रही है। सरकार निजी कंपनियों को लाभ देने और किसानों को भूमिहीन करने की नीयत से ये बिल लायी है। नये तथाकथित कृषि सुधार लागू होने से किसान और उसकी उपज पर प्राइवेट कंपनियों का कब्जा हो जाएगा और सारा फायदा बड़ी कंपनियों को मिलेगा। असल में ये अध्यादेश किसानों की बजाय बिचैलियों के लिए नुकसानदायक हैं। इसलिये विपक्ष, किसान संगठन और व्यापारियों की मजबूत लॉबी किसानों की आड़ में विरोधी माहौल तैयार कर रही है।

जिस बिल का ज्यादा विरोध हो रहा है, वो अध्यादेश 'कृषि उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) अध्यादेश 2020 है। यह बिल कृषि उपज की बिक्री हेतु पहले की वर्तमान व्यवस्था के समानांतर एक नयी व्यवस्था बनाने की दिशा में क्रांतिकारी कदम है। यह अध्यादेश राज्यों के कृषि उत्पाद मार्केट (एपीएमसी) कानूनों के अंतर्गत अधिसूचित बाजारों के बाहर किसानों की उपज के फ्री व्यापार की सुविधा देता है। इस अध्यादेश के प्रावधान राज्यों के एपीएमसी एक्ट्स के प्रावधानों के होते हुए भी लागू रहेंगे। सरकार का कहना है कि इस बदलाव के जरिए किसानों और व्यापारियों को किसानों की उपज की बिक्री और खरीद से संबंधित आजादी मिलेगी। जिससे अच्छे माहौल पैदा होगा और दाम भी बेहतर मिलेंगे।

इस अध्यादेश का मूल मकसद एक देश, एक कृषि बाजार की अवधारणा को बढ़ावा देना और एपीएमसी बाजारों की सीमाओं से बाहर किसानों को कारोबार के साथ ही अवसर मुहैया कराना है. ताकि किसानों को फसल की अच्छी कीमत मिल सके। इसके अलावा, यह अध्यादेश इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग को भी बढ़ावा देगा। यानी उपज की ऑनलाइन खरीदफरोख्त भी की जा सकेगी। बिल में यह भी व्यवस्था है कि कोई भी व्यापार करने पर राज्य सरकार किसानों, व्यापारियों और इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म्स से कोई बाजार फीस, सेस या प्रभार नहीं वसूलेगी।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह अध्यादेश किसानों को उनकी उपज देश में कहीं भी बेचने की आजादी देता है, इस तरह इससे वन नेशन वन मार्केट का मॉडल लागू हो जाएगा। इस अध्यादेश के समर्थकों का मानना है कि इससे किसानों की आमदनी बढ़ेगी। जबकि विरोधी कह रहे हैं कि

इस अध्यादेश से मंडी एक्ट केवल मंडी तक ही सीमित कर दिया गया है और मंडी में खरीदफरोख्त पर शुल्क लगेगा जबकि बाहर बेचनेखरीदने पर इससे छूट मिलेगी। इस नियम से खासकर मंडी व्यापारी और आढ़ती बहुत नाराज हैं। उनका कहना है कि इससे बाहरी या प्राइवेट कारोबारियों को फायदा पहुंचेगा।

जमीनी हकीकत यह है कि नई व्यवस्था एक नया विकल्प है, जो वर्तमान मंडी व्यवस्था के साथसाथ चलती रहेगी। किसानों को एपीएमसी के अलावा अपनी उपज बेचने का विकल्प मिला है, देश में जहां भाव ज्यादा मिले किसान वहां अपनी उपज बेच सकता है। असल में नुकसान होगा तो बिचैलियों, आढ़तियों का जो मंडियों में कमीशन लेते हैं। नेताओं की चिंता मंडियों पर कमजोर होने को लेकर है। हरियाणा और पंजाब में आढ़तियों यानी बिचैलियों का दबदबा जगजाहिर है। इनकी ताकतवर लॉबी के आगे असली किसान अपने मन की बात नहीं कह पा रहा है। तमाम किसानों का यह मानना है कि मंडी की वजह से किसानों का नुकसान हुआ है और बाजार खुलने से किसानों को जरूर लाभ होगा।

मूल्य आश्वासन तथा कृषि सेवाओं पर किसान (सशक्तिकरण और संरक्षण) समझौता अध्यादेश कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग की बात करता है। छोटे किसानों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला किया गया है। वर्तमान में कुछ राज्यों में अनुबंध खेती के लिये एपीएमसी के द्वारा पंजीकरण किये जाने की जरूरत होती है। मतलब यह है कि अनुबंध समझौतों को एपीएमसी के साथ दर्ज किया जाता है जो इन अनुबंधों से उत्पन्न होने वाले विवादों को हल करने का काम करती है। इसके अलावा, अनुबंध खेती करने के लिये एपीएमसी को बाजार शुल्क और लेवी का भुगतान किया जाता है। मॉडल एपीएमसी अधिनियम, 2003 के तहत राज्यों को अनुबंध खेती से संबंधित कानूनों को लागू करने संबंधी अधिकार प्रदत्त किये जाते हैं। इस अधिनियम के परिणामस्वरूप 20 राज्यों द्वारा अपने एपीएमसी अधिनियमों में अनुबंध खेती हेतु संशोधन किये गए हैं, इतना ही नहीं, पंजाब में तो अनुबंध खेती पर अलग से एक कानून का निर्माण किया है।

छोटी जोत के किसानों को मत है कि सरकार ने कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग का जो फैसला लिया है, वो सही है। उनका ये भी कहना है कि ये फैसला पहले ही हो जाना चाहिए था। वास्तव में कृषि भूमि सीलिंग कानून की वजह से किसानों को नुकसान हुआ है। आंकड़ों के मुताबिक देश के 85 फीसदी किसान दो एकड़ कृषि भूमि के नीचे है। सीलिंग कानून के तहत हर राज्य अपने हिसाब से कृषि भूमि की सीमा तय करता है। किसानों का भी मानना है कि जमीन के छोटे टुकड़े के साथ किसानों का जीना नामुमकिन जैसा है। छोटे जमीन वाले किसान ही तो शहर की ओर आए थे और अपना पेट पाल रहे थे, लॉकडाउन हुआ तो वे फिर गांव लौट गए। ऐसे में अगर सरकार ने ये कदम पहले उठाये होते तो किसान और अर्थव्यवस्था दोनों ज्यादा मजबूत होते। जमीनी हकीकत ये भी है कि छोटे किसानों को बैंक भी कर्ज नहीं देता है और दो से चार एकड़ की जमीन पर साल भर कैसे गुजारा होगा यह अपने आप में सोचने वाला विषय है। खेती एक नुकसानदायक काम है और इसमें बड़ी कंपनियां नहीं आती है।

सरकार का मानना है कि यह अध्यादेश किसानों को शोषण के भय के बिना समानता के आधार पर प्रोसेसर्स, एग्रीगेटर्स, थोक विक्रेताओं, बड़े खुदरा कारोबारियों, निर्यातकों आदि के साथ जुड़ने में सक्षम बनाएगा। इससे किसानों की आय में सुधार होगा। सरकार का मानना है कि इस बिल से बिचैलियों की भूमिका खत्म होगी और किसानों को अपनी फसल का बेहतर मूल्य मिलेगा। हालांकि, विरोध करने वालों का दावा है कि अब निजी कंपनियां खेती करेंगी जबकि किसान मजदूर बन जाएगा। किसान नेताओं का कहना है कि इसमें एग्रीमेंट की समयसीमा तो बताई गई है लेकिन न्यूनतम समर्थन मूल्य का जिक्र नहीं किया गया है। आवश्यक वस्तु अधिनियम में संशोधन के जरिए अनाज, दलहन, तिलहन, खाद्य तेलों, प्याज और आलू जैसी वस्तुओं को आवश्यक वस्तुओं की सूची से बाहर कर कर दिया गया है। यानी अब इनका स्टोरेज किया जा सकेगा।

आशीष वशिष्ठ
www.womenexpress.in

परिश्रम और परिणाम के संकल्प ने खत्म की परिक्रमा संस्कृति

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्ता के गलियारे से परिक्रमा संस्कृति खत्म कर परिश्रम और परिणाम को प्रामाणिक बनाया। सत्ता और सियासत के गलियारे में दशकों से परिक्रमा को ही पराक्रम समझने वाले, परिश्रम और परिणाम की कार्य संस्कृति के चलते हाशिये पर चले गए हैं। इसी परिणामी मंतर ने सत्ता के गलियारे से सत्ता के दलालों को छूमंतर किया। 2014 से पहले एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री को छोड़ने जानालेने जाना, मंत्रिमंडल के सदस्यों का कर्मकांड माना जाता था, दशकों की यह व्यवस्था खत्म हुई; लाल बत्ती सरकार की धमकधाक का हिस्सा थी, सामंती गुरुर वाली लाल बत्ती इतिहास का हिस्सा बन गई। सांसदों को सब्सिडी जन्मसिद्ध अधिकार लगता था, एक झटके में खत्म हुई। मंत्रीसांसद ना रहने के बावजूद कुछ लोगों को सरकारी बंगलों पर कब्ज़ा रखना संवैधानिक अधिकार लगता था, उसे खत्म किया। मंत्रालयों को मार्च से पहले बजट को उलजुलूल तरीके से खत्म करना सरकार की प्राथमिकता थी, जिसके चलते उपयुक्त खर्च का प्रयास नहीं होता था, यह काम चलाऊ, दकियानूसी व्यवस्था खत्म हुई। प्रधानमंत्री, मंत्रियों, अधिकारियों के एक दिन के विदेशी दौरे के काम के लिए दस दिन सैर सपाटे और करोड़ों खर्च करने की व्यवस्था को खुद प्रधानमंत्री स्वयं के दौरों पर, केवल काम की सफर सीमा बाँध कर, पूरी सरकार की सोंच में व्यापक परिवर्तन आये।

सरकारें बदलती थी, मंत्री बदलते थे पर वर्षों से मंत्रियों के निजी स्टाफ वही रहते थे, जिसका नतीजा होता था कि सत्ता के गलियारे में घूमने वाले दलाल और बिचौलिए उस निजी स्टाफ के जरिये बरकरार रहते थे, दस वर्षों से जमें निजी स्टाफ को मंत्रालय में रखने पर रोक लगाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेशेवर बिचौलियों के पर काट दिए। पहले प्रधानमंत्री, सचिव और उसके नीचे के अधिकारियों से कभी संपर्कसंवाद नहीं करते थे, ग्राउंड रिपोर्ट की जानकारी से रूबरू नहीं होते थे, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने बदल कर मंत्रियों के साथसाथ अधिकारियों से संवाद संस्कृति शुरू की, जिसके चलते नौकरशाही की जवाबदेहीजिम्मेदारी बढ़ी है, पदम् अवार्ड जैसे प्रतिष्ठित सम्मान जो पहले केवल सियासी सिफारिशों के जरिये दिए जाते थे, आज उन लोगों को यह सम्मान दिया जा रहा है जो वास्तव में इसके हक़दार हैं।

यह सब बाते हो सकता है छोटी हों पर परिक्रमा के पराक्रम की जगह परिश्रम एवं परिणाम की कार्य संस्कृति को पैदा करने की दिशा में मील का पत्थर साबित हुई हैं। कोरोना काल के संकट के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संवेदनशीलता, सक्रियता एवं इस संकट से देश को निजात दिलाने में अग्रिम भूमिका ने देश के लोगों में भरोसा बढ़ाया। एक तरफ कोरोना का कहर, दूसरी तरफ सीमाओं की सुरक्षा, तीसरी तरफ भूकंप तूफानबाढ़ जैसी प्राकृतिक चुनौती, इसी बीच टिड्डियों द्वारा फसलों की बर्बादी और फ़िसड्डियों की बकवास बहादुरी भी चलती रही।

भारत जैसे विशाल देश के लिए यह बड़ा संकट का समय रहा, पर देश के लोग इस संकट से कम से कम प्रभावित हों इसका

भरपूर प्रबंधनप्रयास मोदी जी की परिश्रम परफॉर्मेंस एवं परिणाम की कार्य संस्कृति का जीताजागता सुबूत हैं। इस संकट के समय भी लोगों के सकारात्मक संकल्प और मोदी सरकार के प्रति पुख्ता विश्वास का नतीजा रहा कि वक्त की सबसे बड़ी जरूरत स्वास्थ्य के क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भरता के पायदान पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। ह्95 मास्क, पीपीई, वेंटीलेटर एवं अन्य स्वास्थ्य सम्बन्धी चीजों के उत्पादन में भारत आत्मनिर्भर भी बना और दूसरे देशों की भी मदद की। आज डेडिकेटेड कोरोना अस्पतालों की संख्या 1054 हो गई है। कोरोना महामारी की शुरुआत के समय हमारे देश में सिर्फ एक टेस्टिंग लैब थी, आज 1400 लैब का नेटवर्क है। जब कोरोना की चुनौतियां आई तो देश में एक दिन में सिर्फ 300 टेस्ट हो पाते थे, आज हर दिन 11 लाख से ज्यादा टेस्ट हो रहे हैं। जो दुनिया के किसी भी देश के लिए प्रेरणा है।

प्रत्येक भारतीय को हेल्थ आईडी देने के लिए नेशनल डिजिटल हेल्थ मिशन शुरू किया गया है। दुनिया की सबसे बड़ी हेल्थ योजना मोदी केयर ने लोगों के सेहत की गारंटी दी, हेल्थ केयर क्षेत्र में मोदी सरकार के प्रयासों का नतीजा है कि इतनी बड़ी आबादी वाले देश में कोरोना संकट के बड़े प्रभाव को कम किया जा सका। कोरोना की चुनौतियों के दौरान लोगों की सेहत, सलामती के लिए 81 करोड़ से ज्यादा लोगों को मुफ्त राशन मुहैया कराया गया, जो किसी भी लोकतांत्रिक देश की अद्वितीय घटना होगी। 41 करोड़ जरूरतमंदों के बैंक खातों में 90 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा सीधे ट्रांसफर किये गए। 8 करोड़ परिवारों को मुफ्त गैस सिलिंडर, 1 लाख 70 हजार करोड़ का गरीब कल्याण पैकेज, 20 करोड़ महिलाओं के जन धन खाते में 1500 रूपए, किसान सम्मान निधि के तहत किसानों को 19 हजार करोड़ रूपए दिए जाने जैसे प्रभावी कदम उठाये गए जिसके चलते लोग इस संकट के समय विश्वास की डोर से जुड़े रहे। वन नेशन वन राशन कार्ड लागू किया गया है जिसका लाभ 67 करोड़ जरूरतमंदों को होना शुरू हो गया है। मनरेगा के लिए अतिरिक्त 40 हजार करोड़ रूपए जारी किये गए हैं, किसानों को देश में कहीं भी अपनी उपज को बेचने की आजादी दी गई है, श्रमिक स्पेशल ट्रेन के जरिये 60 लाख से अधिक प्रवासियों को उनके गृह राज्यों तक पहुंचाया गया, स्टेट डिज़ास्टर रिलीफ फण्ड से प्रवासी मजदूरों की मदद के लिए राज्यों को 11 हजार करोड़ रूपए दिए गए। भारत के शिक्षा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाली नई शिक्षा नीति लाई गई है जो भारत को विश्व का एजुकेशन हब बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। 40 करोड़ से ज्यादा लोगों को जन धन योजना के तहत आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ा गया है।

इसी कोरोना काल में तीन दर्जन से ज्यादा बड़े आर्थिक, सामाजिक, शैक्षिक, प्रशासनिक, व्यापारिक, श्रमिक, रक्षा, कोयला, नागरिक उड्डयन, ऊर्जा, डिस्ट्रीब्यूशन, अंतरिक्ष, फॉरेस्ट लैंड, कृषि, संचार, बैंकिंग, निवेश एवं डेरी से लेकर फड़फेरी वालों तक की बेहतरी के लिए बड़े और महत्वपूर्ण रिफॉर्म किये गए जिसके चलते देश की अर्थव्यवस्था आपदा के बावजूद अवसर से भरपूर रही। राष्ट्रीय भर्ती एजेंसी (एनआरए) के गठन का केंद्रीय मंत्रिमंडल का फैसला लाखों युवाओं की मदद करने वाला एक ''संकल्पित कदम है। एनआरए अलगअलग परीक्षाओं की जगह साझा पात्रता परीक्षा आयोजित करेगी और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता तथा दक्षता लाएगी। युवाओं को फिलहाल नौकरी के लिये कई अलग अलग परीक्षाएं देनी पड़ती हैं।

मुख्तार अब्बास नकवी
केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री ।
www.womenexpress.in

मानवाधिकार और हमारे देश की महिलाएं

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर 1945 से प्रारम्भ मानवाधिकार एवं महिला आन्दोलनों ने लिंग भेदभाव एवं असमानता के प्रश्नों को अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय मंचो पर राजनैतिक मुद्दों के रूप मे प्रस्थापित किया। संयुक्त राष्ट्र संघ ने शांति स्थापना एवं विकास यात्रा में महिलाओं की भूमिका के महत्त्व को भी रेखांकित किया है। संघ ने अनेक अन्तर्राष्ट्रीय संघठन बनाए, जिसमे महिलाओं को पुरूष के समान उत्थान का अधिकार दिया।इस प्रक्रिया में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार घोषणा से पूर्व 1946 में महिला प्रस्थिति के अध्ययन के लिए गठित समिति की घोषणा महत्तवपूर्ण रही जिसको कमीशन ऑन द स्टेटस ऑफ वूमेन का नाम दिया गया।

1967 में संयुक्त राष्ट्र संघ महासभा द्वारा महिलाओं के प्रति भेदभाव समाप्त करने सम्बन्धी प्रस्ताव पारित किया गया। इस के अन्तर्गत यह प्रावधान किया गया है कि महिलाओं को चाहे वे विवाहित हो या अविवाहित, पुरूषों के साथ आर्थिक एवं सामाजिक क्षेत्र में सभी समान अधिकार प्रदत्त किये जाने के लिए समुचित व्यवस्था की जाएगी और किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं होगा। महिलाओं के उत्थान के संदर्भ में सम्पूर्ण विश्व में महिला उत्थान व विकास के प्रति चेतना जगानें के लिए संयुक्त राष्ट्र की महासभा में 1975 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला वर्ष घोषित करने का निर्णय लिया। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा महिला सहयोग की अपेक्षा करते हुए अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर महिला योगदान व महिला सकारात्मक व रचनात्मक भूमिका के महत्तव को स्वीकार करते हुए महिला जगत के उत्थान के कार्यक्रम बनाये।

1975 में प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय महिला सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र संघ ने महिला कल्याण हेतु 1975 से 1984 दशक को महिला दशक घोषित किया जिसमें महिला शिक्षा, रोजगार, लिंग भेदभाव मिटाने, नीति निर्धारण में महिलाओं को सम्मिलित करने एवं समान राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, नागरिक अधिकार देने आदि की घोषणा की गई। 1978 में महिलाओं के प्रति सभी प्रकार के भेदभाव समाप्त करने के लिए समिति के गठन का प्रस्ताव किया गया एवं हिंसा को समाप्त करने के आशय से नवीन घोषणा जारी की गई। दिसम्बर 1993 को संयुक्त राष्ट्र की सामान्य सभा के भीतर महिलाओं के प्रति हिंसा निष्कासन की घोषणा को स्वीकार किया गया एवं महिलाओं के प्रति हिंसा को सात भागों में बाँटा गया-

1.समुदाय तथा परिवार के भीतर शारीरिक जैविक तथा मनोवैज्ञानिक हिंसा जिसमें पत्नी को पीटना, लडकी का अनैतिक शोषण, दहेज सम्बन्धी हिंसा, वैवाहिक बलात्कार, महिला जनन अंगो की काँटछाँट तथा अन्य महिलाओं के प्रति घातक पारम्परिक क्रियां।

2.अवैवाहिक हिंसा।

3.असन्तोष आधारित हिंसा।

4.शैक्षणिक संस्थाओं एवं अन्य

स्थानों में कार्यस्थल पर धमकी तथा यौनिक उत्पीडन।

5.महिला को बेचना तथा व्यापारीकृत करना।

6.वैश्यावृत्ति हेतु दबाव डालना।

7.राज्य द्वारा क्षमादान तथा अपराधी हिंसा।

क्या है वर्तमान परिदृश्यः महिलाओं के प्रति शोषण, अत्याचार तथा उत्पीडन वर्तमान परिप्रेक्ष्य में एक सार्वभौमिक तथ्य है। आज सर्वभौमिक मानवाधिकार घोषणापत्र को लगभग 70 वर्ष पूरे होने को हैं, फिर भी मानवाधिकारों का उल्लंघन समाज में प्रतिदिन दिखाई देता है, विशेष तौर पर महिलाओं के प्रति। महिलाओं को सदा से ही सामाजिक, धार्मिक, विधिक, शैक्षणिक, आर्थिक व सांस्कृतिक क्षेत्र में उपेक्षा सहनी पडी एवं उन्हें समाज में सदैव दोयम दर्जा ही प्राप्त हुआ । शारीरिक रूप से कमजोर और आर्थिक रूप से पुरूषों पर निर्भर होने के कारण सदियों से महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार, शोषण और यौन उत्पीडन होता रहा है ओर यही कारण है कि उन्हें अपने मानवाधिकारों के लिए अधिक संघर्ष करना पडता है। संवैधानिक प्रावधानों और कानूनो के बावजूद महिलाओं के उत्पीडन की घटनाओं की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ रही है। वह अपने आप को पहले से भी कही ज्यादा असुरक्षित महसूस करती है। महिलाओं में शिक्षा प्राप्ति के अधिकार भी पुरूषों की अपेक्षा न्यून हैं। हालांकि शहरों में तो स्थिति सुधर रही है परन्तु गाँवो में अभी भी महिला शिक्षा मे भेदभाव किया जाता है। महिलाओं के प्रति शिष्टता का हनन आधुनिक समाज में खुलओम हो रहा है, फिल्मों और विज्ञापनों मे महिलाओं की देह को उपभोग की सामग्री की तरह बेचा जा रहा है। आज वर्तमान में घर के बाहर एवं अन्दर महिलाओं को शोषण तथा दमन का सामना करना पडता है। घर की चारदीवारी के अन्दर दमन अधिकतर गुप्त होता है तथा परिवार के अंदर महिलाओं की समस्या बढ़ जाती हैं। महिलाओं एवं पुरूषों के बीच असमान शक्ति सम्बन्धों की अभिव्यक्ति जीवन के अनेक क्षेत्रों में प्रतिबिम्बित होती है और महिलाओं को हिंसा, भ्रूण हत्या, शिशु हत्या, दहेज प्रताडना, मारपीट, यौन शौषण, शारीरिक एवं भावनात्मक दुर्व्यवहार आदि का सामना करना पडता है।

यूनीसेफ के एक अनुमान के अनुसार भारत में प्रतिवर्ष 50 लाख भ्रूण हत्यां होती हैं जिनमे अधिकतर मादा भ्रूण हत्या हैं। महिलाओं की आर्थिक गतिविधि कुल आर्थिक गतिविधि का लगभग 50 प्रतिशत है, किन्तु आमदनी में उनका हिस्सा 34 प्रतिशत से अधिक नहीं है। असमानता के आंकडे हर क्षेत्र में देखे जा सकते है। महिलाओं पर बढ़ती हिंसा और भी अधिक सोचनीय है। शिक्षा के अवसर निरन्तर बढ़ रहे हैं किन्तु बहुसंख्यक बालिकाओं को लाभ नहीं मिल पाया है। विडम्बना है कि विकास की गति के बावजूद महिलाओं की स्थिति में आशानुकूल सुधार नहीं हुआ है, बल्कि कुछ क्षेत्रों में तो स्थिति बदतर हुई है।

महिलां जो विश्व की आबादी का आधा हिस्सा हैं और जिनका समाज निर्माण में योगदान पुरूषों से किसी भी प्रकार कम नहीं है, पुरूष प्रधान समाज में कभी भी अपना न्यायोचित स्थान प्राप्त नहीं कर पाई।

बीसवीं शताब्दी मानवाधिकारों के क्षेत्र में सोचविचार को नवीन आयाम प्रदान करने के लिए इतिहास में एक विशिष्ट स्थान रखती है। यद्यपि यह एक कटु सत्य है कि आज भी विश्व के अनेक देशों के नागरिकों को पूर्ण मानव अधिकार प्राप्त नहीं हो सके हैं। महिला जनसंख्या के अधिकांश भाग के लिए भारत में ही नहीं वरन सम्पूर्ण विश्व में मानवाधिकार आज भी मिथक है। आजादी के साठ वर्षों की विकास यात्रा में देश में महिलाओं उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक स्थिति और सामाजिक मान्यताओं के प्रति दृष्टिकोण में परिवर्तन की सुगबुगाहट अवश्य लक्षित हैं लेकिन इस विशाल और अनगिनत विविधताओं वाले देश में इस परिवर्तन का अंश नगण्य ही है।

सौम्य रंजन प्रधान,
मानवाधिकार और अपराध
नियंत्रण ब्यूरो के उपाध्यक्ष हैं।
www.womenexpress.in

भाषा का संरक्षण और नई शिक्षा नीति

देश में शिक्षा सुधार एवं गुणवत्ता बहुत ही जरूरी कदम होना चाहिए ।शिक्षा प्रणाली सुधर जाएं और इससे संबंधित प्रक्रियाएं सुधर जाए तो शायद काफी मसले हल हो सकते हैं। युवा भविष्य की नींव शिक्षा नीतियों पर ही कायम होती है । दो शताब्दियों से मैकालेकरन का अंत तो हो ही चला है । राजनीतिक पार्टी कोई भी हो यह मुद्दा नहीं है, मुद्दा है कि शिक्षा नीति छात्र केंद्रित व उनके हितों को सर्वोपरि रखकर निर्मित की जाए। नई शिक्षा नीति उम्मीद है कुछ सृजन कर पाएगी ।इसमें दो राय नहीं है कि हमारा मूल चिंतन हमारी सभी उपलब्धियां हमारी भारतीय भाषाओं मे अलंकृत हुई हैं । भाषा का नाम लेते ही सभी हिंदी के बारे में सोचते हैं ,लेकिन हिंदी तो हमारी भाषा है ही साथ ही अन्य क्षेत्रीय भाषाएं स्रजनके लिए बराबर अहमियत रखती हैं पूर्व में जो भी पांडुलिपि या साहित्य ग्रंथ काव्य , महाकाव्य ,उपलब्धियां हमारी भाषा में ही लिखी गई थी ।उसको सहेज कर रखा तो हमें इतिहास के बारे में पता लगा यदि इन भाषाओं को हम अगली पीढ़ी में संचारित नहीं करेंगे तो हमारी भाषा असंरक्षित हो जाएगी । विदेशी भाषा का अधिकतम प्रयोग फिर से गुलामी की याद दिला ने लगा है ।महान कवि भारतेंदु हरिश्चंद्र ने लिखा है कि निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल , बिन निज भाषा ज्ञान के मिटे न हिय को सूल आज युवा और बच्चे अपनी योग्यता का परिचय देने के लिए विदेशी भाषा का उपयोग कर रहे हैं क्योंकि इसे ही शिक्षित समाज का मुख्य मानक माना जा रहा है दोष समाज का ही है जो हमें संपूर्ण शुद्ध और समृद्ध बोलने की जगह टूटी फूटी विदेशी भाषाओं को अपने घरों में स्थान दे रहा है । देश के युवाओं की सांस्कृतिक भीरुता और उनकी कमजोर आत्मिक शक्ति की मुख्य वजह यही है कि हमने अपनी मातृभाषा को नजरअंदाज और दरकिनार कर दिया है पहले मुगलों के साम्राज्य में फारसी का दबदबा था ।उसे अपनाया गया फिर सांझी संस्कृति के नाम पर वही महत्व परंपरा स्वरूप उर्दू को मिल गया और फिर अंत में अंग्रेजों और मिशनरियों के प्रभाव में हमने अंग्रेजी के सामने घुटने टेक दिए जिसका परिणाम यह हुआ कि हम अपनी जड़ों से नष्ट होते चले गए । नई शिक्षा नीति भारतीय परंपराओं तथा विरासत को सहेजने का एक बड़ा कदम है ,लगभग 34 साल बाद देश में नई शिक्षा नीति लागू की गई है इसको देखकर महसूस हो रहा है कि यह प्रगतिशील नैतिक मूल्यों एवं समृद्धि से परिपूर्ण ऐसे भारत की कल्पना करती है जो अपने गौरवशाली इतिहास को पुनर्जीवित करने का सपना दिखाती है ।हमारी नई शिक्षा नीति 1986 में लागू हुई थी जो 1993 में संशोधित की गई। सबसे पहले नई शिक्षा नीति 1968 में आई यह कोठारी आयोग की सिफारिशों पर आधारित थी लेकिन यह नीतियां 21वीं सदी की मांग के अनुरूप चुनौतियों का सामना करने में पूर्णतया अक्षम साबित हो गई है ।यदि देश की सांस्कृतिक एकता अस्मिता को एक करने वाली नीतियां लागू नहीं हो पाई ,तो देश की अभेद्य ता खत्म होने में वक्त नहीं लगेगा हमने कभी भी गंभीरता से नीतियों को लागू नहीं किया ,केवल राजनीतिक मुद्दे ही इसमें हस्तक्षेप करते रहे हैं ।हम वही सिस्टम अपनाते रहते हैं ,जो चला आ रहा है ,परिवर्तन करना नहीं चाहते ।परिवर्तन सबके लिए सुखद हो ऐसा कभी सोचा भी नहीं जा सकता ,लेकिन कब तक ? राष्ट्रीय शिक्षा नीति एक ऐसी नीति है जिसमें पंचायत से लेकर संसद, ग्राम प्रधान से लेकर प्रधानमंत्री ,और छात्र से लेकर अभिभावक तक, शिक्षा से लेकर शिक्षाविदो तक ,गरीबो से धनी तक , सभी का संपूर्ण योगदान है । 21वीं सदी के भारत से पूरे विश्व भर की अपेक्षाएं सिर्फ शिक्षा के क्षेत्र में ही नहीं बल्कि अध्यात्म के क्षेत्र में भी है आध्यात्मिक दृष्टि से देखें तो भारत ही एक ऐसा देश है नई शिक्षा नीति का स्वरूप जड़ से जग तक ,मनुष्य से मानवता तक, अतीत से आधुनिक तक , सभी बिंदुओं का समावेश करते हुए तय किया गया है ।हमारे महान विरासत को संजोए और बनाए रखने के लिए भी नई शिक्षा नीति कटिबद्ध है। शिक्षा में चरित्र और व्यक्तित्व दोनों को केंद्र बनाना अति आवश्यक है, शिक्षा हमारी युवाओं को डॉक्टर ,इंजीनियर , आफीसर बना रही है ,पर चरित्र हनन के साथ युवा सही चीजों का सही जगह इमानदारी से उपयोग नहीं कर रहे हैं । डिग्री केवल महज़ पैसा कमाने के लिए ,चाहे सीमेंट में बालू मिलाकर या शरीर से किडनी निकाल कर, या गलत बिलों को पास करने, बस यही सबके मन से दूर होना शिक्षा का उद्देश्य व देश की सांस्कृतिक मानवीय एकता को कायम रखना होना चाहिए। हमें अपनी शिक्षा के लिए माध्यम हमारी देश की विभिन्न भाषा में ही चुनना चाहिए ।

डॉ. वंदना शर्मा
लेखिका और शिक्षाविद
फरीदाबाद।
www.womenexpress.in

भाईयों! नारी पर अत्याचार क्यों ...?

भारत देश में महिला प्रताड़ना उत्पीड़न भारी ।
शोषण अत्याचार की शिकार इस देश की नारी ।।

नियमित दिनोंदिन उत्पीड़न का बढ़ना है जारी ।
यह भी इस संसार में लाइलाज भयानक बिमारी ।।

चींखें अत्याचार उत्पीड़न के समाचार रोज अखबार में ।
मीडिया की सुर्खीयां देखकर सरकार प्रशासन घेरे मे ।।

कुछ तो कर के शोषण दिखाते बड़ी बुरी हैवानियत ।
पता नहीं क्या बाकी रह जाता छीन कर कपड़े इज्जत ।।

लगता नारी का जन्म लेना बन गया जहाँ में अपराध ।
शोर तो मुंह से बहुत पर जमीर की ना उठती आवाज ।।

जुबान पर देखो मर्दों के गाली हमेशा महिला के नाम ।
तो सोचो कैसे जहाँ में रुक सके नारी शोषण का काम ।।

लगता इस देश में सिर्फ नशा बचा उत्पीड़न का ।
एक मात्र हैवानों का लक्ष्य बना नारी जीवन का ।।

पुलिस और कानून दोनों लग रहा मजाक बन गये ।
नारी तो कचहरी में खड़ी न्याय के चक्कर आये ।।

दिव्या रावत! अब तो चेतो पुरूष प्रधान देश ।
गर्ग! इस दिव्य भूमि पर नारी क्यूं असुरक्षित ।।

दिव्या रावत गर्ग उण्डू
बाड़मेर, राजस्थान ।
www.womenexpress.in

मुझे मेरी मस्ती में रहने दो...

ना लगाओ मरहम मेरे घाव पर साहब
अगर लगी है चोट तो मुझे दर्द सहने दो।

मुझे मेरी मस्ती में रहने दो..
मुझे मेरी मस्ती में रहने दो..

मत करो फिक्र मेरी दुनिया है अलग
मैं अलग हूँ तो मुझे अलग ही रहने दो।

मुझे मेरी मस्ती में रहने दो..
मुझे मेरी मस्ती में रहने दो..

भले ही ना हो ज़िक्र मेरा महफ़िल में
में अंजान हूँ तो मुझे अंजान ही रहने दो।

मुझे मेरी मस्ती में रहने दो...
मुझे मेरी मस्ती में रहने दो...

बंदिश नही आज़ादी पसंद है मुझे
मैं बेफिक्र हूँ तो मुझे बेफिक्र ही रहने दो।

मुझे मेरी मस्ती में रहने दो...
मुझे मेरी मस्ती में रहने दो...

दामोदर विरमाल
इंदौर, मध्यप्रदेश ।
www.womenexpress.in

मिथ्या...

किसी का हंसता मुख देखकर
उसे खुश मान लेना
उतना ही गलत है
जितना तुम्हारे बिन
मेरा जीना

किसी एनख धारी को देख
उसको दृष्टिहीन समझना
उतना ही गलत है
जितना तुम्हे देखे बिना
मेरा सोना
किसी मौन व्यक्ति को देखकर
उसे मूक समझना
उतना ही गलत है
जितना मेरा तुम्हे
अपना कहना

किसी के रुका होने से
उसे अपाहिज मान लेना
उतना ही गलत है
जितना कि मेरे संग तुम्हारा चलना

किसी सोते हुए
को मृत मान लेना
उतना ही गलत है
जितना तुम्हारे बिन
मेरा जीना

उवैष्णवी दशोरे मौन
खण्डवा (मध्यप्रदेश)।
www.womenexpress.in

माँ तुझ को कैसे मैं, अपने इन शब्दों में ढालूँ

माँ तुझ को कैसे मैं, अपने इन
शब्दों में ढालूँ ,
तेरी महिमा को कैसे , वर्णन
कर अर्थों में ढालूँ ,
माँ तेरी ममता को कैसे,अपने
इन गीतों में ढालूँ ,
वात्सल्य भाव रस में डूबे,
मन में ईश्वर को पालूँ,
तेरे लहू की बूंद बूंद से, है मेरा
अस्तित्व बना,
तेरे आँचल में छिपकर, अमृत
रस का पान किया,
तेरी साँसों में जुड़ा हुआ है,
मेरी साँसों का स्पन्दन,
मेरे दिल पे जब चोट लगे,
करता है तेरा हृदय क्रंदन,
जहाँ स्वार्थ का नाम नहीं,
निष्काम भाव से जो जीती,
अपने हिस्से के सब मोती, जो
मेरी झोली में भरती,
जिसने मुझको सिखलाया ,
वर्णों का पहला अक्षर,
जिसने मुझको बतलाया आगे
बढ़ना निर्भय होकर,
जिनके चरणों में स्वर्ग मिले,
आँखों से बहता गँगा जल,
सभी तीर्थ का फल मिल जाए,
रख दे हाथ अगर सिर पर,
उस देवी की महिमा का किन
शब्दों में गुणगाण करूँ,
नहीं वस्तु अनमोल कोई जो
देकर तेरा मान करूँ,
तुझसे जो जीवन पाया, वो
जीवन तेरे नाम करूँ,
दुनिया की सब माँओं को मैं,
सत सत बार प्रणाम करूँ।

नीलम द्विवेदी
रायपुर, छत्तीसगढ़ ।
www.womenexpress.in

सभी को नौकरी प्यारी

सभी को नौकरी प्यारी, लगे
सब नौकरी चाहें!
नहीं आसान है मिलना,लगें
मुश्किल बड़ी राहें!!
मुसीबत भी बहुत झेली, हुये
हैं दूर अपनों से!
नहीं चाहत सिवा इसके, हुआ
है प्रेम सपनो से!!

मिले जब नौकरी हमको,घरों से
दूर जाते हैं!
बना भोजन नहीं मिलता,उसे
खुद ही बनाते हैं!!
परिश्रम हम सदा करते,नहीं दिन
रात सोते हैं!
हमें जब याद घर आता,अकेले
बैठ रोते हैं!!

मुझे भी नौकरी करनी,यही सब
सोचते रहते!
मुसीबत हो रही है जो,उसे
हँसकर सभी सहते!!
मिले प्रभु नौकरी सबको,यही
अब है नितिन कहते!
इसी इक नौकरी खातिर,सदन
निज छोड़ के रहते!!

पंडित नितिन त्रिगुणायत
शाहजहांपुर, उत्तर प्रदेश।
www.womenexpress.in

मेरा यार आया है

दिल मेरा बड़ा खुश है आज
कि मेरा यार आया है।

आजा सखा तुझे गले लगा लूँ
अपना सारा प्यार लूटा दूँ
कि तु मेरा सखा पुराना है
कि मेरा यार आया है।

आ सखा कुछ बातें कर ले
फिर से बचपन हम जी ले
तनमन की बातें क़र ले चार
कि मेरा यार आया है।

दीनहीन हालत हुई कैसे
बरसो बरस तेरे बीते कैसे
कृष्णा को क्यु ना हुई ख़बर ये
कि मेरा यार आया है।

हालत देख तेरी मन रोए
कैसे में तुझको खुशियाँ अब
लौटा दूँ
भर दूँ दामन खुशियों से तेरे
कि मेरा यार आया है।

आ सखा तु चौकी पर बैठ जा
फटी एड़ी,और पाँवो में छाले
गंगाजल से आ पैर धुला ले
कि तु मेरा यार पुराना है।

कृष्णासुदामा की मैत्री मिसाल है
ऐसा दूजा ना हुआ कहीं है
दोस्ती का ये क़िस्सा बड़ा न्यारा है
कि मेरा यार आया है।

सुनीता अग्रवाल
राँची, झारखंड ।
www.womenexpress.in

गहना...

गहना रत्नजड़ित सुंदर सजित
कर देता है तन मन पुलकित
हर गहने की एक अपनी बोली
चूड़ी है खनकती और पायल
छम छम होती....
तन की सुंदरता को करते सज्जित
कीमती, सुंदर गहने रत्नों से जड़ित
पर अगर मन हो विचलित
गहनों की चमक भी कर ना
पाएगी हर्षित...
सच्चा गहना तो मानव का
आज भी है शील, त्याग और क्षमा
गहना सच्चाई और ईमान का
बना देता है राजा दिलों के
जहान का...
सदियों से ही आकर्षित करता
आदर, विश्वास और सम्मान
का गहना
पहन के धातु का कंगना
होता है खुश मन केवल
अपना...
प्रेम का गहना जब सिंचित करता
मानव का तब हर रिश्ता सजता
तन का गहना चमके चाहे
जितना
हर्षाता मन,जब है मिलता
भावों का गहना...

भारती यादव
रायपुर, छत्तीसगढ़ ।
www.womenexpress.in

कभी तो

तुम ख्वाहिश हो मेरी
कभी तो मुझे मिला करो।
तुम दुआ हो मेरी
कभी तो कबूल हुआ करो।
तुम मोहब्बत हो मेरी
कभी तो पूरी हुआ करो।
तुम जहान हो मेरा
कभी तो मुझ पर
मर मिटा करो।
तुम धड़कन हो मेरी
कभी तो मेरे
दहकते दिल में धड़का करो।
तुम सांस हो मेरी
कभी तो जीने की ख्वाहिश से
मुझ में आया करो।
तुम इश्क हो मेरा, कभी तो तुम
मोहब्बत के बहाने
मेरे शहर में आया करो।
तुम चाहत हो मेरी
कभी तो मेरे
अनाहत द्वार को छुआ करो।

राजीव डोगरा
कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ।
www.womenexpress.in

ये उड़ना सीख जाएंगे

परिंदों की तरह इनको
निकालो नीड़ से बाहर
हुनर दे दो उड़ानों का
ये उड़ना सीख जाएंगे !!

वो अंधा प्रेम होता है
जो बच्चों को न गढ़ पाए
उतारो सख्त भूमि पर
ये चलना सीख जाएंगे!!

पसीने की कमाई का
जो चाहे मूल्य समझाना
नवाजो न इन्हें दौलत
कमाना सीख जाएंगे !!

जो चाहो चांद सूरज बनके
चमकें इस जमाने में
तपिश दे दो इन्हें इतनी
चमकना सीख जाएंगे !!

शिखर पर जो भी चढ़ते हैं
हजारों बार गिरते हैं
इन्हें भी गिरनेउठने दो
ये बढ़ना सीख जाएंगे!!

रश्मि मिश्रा
भोपाल, मध्यप्रदेश ।
www.womenexpress.in

पुत्र को पढ़ाऊंगा

मैं निर्धन हूं ।
मैं अनपढ़ हूं ।
मैं ठेला चला कर ।
मजदूरी कर स्वयं का ।
परिवार का पेट पालता हूँ ।

किंतु मैं अपने पुत्र को ।
खूब पढ़ाऊंगा ।
उसे बड़ा अफसर बनाऊंगा ।
उसे मेरी तरह निर्धनता का ।
सामना नहीं करने दूंगा ।

मेरे पुत्र को शाला जाने के लिए ।
ऑटो तो नहीं लगा सकता ।
तो क्या हुआ, मैं तो उसे ठेले ।
पर बिठाकर ही शाला छोड़कर
आऊंगा ।

मैं निर्धन हूँ ।
मैं अनपढ़ हूं ।
मजदूरी कर स्वयं का ।
परिवार का पेट पालता हूं ।
कई संकटों का सामना ।
मजदूरी कर करता हूं ।

परंतु अपने पुत्र को ।
मैं खूब पढ़ाऊंगा ।
पढ़ा लिखा कर ।
उसे बड़ा अफसर, बनाऊंगा ।

संगीता सूर्यप्रकाश मुरसेनिया
भोपाल, मध्यप्रदेश।
www.womenexpress.in

बार-बार आती है मुझको बचपन याद तेरी

बार बार आती है मुझको
बचपन याद तेरी।
गया ले गया तू जीवन
की सारी खुशियां मेरी।
दिन भर खेलना कूदना
फिर निश्चिंत हो कर सो जाना।
उच्च नीच छुआछूत ना जाना
सबके साथ मिलकर आनंद में
बस खेलना जाना।।
रूठ जाने पर मां का यूं
मुझे मुंह में खिलाना।
पसंद की चीज़ ना मिलने पर
चीख चिल्लाकर सारे घर
को सर पर उठा लेना।।
बार बार आती है मुझको
बचपन याद तेरी।
गया के गया तू जीवन
की सारी खुशियां मेरी।।
जब भी डटे पापा तो मां
के आंचल में छिप जाना।
पापा की डांट से यूं
बार बार मां का मुझे बचाना।।
जब भी रोती मैं सब काम
छोड़ उठा लेती मुझको।
पोंछ मेरे आसूं चूम गालों
को मनाती मुझको।।
भाई से लड़ना झगड़ना
फिर साथ में खेलना ,
होता था यह रोज का काम
आंख मिचौली खेल
एक दूसरे को डराना।।
बार बार आती है मुझको
बचपन याद तेरी।
गया ले गया तू जीवन
की सारी खुशियां मेरी।।
छोड़ बचपन बड़ी हुई तो
एक अद्भूत निराला संसार
मैंने पाया।
झूठे फरेब लोगों के बीच
कहां जवानी तूने मुझे फसाया।।
माना मैंने युवा काल का
है जीवन खूब निराला।
किन्तु रोज है यहां खुद से
खुद का संघर्ष ,समझाना
मन को और ख्वाहिशों
को मारना।।
एक जवाला सी तपन
उठती है मन में अपनों के
बीच खुद को जवानी में
अकेला पाया।।
संसार की मोह माया में
पड खुदको सवाली मैंने पाया।
बचपन छोड़ यह जवानी
है काल बना
चिंता के चक्कर में पड़कर
जीवन भी है भार बना।।
जवानी में जलन ,अहिंसा,
सवार्थ की भावना ने कर
दिया मन अशांत।
आरे बचपन लौटा दे
मुझे फिर से मासूम
निर्मल चिंतारहित जीवन।।
बार बार आती है मुझको
बचपन याद तेरी।
गया ले गया तू जीवन
की सारी खुशियां मेरी।।

फरहीन खान
नईम नगर बेनचिती, दुर्गापुर ।
www.womenexpress.in

सीमा

कभी लाज की
कभी चालचलन की
कभी रहन सहन की भी
होती है सीमा
कभी वाणी की, कभी गुरूर की
मर्यादा की भी, होती हैं सीमा
सीमामें बंधकर ही निभता है ।
जहां में हर रिश्ता
सीमा न हो तो, बहक जाता हैं
रिश्ता सीमामें रहकरही
निश्चल बहती है सरिता
टूटते है तट बंध तो
तबाही लाती है सरिता
सीमा बंधन नही
अपनी मर्यादा का भान कराती
एक जिम्मेदारी का
भाव है सीमा

गरिमा राकेश गौत्तम
कोटा, राजस्थान ।

अनमोल उपहार है माँ का प्यार...

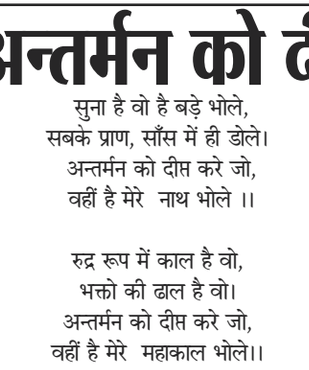

हमें याद आता है, अपना गाँव..
माँ की ममता के आँचल की छाँव..
जब हम सर्वत्र होते हैं निराश..
जीवन की न रहती है आस..
हमको मिलता है यहीं पर ठांव..
बचपन से जहाँ बढ़ें हमारे पाँव..
यहीं पर हम जन्म लिए..
खेले कूदे पढ़े लिखे..
शहर की तरफ कदम बढ़े..
शहर की आबोहवा लगते ही..
अक्सर हम जाते हैं भूल..
जहाँ शिक्षा ग्रहण किए वो
प्राइमरी स्कूल..
आधुनिकता का हम पर ऐसा
छा जाता मकड़जाल..
गाँव व गाँव में रह रही माँ का
न ले पाते हालचाल..
गाँव में वृद्ध अशक्त बापू को
छोड़कर..
शहर में हम चैन की बंसी
बजाते हैं..
जब हम पर कष्ट या मुसीबत पड़े..
तो वही मा व गाँव हमें याद
आते हैं..
फिर हम दौड़े चले आते हैं..
तब याद आती है माँ की ममता
व दुलार..
बाबा दादी काका चाचा ताऊ
का प्यार..
गाँव के खेतों व खलिहान में
बहती ठंडी बयार..
हम भूल जाते हैं कि जननी व
जन्मभूमि ही..
जीवन का सबसे बड़ा होता है
अनमोल उपहार..
इनसे बढ़कर कोई न दे सका
है हमें निश्छल प्यार...

लाल देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
बस्ती [उत्तर प्रदेश] ।
www.womenexpress.in

प्रेम का प्रतीक

एक पेड़ जो लहराता
हुआ हो और
जिसकी शाखाएं
पूरी तरह से
फली, फूली हो
जिसकी जड़ें भी
संभवत- जमीन को
मजबूती से जकड़ रखा हो
जिसकी अपने आप में
एक अलग पहचान हो
और वह पेड़
एक मामूली तूफान
की वजह से
ज़मीं पर गिर जाए
तो क्या? वह पेड़
प्रतिक हो सकता है
एक सच्चे प्रेम का।

मनोहर कुमार सिंह
भागलपुर, बिहार ।
www.womenexpress.in

किताबें भी कितनी अनमोल होतीं हैं

किताबें भी कितनी अनमोल हैं होतीं ।
इतिहास की ये धरोवर संजोंती ।
धन्य होते जिन्हें पढ़कर हम,
जाने कितनों को ज्ञान हैं देतीं।

पढता कोई उनको ग्रंथ रूप में।
पाता कोई पंथ रूप में।
पढ़कर इनको कोई दिलवाला,
मार्ग अपना चुनता संत रूप मे ।

धर्मअधर्म की बातें बांचता।
जीवन की सत्यता को जांचता।
प्रेम की अमृत वाणी से,
मन में अपनी धूनी जमाता ।

जीवन का कोई सार पिरोता।
व्यथा अपनी की झलक है पाता।
सत्य से अवगत होकर कोई,
अपने को धन्य है पाता ।

किताबों से अच्छा न कोई संगी
, न कोई साथी ।
सुनती हरदम न कुछ कह पातीं।
ध्यान,ज्ञान की ये तो सभी को,
जीवन रहस्य हैं बतलातीं ।

रश्मि वत्स
मेरठ (उत्तर प्रदेश)।
www.womenexpress.in

अन्तर्मन को दीप्त करे जो

जो इस सृष्टि के है दाता,
उनके सिवा न और कोई भाता।
अन्तर्मन को दीप्त करे जो,
वहीं है मेरे शम्भू भोले।।

सुना है वो है बड़े भोले,
सबके प्राण, साँस में ही डोले।
अन्तर्मन को दीप्त करे जो,
वहीं है मेरे नाथ भोले ।।

रुद्र रूप में काल है वो,
भक्तो की ढाल है वो।
अन्तर्मन को दीप्त करे जो,
वहीं है मेरे महाकाल भोले।।

हाथ मे विष का प्याला लेके,
गले मे नाग का माला लेके,
अन्तर्मन को दीप्त करे जो,
वहीं है मेरे मृत्युंजय शंकर
भोले।।

जो चाँद गंगा को धारण करले,
आदिशक्ति को करे रखवाले।
अन्तर्मन को दीप्त करे जो,
वहीं है मेरे अर्धेश्वर रुद्र भोले।।

प्रिया सिंह
कार्बी आंगलांग, असम ।
www.womenexpress.in

विराट ने कई बार अयोग्य खिलाड़ियों का किया समर्थनः जेनिंग्स

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 18 सितंबर। आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पूर्व कोच रे जेनिंग्स ने कप्तान विराट कोहली के टीम में खिलाड़ियों के चयन करने के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा है कि वह कई बार अयोग्य खिलाड़ियों को टीम में जगह देते थे। जेनिंग्स ने खेल वेबसाइट क्रिकेटडॉट कॉम को दिए एक इंटरव्यू में कहा, ''जब मैं टीम का कोच था उन दिनों टीम में 2025 खिलाड़ी होते थे। एक कोच के तौर पर मेरी जिम्मेदारी थी कि मैं सबका ध्यान रखूं। लेकिन विराट का अपना अलग प्लान होता था। वह कई बार टीम में अकेले दिखते थे, क्योंकि वे अयोग्य खिलाड़ियों का समर्थन करते थे।'' उन्होंने कहा, ''विराट की टीम अभी तक एक बार भी आईपीएल खिताब नहीं जीत सकी है। वहीं टीम इंडिया के कप्तान के तौर पर उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। आपको एक ऐसा व्यक्ति चाहिए, जो विराट को सही मार्गदर्शन दे सके।'' गौरतलब है कि जेनिंग्स 2009 से 2014 तक आरसीबी के कोच थे। इस दौरान टीम दो बार 2009 और 2011 में आईपीएल का फाइनल खेली थी लेकिन खिताबी जीत से वंचित रह गई थी। जेनिंग्स ने बताया कि आईपीएल की कप्तानी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के मुकाबले ज्यादा चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने

कहा, ''देखिए आईपीएल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से काफी अलग है। छह हफ्ते में कुछ खिलाड़ी फॉर्म में आ सकते हैं जबकि कुछ खिलाड़ियों का प्रदर्शन खराब हो सकता है। ऐसे में किसी एक खिलाड़ी पर जिम्मेदारी बढ़ जाती है जो निरंतर अच्छा खेल दिखाए। जब मैं टीम का कोच था तो उस दौरान कुछ और खिलाड़ियों को अधिक मौके मिलने चाहिए थे। लेकिन तब कप्तान विराट की राय मुझसे भिन्न थी।'' दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कोच रहे जेनिंग्स ने कहा, ''हालांकि यह सारी बातें अब पुरानी हो चुकी हैं। यह देखकर अच्छा लग रहा है कि एक कप्तान के तौर पर अब विराट काफी परिपक्व हो गए हैं। वह टीम को सेमीफाइनल और फाइनल तक लेकर गए हैं और उम्मीद है वह अब आईपीएल ट्रॉफी भी जीतेंगे।'' उल्लेखनीय है कि बतौर कप्तान विराट कोहली ने आईपीएल में अब तक 109 पारियों में पांच शतकों की मदद से 4010 रन बनाए हैं लेकिन उनकी कप्तानी में टीम अब तक एक बार खिताब नहीं जीत पायी है।

दिल्ली कैपिटल्स की जर्सी कोरोना वारियर्स को समर्पित

नई दिल्ली। आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स ने शुक्रवार को कहा कि उसके खिलाफ यूएई में इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान जो जर्सी पहनेंगे उस पर 'थैंक्यू कोविड वारियर्स' लिखा होगा जो कोरोना महामारी के बीच काम पर डटे कोरोना योद्धाओं के जज्बे को उनका सलाम होगा। आईपीएल की शुरूआत शनिवार को चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच पहले मैच से होगी। दिल्ली टीम ने एक बयान में कहा, ''दिल्ली कैपिटल्स की आधिकारिक मैच जर्सी पर 'थैंक्यू कोविड वारियर्स' लिखा होगा और पूरे सत्र में टीम यही जर्सी पहनेगी।'' दिल्ली कैपिटल्स के सीनियर तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा, स्पिनर अमित मिश्रा और सहायक कोच मोहम्मद कैफ ने वर्चुअल मीट में कुछ कोरोना योद्धाओं से बात भी की जिनमें डॉक्टर और पुलिस अधिकारी शामिल थे। ईशांत ने विज्ञप्ति में कहा, ''सभी सफाईकर्मियों, डॉक्टरों, सुरक्षाबलों, रक्तदान करने वालों, समाजसेवियों, डॉक्टरों और उनके परिवारों को यह मानवता की सेवा के लिये हमारा सलाम है।'' अमित मिश्रा ने कहा, ''इन कोरोना योद्धाओं को धन्यवाद देने के लिये शब्द काफी नहीं है। आप सभी को हमारा सलाम।

सोनू ने लोगों से ठगी करने वालों को दी चेतावनी

बोले- मुझसे मिलो, मेहनत से रोटी कमाना सिखा दूंगा

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

मुंबई, 18 सितंबर । बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद पिछले कुछ महीनों से जरूरतमंदों की हरसंभव मदद कर रहे हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं ताकि अगर कोई उनसे मदद की गुहार लगाता है तो वह उनकी सहायता कर सकें। इस बीच कई ऐसे लोग हैं, सोनू सूद के नाम लोगों से ठगी करने का काम कर रहे हैं। ऐसे में सोनू सूद ने उन लोगों को चेतावनी दी है। सोनू सूद ने ट्विटर पर कुछ स्क्रीनशॉट शेयर किए हैं। इसके साथ ही उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'चेतावनी। कृपा करके किसी भी व्यक्ति को कोई भी पैसे न दें। हमारी सारी सेवाएं फ्री हैं। पैसा ठगने वालों से निवेदन हैं कि गरीब लोगों को ठगने से बेहतर है, मुझसे मिलें। मेहनत की रोटी कमाना मैं सिखा दूंगा। बेहतर आमदनी, ईमानदारी की जिंदगी।' सोनू सूद का यह ट्वीट

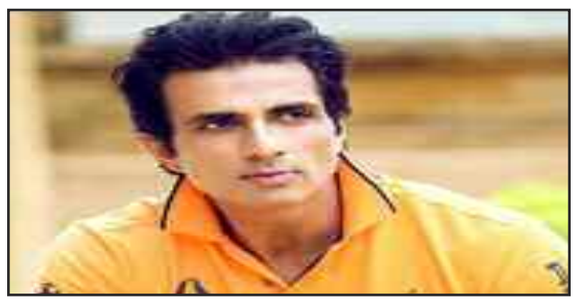

जमकर वायरल हो रहा है। उनके फैन्स कॉमेंट करते हुए अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। इससे पहले सोनू सूद ने फैन्स के लिए एक खास ट्वीट किया था। उन्होंने लिखा 'इज्जत कमाने निकलना, मशहूर होने नहीं। मशहूर तो बहुत से लोग हैं, जो अब कभी इज्जत नहीं कमा पाएंगे।' इसके अलावा उन्होंने एक और ट्वीट किया, 'जितनी ताकत लोग अपने जीवन में दूसरों को गिराने में लगाते हैं, उतनी ताकत अगर उन्हें उठाने में लगा दें तो देश रातों रात बदल जाए।' सोनू सूद के इस ट्वीट की जमकर तारीफ हो रही है।

ग्राफिक नॉवेल पर फिल्म बनायेंगे संजय गुप्ता

मुंबई। बॉलीवुड के जानेमाने फिल्मकार संजय गुप्ता ग्राफिक नॉवेल 'रक्षक' पर फिल्म बनाने जा रहे हैं। संजय गुप्ता ग्राफिक नॉवेल 'रक्षक' पर फिल्म बनाने जा रहे हैं।'रक्षक' एक सुपरहीरो है जो लोगों की रक्षा करता है। यह ग्राफिक नॉवेल पर आधारित भारत की पहली फीचर फिल्म होगी। पिछले साल संजय गुप्ता ने घोषणा की कि उनके प्रोडक्शन बैनर व्हाइट फेदर फिल्म्स ने ग्राफिक नॉवेल 'रक्षकए हीरो अमंग अस' के राइट्स खरीद लिए हैं। फिल्म की स्क्रिप्ट संजय गुप्ता, समीर हाफिज और शमिक दासगुप्ता मिलकर लिख रहे हैं। संजय गुप्ता ने बताया, 'जब मैं अपनी एक और बड़ी फिल्म पर काम कर रहा था, तब मैं 'रक्षक' के लेखक शमिक दासगुप्ता से मिला था। उस समय, उन्होंने सारी किताबों को मेरे साथ शेयर किया था लेकिन मैं अपने दूसरे जरूरी कामों की वजह से इसके बारे में भूल गया था। लेकिन जब शमिक मेरी आने वाली फिल्म 'मुंबई सागा' के सेट पर आए।

ये प्यारे गीत

दिलो का एक अहसास है
शब्दों का वास ही है ये गीत

मन को बेकरार कर देते
नैनो में अश्रु लाते ये गीत

हर्ष वियोग इसमें शामिल
भावनाओं का संगम है गीत

आत्मा की तो आवाज है
मेरे मन के राज है गीत

भीतर उमड़ी हलचल है
एकाकीपन का परिणाम है गीत

मुझे लगते अच्छे प्यार के गीत
मेरे मन को भाते रस भरे गीत

भावनाओं की एक माला
सृजन करती सरस गीत

मेरी अंदाज ही मेरा आगाज़
भाव भंगिमा भरे है मेरे गीत

मुकेश बिस्सा
जैसलमेर ।
www.womenexpress.in

जन्म दिन पर ढेरों शुभकामनाएं

मुबारक हो आपको जन्म दिन
खुशियों से भरा हो आपका दिन।
हंसी खुशी से गुजरे सारा दिन
मन में तरंगें और खिले चमन।
दुःख आपसे रहे कोसों दूर
हर मुसीबतों से आप हो दूर।
आसमान से ऊंचा हो नाम आपका
सितारों से सजा हो हर ख्वाब आपका।

जन्म दिन पर ढेरों शुभकामना
हमारी तरफ से हो मंगल कामना।

रेखा पारंगी
पाली, राजस्थान।

चंपा का फूल

चंपा के फूलो से अपना तन
जुड़े में , माला में और
आभूषण में
तो लगता स्वर्ग से कोई अप्सरा
उतरी हो धरा पर।

उपवन की सुन्दरता बढती
जब खिले हो चंपा के फूल
लगते हो जैसे धवल वस्त्र पर
लगे हो चन्दन की टीके ।

सोचता हूँ क्या
सुंदरता इसी को कहते
मै धीरे से बोल उठता हूँ
प्रिये तुम चंपा का फूल हो।

चंपा के फूल
जैसी प्रिये काया तुम्हारी
मन को आकर्षित कर देती
जब तुम खिल जाती हो चंपा
की तरह।

तुम भोरे ,तितलिया के संग
जब भेजती हो सुगंध का सन्देश
वातावरण हो जाता है सुगंधित
और मै हो जाता हूँ मंत्र मुग्ध।
प्रिये जब तुम सँवारती हो

संजय वर्मा
धार (मध्यप्रदेश.)।
www.womenexpress.in

मुस्कान

कांटों की चुभन का अहसास,
भुला देती है फूलों की ये मुस्कान।
किसी अजनबी को अपनेपन
का अहसास
जो दिला सके वो सिर्फ
है ये मुस्कान।।
मुसीबत में लड़ने की हिम्मत
दिलाती है ये मुस्कान,
हर उदास दिल की ख्वाहिश
है ये मुस्कान।
हर पल मुस्कराया कर ऐ मेरे दोस्त,
बड़ी किस्मत से मिलती
है ये मुस्कान।।

सब के चेहरे को बहुत
भाती है ये मुस्कान,
सब को हमारा अपना बनाती
है ये मुस्कान।
गमो का दोर हो या कोई
दर्द भरी राह,
हर राज छुपा लेती है ये मुस्कान।।
नफ़रत से हारी हुई हर बाजी को,
प्यार से जीत लेती है ये मुस्कान।
दुश्मन को भी जो दोस्त बना दे,
ऐसी एक मीठा औजार
है ये मुस्कान।।

मुक्ता शर्मा
मोहाली ।
www.womenexpress.in

वो दौर है जिस पर बस नहीं चलता

बदले हालातों में ,लोग बदल
जाते हैं ....
पास आकर, फिर दूर चले जाते हैं
एक खामोशी है, सन्नाटा है....
ये वो दौर है जिस पर अपना
बस नहीं चलता....
फूल से मुरझाते हैं और पतझड़
सा आता है...
यादों के दरख्तों से एक एक
पत्ता झड़ जाता है...
बस एक आस है जो अपने
पास है....
ये वो दौर है जिस पर अपना
बस नहीं चलता....

शालिनी शर्मा
इटावा, उत्तर प्रदेश ।

अनाथ या अमानत

बोझ ना समझों मुझे,
मैं किसी की अमानत हूँ ।
सिरदर्द ना समझों मुझे ,
मैं किसी की अमानत हूँ ।

सिर पर हाथ रख दो ना ,
माँ लोरी गा कर सुनाती थी ,
कहीं दूर आसमां में चली गयी वह।

उसके बिन कैसे जी पाऊँगी ,
यह प्रश्न ही काफ़ी दमघोंटू लगता है।
मुझे हिस्सा नहीं चाहिए उनकी
सम्पत्ति में
जो पिताजी सबके लिए छोड़ गए हैं।

बस मत लड़ों मेरे नाम पर सुबह
और शाम ,
अभी तो पूरी बचपना बाकी है ।

इतनी जल्दी बड़ा मुझे मत बनाओ ना
जिस गोद में अपनी बिटियाँ को
बैठाती हो,
नाना हर दिन नहीं ,
बस जब माँ याद आती है,
जब बाबुजी की लाड़ याद आती है,
थोड़ीसी जगह दे दो ना
अपनी गोद में ।

मुझे भी अपनापन दे दोना ,
बहुत तड़पी हूँ ,यह सुनकर
खुद तो मर गए एक बोझ
हमपर मढ़ गए ।

चुपचाप कल दरवाज़े के पीछे खड़ी
मैं सबकुछ सुनती रही ,
सारी रात वे सारी बातें,
मेरी कानों में सूईसी चुभती रही ।

तड़पती रही यह सोच कर
पापा की परी आख़िर बोझ कैसे ?
अपनों का ही अपनों पे रोष कैसे ?

चार दीवारों के बीच एक अनाथ
बाहर से अपनों की भीड़ पर
अकेलेपन और तिरस्कार की शिकार

बाज़ार से बाज़ार लाऊंगी ,
पर एक रुपया और पकड़ा दो ना ।
वह चॉक्लेट भी ख़रीद कर खाऊँगी
,
जो पापा ख़रीद कर देते थे ,
उनके जाने के बाद तो
कभीकभी माँ भी ख़रीद देती थी ।

अपने बच्चों के लिए तो तुम भी
ख़रीद कर लाती हो ,
मैं भी तो तुम्हारी हूँ ।
मुझे भी अपना लो ना ।
बोझ नहीं हूँ मैं ,
तुम सब का ही हिस्सा हूँ ।

अनाथ नहीं हूँ ,
एक बड़े परिवार की हिस्सा हूँ ।
लाड़ली बेटी पिता की ,
माँ की पूँजी हूँ ।
मैं उन दोनों की तुम सब पर
छोड़ी गयी एक अमानत हूँ

स्वाति पाण्डेय भारती
www.womenexpress.in

शिक्षक

मां से मिलती है हमें जीवन,
और पिता हमारी रक्षा करते हैं,
लेकिन सच्ची ज्ञान की भावना
जीवन में हमें शिक्षक ही देते हैं।।

कभी डांटते हैं तो कभी हम पर
प्यार दिखाते हैं,
कभी काले बोर्ड पर चौक से
एक सच्चे गुरु का फर्ज निभाते हैं।।
पढ़ा लिखा कर हमें काबिल
बनाते हैं ,
और अपने हक के लिए लड़ना
वह हमें खूब सिखाते हैं।।
गुरु उस बाती की तरह है जो
खुद जलकर हमें प्रकाश दिखाते है,
आत्मा विश्वास का दीप
जलाकर वह हमें मुश्किलों से लड़ना
सिखाते है।।
याद करो उस चाणक्य को
जिसने इतिहास बनाया था,
दुष्ट मगध राजा को जिसने धूल
चटाया था।।
शिक्षक के शिक्षण द्वारा हर फूल
खिल जाता है,
इसीलिए शिक्षक को भगवान
का दर्जा दिया जाता है।।
शिक्षक है शिक्षा के वह
महासागर,
जो बांटते हैं सभी छात्रों में ज्ञान
बराबर।।
जीवन में कुछ करना है तो करे
शिक्षक का सम्मान,
शीश झुकाकर प्रतिदिन करें
उन्हें प्रणाम।।

प्रिया तिवारी
वर्धमान ,पश्चिम बंगाल।
www.womenexpress.in

मगर वो न मिले

कितने दिन बीत गये कितने इरादे
न जानें कितने वादे
यूँ ही रीत गये
मगर वो न मिले ।
दिन के उजालों में ढूंढा
रात के अन्धियारों में ढूंढा
नदियों के संग संग
पर्वत और पहाड़ों में ढूंढा
मगर वो न मिले ।
जल थल एक किया
सागर भी देख लिया
बादलों को भेजा संदेशा
सपनों में भी ढूंढ लिया
मगर वो न मिले ।
दिल को सीने से हटाया
उसका दो टूक मैंने पाया
एक में उसकी तस्वीर दिखी
धन्य है कुदरत की माया
मगर वो न मिले ।

महेन्द्र कुमार
सिध्दार्थनगर,
उत्तर प्रदेश।

नन्हें से कदमों में शिक्षा का बोझ

नन्हें से कदमों में शिक्षा
का बोझ डाला गया,
जो उम्र थी
खेलने कूदने की
उस उम्र में स्कूल के
चक्कर लगवाया गया,
मन था उड़ने का पर
पैरो पर शिक्षा की
बेड़ियों से जकड़ा गया,
माना शिक्षा गलत नहीं
पर उसकी भी एक उम्र
एक सीमा होती है,
दूध पीने वाले हाथों को
पेंसिल कहा रास आती है
ना दो इतना बोझ शिक्षा का
कि नन्हें से कदम सह ना पाये,
कहीं रह ना जाये
उस ममता से अधीन,
जिस ममता से उसे पाला गया है,
कहीं लुप्त ना हो जाये
उसकी मासूमियत,
जिस मासूमियत से उसने
इस धरती पर कदम रखा है

खुशबू कुमारी गुप्ता
बराकर, पश्चिम बंगाल ।
www.womenexpress.in

बुढ़ापा

काल चक्र ने आकर, मारा है छापा,
उसे पता चल गया है, मेरा बुढ़ापा!
कोशिश तो, नित्य ही, करता
रहता हूं,
बार बार, बाल काले करवाता हूं,
सुबह शाम बाग़ में, टहलने
जाता हूं!
लड़कियों को,किशोर दा के
गीत सुनाता हूं,
गर्ल्स स्कूल भी, अक्सर आया
जाया करता हूं!
ठेले के पास, खड़े होकर, भुट्टे
चबाता हूं,
दांत अभी हिले नहीं हैं, नमूना
दिखाता हूं!
बुढ़ापा को दबाने, हर तरह से
प्रयास है,
सोचता हूं कि, जब तक सांस
है, तब तक आस है!

पद्म मुख पंडा
रायगढ़, छत्तीसगढ़ ।
www.womenexpress.in

प्लास्टिक को अब मारें

कारण,दिन में हुआ उजाला
मानव तूने निज हाथों खुद,कर
डाला मुँह काला।
कोरोना उत्पात मचाये, हर इक
आतंकित है
देख प्लास्टिक प्रेम हमारा,धरती
भी क्रोधित है
कुदरत ने यूँ खेल दिखाया,मौत
न छोड़े सब को
देह ढँके फिरते हैं
सारे,प्लास्टिक से ही अब तो
वक़्त कह रहा,थैले कपड़े के
हम सब अपनाएँ
काँच शीशियाँ,काग़ज़ पैकिंग,के
पथ हम फिर जाएँ ।
आओ हम निज करनी को
अब,नवल चेतना दे दें
सोचेंसमझें,और विचारें,नवल
जागरण दे दें
वरना मिट जाएँगे हम
सब,काल करे फरियादें
करें और ना आज नष्ट
हम,जीवन की बुनियादें
किया जो हमने भुगत रहे
हम,अब तो हम सब जागें
बहुत हो चुका,प्लास्टिक से
अब, दूर सभी हम भागें।

शरद नारायण खरे
मंडला (मध्यप्रदेश)।
www.womenexpress.in

अन्नदाता

खेतों में है फसल लहलहाते..
जिसे देख सबके हैं मन ललचाते।
कृषक है खुश,उसका परिवार
भी खुश..
न जाने कौनकौन से हैं वे
सपने सजाते।
पिता की आस है कम करेंगे
कर्ज का बोझ..
तो माँ की आस है बेटी को व्याहेंगे।
उधर बेटी की आस है कुछ और..
दुनिया को कुछ बनकर दिखाएंगे।
लेकिन किस्मत को है यह कहां मंजूर
वे तो आपदाएं लाएंगे....
और उन्हे बेबस लाचार बनाएंगे।
कभी सूखे पड़ेंगे,कभी बाढ़ आएगी
तो कभी फसल कुँहरे से ढ़क जाएंगे।
फसलें होंगी बर्बाद
और मेहनत भी मिट्टी में मिल जाएंगे
जो करेंगे अन्न की उपज,
वे ही दानेदाने को मोहताज हो जाएंगे
ऐसे में कैसे होंगे उनके
सपने साकार
जब वे भूखे ही पेट रह जाएंगे।
कर्ज बढ़ेंगे,बोझ बढ़ेगा..
फिर उसे वह सह नहीं पाएंगे
कर लेंगे किसी क्षण
आत्महत्या वह
और इस दुनिया से बेबस हो
पंचतत्व में विलीन हो जाएंगे।
अन्नदाताओं की है यही कहानी
जो न कभी बदले जाएंगे..
होंगी बड़ी बड़ी बाते,वादे भी
किये जाएंगे
वोट बैंक की राजनीति भी होगी
पर उनके अच्छे दिन कभी नहीं आएंगे।

अंजना चौधरी
पूर्व बर्द्धमान, पश्चिम बंगाल।
www.womenexpress.in

भारतीय युवाओं पर भारी कोरोना काल और बेरोजगारी

कोरोना काल की इस वैश्विक महामारी ने एक पूरे वर्ष को ऐसे निगल लिया कि लगता ही नहीं, यह वर्ष कैलेंडर में कभी आया भी था। जैसा कि सबको पता है, सरकारी नौकरियों में सेवानिवृत्ति और पदग्रहण दोनों की एक समय सीमा होती है, ऐसे में उम्र के उस इन पड़ावों पर खड़े युवा व बुजुर्ग दोनों का एक वर्ष समाप्त हो जाए तो समझिए कितना बड़ा नुकसान हो गया। यह जिंदगी है! कोई डीजलपेट्रोल की कीमत नहीं, जो आज बढ़ी कल घटा दी गई, जिंदगी एक किराया माफिक है, जो एक बार बढ़ गई तो बढ़ गई, यह घटने वाली नहीं! ऐसे में हमारा बेरोजगार युवा वर्ग, जिसकी पदग्रहण करने की एक निश्चित उम्र है, वह अपने एक साल ऐसे गवां दिया हो, उसमें आक्रोश आना स्वाभाविक सी बात है। बेरोजगारी के हिसाब से देश में रिक्तियों का विज्ञापन पहले तो आती नहीं, मगर जो आती भी हैं, उनका निस्तारण बहुत ही कम होता है, ऐसे में बेरोजगार युवा वर्ग गुहार ना लगाए तो आखिर करे क्या?

एक तरफ कोरोना का खौफ और दूसरी तरफ बेरोजगारी का दंश झेल रहा, देश का युवा वर्ग अपने उम्र का एक पूरा वर्ष गवां चुका है, जिनमें इन्हें कुछ उम्मीद भी हैं, वह भी तमाम रिक्तियां कोर्ट में निस्तारण की राह निहार रही हैं, ऐसे में यह बेरोजगार युवा वर्ग जाए तो आखिर कहां जाए? देश में बेरोजगारी के आंकड़ें पहले भी बहुत विकट स्थिति को इंगित करते थें, इस कोरोना काल में यह अपने चरम पर पहुंच चुकी है, अब इन युवाओं को उम्मीद की किरण केवल सरकार के फैसलों पर दिखाई दे रही है, इस स्थिति में उसकी अपनी सरकार से मांग न्यायोचित है। हालांकि बेरोजगारी के ग्राफ को एक दिन में कम कर पाना संभव नहीं है, मगर क्रमवार रोजगार के अवसर मुहैया कराते रहने से यह ग्राफ धीरे धीरे जरूर कम किया जा सकता है। जैसा कि हम सभी जानते हैं, युवा वर्ग किसी भी राष्ट्र का कर्णधार होता है, ऐसे में जब वही रोजगार का मुद्दा लेकर सड़कों की धूल फांकने को मजबूर हो जाए, तो फिर राष्ट्र का भविष्य आखिर क्या होगा? यह आज का एक सबसे अहम व चिंतनशील मुद्दा है।

यदि सरकार के आदेशानुसार लॉकडाउन का पालन कर, हमारा युवा वर्ग अपना एक वर्ष त्याग सकता है, तो क्या? सरकार का फर्ज नहीं बनता कि इन बेरोजगार युवा वर्ग के लिए रोजगार का अवसर प्रदान करे! कोर्ट में लटकी हुई नौकरियों की बहाली का जिम्मा सरकार को आगे आकर तीव्र गति से निस्तारित करना चाहिए, ताकि आगे की रिक्तियों का मार्ग प्रशस्त हो सके। सरकारी और प्राइवेट लिमिटेड सभी सेक्टरों के रिक्त पदों के आंकड़ें मांग कर, इन पदों हेतु आवेदन भर्ती प्रक्रिया शुरू करना, सरकार की नैतिक जिम्मेदारी है, इससे बेरोजगारी का ग्राफ काफी हद तक कम और युवाओं के आक्रोश व ऊर्जा को देश के हित में उपयोग किया जा सकता है। अब यह फैसला तो सरकार के हाथ में है कि इन बेरोजगार युवाओं की ऊर्जावान सोच को किस सी दिशा में ले जाना चाहती है?

मिथलेश सिंह मिलिंद
मरहट पवई आजमगढ़
(उत्तर प्रदेश)।
www.womenexpress.in

जुलाहा और सियार

एक था जुलाहा। वह गांवगांव घूमता और लोगों की रूई घुनता। तब धुनकी से रूई धुनी जाती थी और रजाई, गद्दों में भरी जाती थी। रूई धुनना जुलाहे का पुस्तैनी धन्धा था।

एक दिन जुलाहा कन्धे में धनुकी लटकाए तथा हाथ में छडी लिए जंगल से होकर कहीं जा रहा था कि रास्ते में उसे एक सियार मिल गया। यकायक सियार को सामने आया देख, जुलाहा ठिठका उधर सियार भी थोड़ा डरा। दोनों ने एक दूसरे की स्थिति परखी। तभी सियार जुलाहे की प्रशंसा करते हुए बोला कांधे धनुष, हाथ में बाना। कहां चले दिल्ली सुल्तान।

अरे दिल्ली सुल्तान, धनुषबाण लिए कहां जा रहे हैं। बड़े भाग्य हमारे कि तुम्हारे दर्शन हुए।

सुनकर जुलाहा फूलकर कुप्पा हो गया। फिर उसने भी सियार की बढ़ाई करते हुए कहा वन के राजा चतुर सुजान।

बडों की बात, बडे पहिचान। अरे जंगल के महाराजा, धन्य भाग्य हमारेजो तुमसे मुलाकात हो गयी। आपने हमें पहचान लिया, बहुत अच्छा लगा। आखिर बड़ों की बात बड़े लोग नहीं समझेंगे तो कौन समझेगा।

सुनकर सियार बहुत खुश हुआ। आखिर जुलाहे ने अपनी मधुर वाणी से उसे जंगल का राजा बना दिया था।

शिवम सिंह
पताकानपुर, देहात।
www.womenexpress.in

एक नजर

एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत वेबिनार आयोजित

जयपुर । भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की सचिव उषा शर्मा के मुख्य आतिथ्य एवं नेहरू युवा केंद्र संगठन नई दिल्ली के महानिदेशक असित सिंह की अध्यक्षता में एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत आसाम व राजस्थान के युवाओं का अंतर्राज्यीय युवा आदानप्रदान कार्यक्रम वेबिनार के माध्यम से आयोजित किया गया इस अवसर पर राजस्थान के पर्यटन सचिव आलोक गुप्ता भी बतौर विशिष्ट अतिथि के रुप में सम्मिलित हुए वेबीनार में राजस्थान और आसाम के इतिहास, लोक संस्कृति ऐतिहासिक पर्यटन महत्व विषय पर आयोजित की गई। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम की सचिव उषा शर्मा ने कहा कि भारत विविधताओं से भरा देश है और यह हमारे लिए गर्व की बात है। राहत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और उनका योगदान जारी है।

सिंगल क्लिक से 22 लाख किसानों के खाते में पहुँचे 4686 करोड़ रुपये

किसानों के हित में लिया निर्णय-प्रदेश में कोई मंडी बन्द नहीं होगी: चौहान

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली/भोपाल, 18 सितम्बर। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज उज्जैन में आयोजित कार्यक्रम में सिंगल क्लिक से प्रदेश के 22 लाख किसानों के खाते में प्रधानमंत्री फसल बीमा के 4 हजार 686 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि मध्य प्रदेश की सरकार किसान हितैषी सरकार है और सरकार का मुख्य केन्द्र बिन्दु किसान एवं खेती है। हर परिस्थिति में सरकार किसान के साथ खड़ी है। कार्यक्रम में मौजूद किसानों एवं वेब कास्टिंग के माध्यम से जुड़े लाखों किसानों से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि हमने सरकार में आते ही किसानों की प्रधानमंत्री फसल बीमा की पुरानी किश्त भरने का काम किया। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि किसानों के हित में निर्णय लिया गया है कि मध्यप्रदेश में कोई भी मंडी बन्द नहीं होगी। प्रदेश के किसान को यह सुविधा दी गई है कि वह चाहे तो अपने खेत से या अपने घर से भी अपनी उपज बेच सकता हैं। खेती को लाभ का धंधा बनाया जायेगा और माँ नर्मदा का जल मालवा क्षेत्र में लाकर रहेंगे। आगामी तीन वर्षों में सूक्ष्म सिंचाई के लिये हरित क्रान्ति समिति का गठन भी किया जायेगा। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि बाबा महाकाल की नगरी से किसानों को बीमा राशि की सौगात दी जा रही हैं। कोरोना संकट के कारण प्रभावित हुई अर्थव्यवस्था के बाबजूद भी किसानों के हित में किसी भी तरह की कोई बाधा नहीं आने दी जायेगी। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के चलते कारखाने और उद्योगधंधे बन्द हो गये। टैक्स आना बन्द हो गया, फिर भी हमने ढाई सौ करोड़ रूपये का प्रीमियम किसानों का

भरा। किसानों की जिन्दगी को पटरी से उतरने नहीं दिया। सहकारी बैंक का 1500 करोड़ रुपये भर रहे हैं। इसके साथ ही भावांतर के 470 करोड़ रुपये भी हम देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने किसानों का एक करोड़ 29 लाख मैट्रिक टन गेहूं खरीदा। गेहूं खरीदी में हमने पंजाब और हरियाणा को पीछे छोड़ दिया। 25 हजार करोड़ रुपये की राशि किसानों के खाते में हस्तांतरित की। तिवड़ा लगा चना भी खरीदा। पूर्व में 13 क्विंटल चना खरीदी की ही अनुमति थी। केन्द्रीय कृषि मंत्री से बात कर इसे 20 क्विंटल तक बढ़ाया। उपार्जन की राशि 30 हजार करोड़ रुपये किसानों के खातों में डाली। पूर्व में प्रधानमंत्री सम्मान निधि का लाभ 35 लाख किसानों को मिलता था, जिसे हमने बढ़ाकर 77 लाख तक कर दिया है। मुख्यमंत्री चौहान ने बताया कि अब कोई भी किसान क्रेडिट कार्ड से वंचित नहीं रहेगा। दूध उत्पादक कृषकों के भी किसान क्रेडिट कार्ड बनाये जायेंगे। यदि कोई व्यक्ति गोवंश के लिये ऋण लेता है तो उसे जीरो प्रतिशत ब्याज पर ऋण की सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी। स्वामित्व योजना के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्र का सर्वे कर ग्रामीण व्यक्तियों को भूअधिकार दिया जायेगा। वह अपने घर के माध्यम से ऋण ले सकेगा। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि प्राकृतिक आपदा में 13 हजार लोगों की जान बचाई गई और फसल नुकसान का सर्वे किया गया।

मुख्यमंत्री खेत सड़क योजना पुनः प्रारम्भ होगी

धार के कृषक तरूण ने मुख्यमंत्री से खेतीकिसानी में आनेजाने की समस्या को दूर करने के लिये मुख्यमंत्री खेत सड़क योजना को फिर से प्रारम्भ करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना संकट के बाद भी वे इस किसान हितैषी योजना को पुनः प्रारम्भ करेंगे। खंडवा जिले के किसान रेवाराम से मुख्यमंत्री ने पूछा कि वे कौनकौन सी फसल उगा रहे हैं और पिछली बार गेहूं कितना हुआ था। किसान रेवाराम ने कहा कि उन्हें सोयाबीन का फसल बीमा एक लाख 72 हजार 381 रुपये मिला है और इससे उनके नुकसान की भरपाई हो गई है।

उन्होंने कहा कि उनके पास 15 हेक्टेयर जमीन है और वे सोयाबीन, गेहूं, चना की फसल लेते हैं किन्तु इस बार भी सोयाबीन की फसल में वायरस लगने के कारण बहुत नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 की खरीफ फसल का बीमा पाकर उनका घाटा कुछ कम हो गया है। मुख्यमंत्री ने सागर के कृषक विक्रमसिंह से बात की तथा उनसे पूछा कि उनके चने का उपार्जन हुआ कि नहीं। विक्रम सिंह को फसल बीमा की एक लाख 44 हजार रुपये की राशि मिली है। कृषक ने कहा कि इस बार फिर से सोयाबीन में रोग लग गया है। मुख्यमंत्री ने इस पर कहा कि हमने प्रधानमंत्री फसल बीमा की तारीख बढ़ाई है ताकि शतप्रतिशत किसानों का बीमा हो सके।

विश्वपटल पर भारत की दबंग छवि उभारने में प्रधानमंत्री मोदी की विशेष भूमिकाः रांका

(संजय जोशी/वूमेन एक्सप्रेस)

बीकानेर। पब्लिक पार्क स्थित खैरपुर भवन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्मदिन मनाया गया। भाजपा के रमेश भाटी ने बताया कि नगर विकास न्यास के पूर्व अध्यक्ष महावीर रांका द्वारा तथा रामलाल सूरजदेवी रांका चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से कोरोना संक्रमण रोकथाम के लिए एक लाख मास्क वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पूर्व संसदीय सचिव डॉ. विश्वनाथ मेघवाल, भाजपा शहर अध्यक्ष अखिलेशप्रताप सिंह, देहात अध्यक्ष ताराचन्द सारस्वत, भाजयुमो प्रदेश मंत्री निर्मल गहलोत, भाजयुमो अध्यक्ष विक्रम सिह भाटी, उपाध्यक्ष सुधा आचार्य, पार्षद जितेन्द्र सिंह भाटी, उपाध्यक्ष भगवान सिंह मेड़तिया, रानी बाजार मंडल अध्यक्ष नरसिंह सेवग, पार्षद भंवरलाल साहु, जूनागढ़ मंडल अध्यक्ष अजय खत्री आदि उपस्थित रहे। पूर्व संसदीय सचिव डॉ. विश्वनाथ मेघवाल ने कहा कि पीएम मोदी ही ऐसे लोकनायक हैं जो भारत को विकास के शिखर तक पहुंचा सकते

हैं। विश्वपटल पर भारत की दबंग छवि उभारने में प्रधानमंत्री मोदी की विशेष भूमिका है। कार्यक्रम में भगवतीप्रसाद गौड़, राजेन्द्र शर्मा, मधुसूदन शर्मा, शंभु गहलोत, आदर्श शर्मा, सोहन चांवरिया, गोपाल चौधरी, शंकरसिंह राजपुरोहित, पंकज गहलोत, पवन महनोत, कुलदीप यादव, प्रेम गहलोत, सत्यनारायण कच्छावा, जगदीश मोदी, मालमसिंह मांगलिया, किशन चौधरी, मनोज पारख, मोहित बोथरा, दुर्गाशंकर आचार्य, मालचन्द सुथार, दिग्विजय पांडे, मनीष राजपुरोहित, दिनेश चौधरी, मांगीलाल बिश्नोई, सौरभ मालू, टेकचन्द यादव, गौरीशंकर देवड़ा, लक्की पंवार, विष्णु तंवर, ललित सुराणा एवं प्रणव भोजक आदि उपस्थित रहे।

कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग की कार्यवाही पर विशेष ध्यान दे अधिकारी

कोविड चिकित्सालयों में ऑक्सीजन तथा आवश्यक दवाओं की सुचारु उपलब्धता सुनिश्चित की जाए

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ/दिल्ली,18 सितम्बर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में एक दिन में कोविड19 के 01 लाख 55 हजार से अधिक टेस्ट की क्षमता अर्जित किए जाने पर संतोष व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि कोविड19 पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में मेडिकल टेस्टिंग की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है। इसके दृष्टिगत टेस्टिंग कार्य पूरी तेजी से संचालित किया जाए।

मुख्यमंत्री आज यहां लोक भवन में आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समय पर कोविड19 के रोगी को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाने से उसका उपचार एल1 श्रेणी के कोविड चिकित्सालय में ही किया जा सकता है। इसलिए कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग की कार्यवाही पर विशेष ध्यान दिया जाना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि

कोविड चिकित्सालयों में ऑक्सीजन तथा आवश्यक दवाओं की सुचारु उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। इस बात पर विशेष ध्यान दिया जाए कि प्रदेश के अस्पतालों में ऑक्सीजन की उपलब्धता के सम्बन्ध में कोई समस्या न हो। मुख्यमंत्री ने जनपद लखनऊ व कानपुर नगर में कोविड 19 के सफलतापूर्वक उपचारित रोगियों की उपचार विधि का गहन अध्ययन करते हुए कोविड19 पर नियंत्रण स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य, जिला चिकित्सालयों में तथा अपर मुख्य सचिव चिकित्सा शिक्षा मेडिकल कॉलेजों व चिकित्सा संस्थानों में सफलतापूर्वक उपचारित रोगियों के इलाज के बारे में चिकित्सकों से विचारविमर्श करते हुए स्वस्थ्य हुए रोगियों की दर में वृद्धि सुनिश्चित कराएं। मुख्यमंत्री ने कोविड19 से बचाव तथा यातायात सुरक्षा के सम्बन्ध में लोगों को निरन्तर जागरूक किए जाने पर बल दिया। बैठक में अपर मुख्य सचिव गृह द्वारा मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया कि पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से कोविड19 तथा यातायात सुरक्षा के बारे में जनता को जागरूक करने के लिए सभी जनपदों के जिलाधिकारियों तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों/ पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जी0एस0टी0 के अन्तर्गत अधिक से अधिक पंजीयन के लिए कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जी0एस0टी0 के माध्यम से संग्रहीत होने वाले राजस्व में वृद्धि के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएं। यह सुनिश्चित किया जाए कि जी0एस0टी0 की चोरी न होने पाए। उन्होंने उद्योग बन्धु की बैठक आहूत करने तथा उद्यमियों एवं निवेशकों की समस्याओं का समाधान करने के निर्देश भी दिए है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी समय में सम्पन्न होने वाले पर्वों के दृष्टिगत पूरी सतर्कता और सावधानी बरती जाए। कोविड19 को देखते हुए पर्वों के दौरान सार्वजनिक आयोजन न किया जाए। त्यौहारों को मनाने में सोशल डिस्टेंसिंग तथा मास्क का उपयोग अनिवार्य रूप से किया जाए। उन्होंने दैवीय आपदा के प्रभावितों को राज्य सरकार द्वारा अनुमन्य राहत राशि का समय से वितरण सुनिश्चित कराए जाने के निर्देश भी दिए।

यूपी में मेडिकल डिवाइस पार्क और फार्मा के क्षेत्र में असीम सम्भावनाएं

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

लखनऊ/दिल्ली, 18 सितम्बर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में मेडिकल डिवाइस और फार्मा के क्षेत्र में असीम सम्भावनाएं हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड19 तथा अन्य रोगों के दृष्टिगत दवाइयों एवं मेडिकल उपकरणों की मांग काफी बढ़ी है। ऐसे में राज्य को बल्क ड्रग एवं मेडिकल डिवाइस पार्कों की स्थापना के लिए तेजी से तैयारी करनी होगी। उन्होंने कहा कि इनकी स्थापना से दवाइयों और चिकित्सकीय उपकरणों के उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री जी आज यहां लोक भवन में बल्क ड्रग पार्क और मेडिकल डिवाइस पार्क के सम्बन्ध में प्रस्तुतीकरण के अवसर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य में पर्याप्त मानव संसाधन व अवस्थापना सुविधाओं उपलब्ध है। बल्क ड्रग पार्क व मेडिकल डिवाइस

राज्य को फार्मा एवं मेडिकल डिवाइस पार्कों की स्थापना के लिए तेजी से तैयारी करनी होगी

पार्क की स्थापना आज की बड़ी आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों की इकाइयां बड़ी संख्या में स्थापित हैं। इनके अलावा, सी0डी0आर0आई0, एन0बी0आर0आई0, सी0मैप, आई0टी0 आर0सी0, आई0अ ई0टी0 कानपुर एवं वाराणसी, एम्स, के0जी0एम0यू0, आई0एम0एस0 बी0एच0यू0 जैसे उत्कृष्ट संस्थान हैं। उन्होंने कहा कि दवाओं तथा चिकित्सा उपकरणों के उत्पादन के लिए पार्कों की स्थापना से रोजगार उपलब्ध होगा। साथ ही, प्रदेश व देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

इस अवसर पर अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त आलोक टण्डन, अपर मुख्य सचिव वित्त संजीव मित्तल, अपर मुख्य सचिव औद्योगिक विकास आलोक कुमार, अपर मुख्य सचिव सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम नवनीत सहगल, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री एस0पी0 गोयल एवं सचिव मुख्यमंत्री आलोक कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

भाजपा धनुही मंडल कार्यालय पर ई बुक का हुआ ऑनलाइन वर्चुअल विमोचन

बहराइच । पयागपुर विधानसभा पयागपुर अंतर्गत मण्डल धनुही के पुरैना स्थित भाजपा कार्यालय पर सेवा ही संगठन ई बुक का ऑनलाइन वर्चुअल विमोचन भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम करण टेकड़ीवाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक सुभाष त्रिपाठी का मार्गदर्शन कार्यकर्ताओं को प्राप्त हुआ। सामाजिक कार्यों की भी सराहना की। वहीं मण्डल अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना काल में पार्टी के द्वारा समय समय पर दिए गए दिशा निर्देशों का पालन करते हुए भारतीय जनता पार्टी के समस्त कार्यकर्ताओं ने जरूरत मंदों को राशन जरूरत का सामान देने का कार्य सेवा परमोधर्म की मूल भावना को हृदयंगम करते हुए कार्य किया और देश के प्रधानमंत्री के द्वारा राष्ट्र प्रथम की भावना को लेकर समर्पित भाव से संवेदना एवं समर्पण के द्वारा ही मानव इतिहास का सबसे बड़ा सेवा यज्ञ संभव हो पाया। वर्चुअल लोकार्पण कार्यक्रम में आईटी सेल संयोजक प्रमोद शुक्ल मण्डल मंत्री अरविंद मिश्र महामंत्री सन्तोष गौतम धनलाल पाण्डेय प्रदीप शुक्ल श्याम सुंदर कसौंधन राम धीरज लोधी मुन्ना लाल पाण्डेय गोविंदा पाण्डेय सहित अन्य लोगों ने प्रतिभाग किया।

जीर्णोद्धार को लेकर आये पत्र पर प्रधानमंत्री का जताया आभार

(अमित पाठक/वूमेन एक्सप्रेस)

बहराइच । जनपद के क्षेत्र पयागपुर अंतर्गत वेटलैंड तालाब बघेल के जीर्णोद्धार के लिए किए गए लगातार प्रयासों के जवाब में दो दिनों पूर्व में आएं सोशल मीडिया और नेटवर्किंग साइट पर एक पत्र जिसके अनुसार बहराइच जिला प्रशासन की ओर से तालाब बघेल के सौंदर्यीकरण और जीर्णोद्धार के लिए संबंधित विभागों को संपर्क करके इसके विकास के लिए रिपोर्ट भी भेजी गई है। तालाब बघेल के विकास के लिए पिछले एक वर्ष से पयागपुर क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता अमिताभ त्रिपाठी ने विशेष प्रयास करते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय के माध्यम से उत्तर प्रदेश शासन और बहराइच जिला प्रशासन को इस संबंध में अवगत कराया था। इस वर्ष जनवरी में अमिताभ त्रिपाठी के प्रयासों के बाद बहराइच जिला प्रशासन की ओर से कुछ कार्य आरंभ हुआ था परंतु कोविड19 की स्थिति में यह कार्य बाधित हो गया। सामाजिक कार्यकर्ता रवि निषाद ने बताया कि अगस्त के महीने में अमिताभ त्रिपाठी ने एक बार फिर प्रधानमंत्री कार्यालय

के समक्ष तालाब बघेल के विकास और सुंदरीकरण का विषय का मुद्दा उठाया था उसी के जवाब में इस संबंध में प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से उत्तर प्रदेश शासन के माध्यम से बहराइच जिला प्रशासन से आख्या मांगी गई जिसके जवाब में जिला प्रशासन ने उत्तर प्रदेश शासन और भारत सरकार को अवगत कराया कि तालाब बघेल के विकास और सुंदरीकरण के लिए योजना बनाकर उस पर कार्य आरंभ होना है इस आदेश के आते ही लोगों में हर्ष का माहौल है सभी को एक बार फिर से उम्मीदें जगी है कि एक तालाब बघेल फिर एक बार वेटलैंड बन सकेगा इसके लिए सामाजिक कार्यकर्ता अमिताभ त्रिपाठी द्वारा किये गए प्रयासों की सभी ने सराहना की है जवाब में उन्होंने भारत सरकार व जिला प्रशासन का आभार जताया है।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर मुक्त विश्वविद्यालय में किया वृक्षारोपण

(विनोद मिश्रा/वूमेन एक्सप्रेस)

प्रयागराज, 18 सितम्बर । देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के आह्वान पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में पीपल का वृक्ष लगाकर पौधारोपण अभियान का श्रीगणेश किया। सरस्वती परिसर में दीक्षांत समारोह स्थल के प्रांगण में चारों तरफ शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों ने पीपल के पौधे लगाए। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के गंगा परिसर एवं क्षेत्रीय कार्यालय प्रयागराज के मुख्य द्वार से लेकर परिसर के चारों तरफ पीपल के पौधों का रोपण किया गया।

वृक्षारोपण अभियान में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ लायंस क्लब इलाहाबाद सेंटर का भरपूर सहयोग किया। मुक्त विश्वविद्यालय ने वृक्षारोपण अभियान पूरे प्रदेश में आयोजित किया। इलाहाबाद, लखनऊ, गोरखपुर, बरेली, वाराणसी, कानपुर, आगरा,

झांसी, आजमगढ़ तथा नोएडा आदि क्षेत्रीय केंद्रों पर पीपल के वृक्षों का रोपण किया गया। इस अभियान में पौधे लगाए गए।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर विश्वविद्यालय में अंगीकृत किए गांव बारी, विकासखंड सोरांव के प्राथमिक विद्यालय एवं माध्यमिक विद्यालय में शिक्षा विद्या शाखा के युवा प्रोफेसर पी के पांडे के नेतृत्व में 5 पीपल के पौधे लगाए गए। इस अवसर पर डॉ दिनेश सिंह, परविंदर वर्मा एवं रवि शुक्ला ने गांव वासियों को कोविड19 महामारी के संक्रमण से बचाव के बारे में जागरूक किया। विश्व विद्यालय की तरफ से गांव वासियों को मास्क एवं फेस शील्ड का वितरण किया गया। समाज विज्ञान विद्या शाखा के प्रोफेसर सुधांशु त्रिपाठी ने अपने आवास पर पीपल का पौधा लगाया। इसी क्रम में अयोध्या,लखनऊ, आगरा आदि क्षेत्र सहित अन्य सभी केंद्रों पर बड़े उत्साह के साथ पीपल के पौधे लगाकर प्रधानमंत्री का जन्मदिन मनाया गया।

वृक्षारोपण अभियान को सफल बनाने में कुलपति प्रोफेसर के एन सिंह, कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता, कार्यक्रम संयोजक डा. विनोद कुमार गुप्ता, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह,संपत्ति अधिकारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह, निदेशकगण प्रोफ़ेसर ओम जी गुप्ता तथा प्रोफ़ेसर पी पी दुबे, डॉ एस कुमार, इंदु भूषण पांडे, मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र तथा लायंस क्लब इलाहाबाद संगठन की अध्यक्ष सीमा गुप्ता, डॉ आर बी गुप्ता, सतीश टंडन, राजकुमार जायसवाल तथा हिमांशु गुप्ता आदि का योगदान उल्लेखनीय रहा। विश्वविद्यालय ने पीपल वृक्षारोपण अभियान की प्रगति से राजभवन सचिवालय को अवगत करा दिया है।

राज्यपाल कलराज मिश्र का शिलापट्ट हटा भाजपा विधायक का लगाया

(प्रभुनाथ शुक्ल/वूमेन एक्सप्रेस)

भदोही, 18 सितम्बर । उत्तर प्रदेश के भदोही जिले में तत्कालीन लोकनिर्माण मंत्री और वर्तमान राज्यपाल कलराज मिश्र का 22 साल पुराना शिलापट्ट हटा दिया गया। उसकी जगह भाजपा विधायक रवीन्द्रनाथ त्रिपाठी का शिलापट्ट लगा दिया। ग्रामप्रधान की इस कारवाई से लोगों में नाराजगी जाहिर की है।

भदोही जिले के सुरियावां विकासखंड के पूरेमनोहर अभिया में निर्मित मॉडल विद्यालय कमरों में लगे टाइल्स का उद्घाटन शुक्रवार को भाजपा विधायक रवीन्द्रनाथ त्रिपाठी ने किया। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम प्रधान और शिक्षा विभाग के लोगों की मिलीभगत से मॉडल के उद्घाटन के दौरान तत्कालीन लोकनिर्माण मंत्री और भाजपा नेता कलराज मिश्र का विद्यालय की बाउंड्री वाल पर लगा शिलापट्ट ग्रामप्रधान राजेश मौर्य विधायक का लगा दिया। विद्यालय को रंग रोगन कर अपना और पंचायत

अधिकारियों का शिलापट्ट लगवा लिया जबकि यह पट्ट 22 साल पूर्व लगा था। पूर्व बीडीसी प्रेमचंद वर्मा ने ग्राम प्रधान पर आरोप लगाते हुए कहा है कि प्राथमिक स्कूल के बाउंड्रीवाल का उद्घाटन तत्कालीन लोकनिर्माण मंत्री वर्तमान में राज्यपाल कलराज मिश्र ने 1997 में किया था। विद्यालय के मुख्यद्वार पर उनके नाम का शिलापट्ट लगा था। उस दौरान डा.पूर्णमासी पंकज भदोही के विधायक थे। उसी दिन वरुणा नदी पर बने पंडित दीनदयाल सेतु कि मिश्र ने आधारशिला रखी थीं। ग्राम प्रधान पूरेमनोहर ने जबरिया राज्यपाल का शिलापट्ट हटाकर उसी स्थान पर भाजपा विधायक रवीन्द्रनाथ त्रिपाठी का शिलापट्ट लगा दिया है। उनका आरोप है कि विधायक का शिलापट्ट लगने से मुझे कोई शिकायत नहीं है, लेकिन एक राजनेता का पट्ट हटाना क्या संसदीय मर्यादा का उल्लंघन नहीं है। वर्मा ने कहा है कि इस पूरे मामले का संज्ञान विधायक को खुद लेना चाहिए, क्योंकि यह मामला उन्हीं के पार्टी के एक वरिष्ठ राजनेता और राज्यपाल की गरिमा से जुड़ा है। जबकि भाजपा विधायक रवीन्द्रनाथ त्रिपाठी ने कहा है कि इस तरह का कोई मामला नहीं है। तथाकथित लोग यह अफवाह फैला रहें हैं। अगर ऐसा है तो उसका प्रमाण दीजिए। कलराज मिश्र हमारे लिए आदरणीय हैं इस तरह की बात कभी हो भी नहीं सकती है। उनका शिलापट्ट अभिया त्रिमुहानी पर लगा था। कोई शिलापट्ट अगर उखाड़ा गया है तो उसका प्रमाण दीजिए दोषी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई होगी।

नैनी (प्रयागराज) कार्यालय
नैनी स्टेशन के सामने
प्रभारी:
सुजीत चौरसिया
Mo- 9451251066

वूमेन एक्सप्रेस
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक **सुनील पाण्डेय** ने आदित्य ग्राफिक्स **INC**, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–1 से मुद्रित व **ई–4/168,** गली नंबर–6, सागर मार्केट, साढे 4 पुस्ता, सोनिया विहार दिल्ली–94 से प्रकाशित किया।
RNI.DELHIN / 2013/ 48606
मो.– 07042999974
टेली– 09013 518 518
www.womenexpress.in
thewomenexpress@gmail.com

एक नजर

हिंदी में एलेक्सा के 1 साल के पूरे भारत में स्मार्टफोन्स पर उपलब्ध

बेंगलुरू। एमेजॉन इंडिया ने शुक्रवार को कहा कि उसके स्मार्ट एसिस्टेंट एलेक्सा ने भारत मे एक साल पूरे कर लिए हैं और अब यह भारत में एंड्रॉयड और आईओएस स्मार्टफोन्स पर उपलब्ध होगा। कस्टमर अब अपने मोबाइल फोन पर एलेक्सा एप यूज करते हुए एलेक्सा से हिंदी में बात कर सकते हैं। एलेक्सा को एमेजॉन इको डिवाइस से भी सुना जा सकता है। यह डिवाइस बच्चों और बुर्जुगों के लिए काफी उपयोगी है। एमेजॉन इंडिया के कंट्री लीडर फॉर एलेक्सा पुनीश कुमार ने कहा कि बीते साल की तुलना में एलेक्सा हिंदी में 60 नए फीचर्स जोड़े गए हैं और इससे अब एलेक्सा भारतीय ग्राहकों के लिए और अधिक उपयोगी हो गया है। एलेक्सा पर भारत में संगीत भी सुना जा सकता है और इसके लिए 50 अलग माध्यमों का उपयोग किया जा सकता है। एलेक्सा पर हिंदी गानों और कविताओं का बड़ा संग्रह है। कम्पनी ने कहा है कि एलेक्सा हिंदी के साथ एमेजॉन इको स्मार्ट स्पीकर्स के अलावा अन्य ब्रांड्स के एलेक्सा बिल्ट डिवाइसेज पर सुना जा सकता है।

जेल में बंद पूर्व खनन मंत्री गायत्री प्रजापति पर एक और मुकदमा

नई दिल्ली। सपा सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे गायत्री प्रजापति की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। गायत्री पर उनकी कम्पनी के पूर्व डायरेक्टर बृजभवन चैबे ने आरोप लगाया है कि उसकी करोड़ों की सम्पत्ति जबरन रेप पीड़िता के नाम करवा दी गई। इससे मना करने पर उसकी पत्नी व बेटे का अपहरण करने की धमकी दी गई। रेप पीड़िता को अपने पक्ष में करने के लिये यह सब करने वाले गायत्री ने मामला खत्म होने पर उसकी सम्पत्ति की कीमत लौटाने को कहा था पर बाद में मुकर गया। बृजभवन ने इस मामले में गायत्री के बेटे अनिल प्रजापति व रेप पीड़िता को भी नामजद करते हुए अपहरण करने की धमकी और धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया है। गायत्री प्रजापति को कुछ समय पहले ही हाईकोर्ट से रेप पीड़िता के मामले में जमानत मिली थी। पर, केजीएमयू में भर्ती रहने के दौरान ही उन्हें गाजीपुर थाने में दर्ज कराये गए दूसरे मामले में न्यायिक अभिरक्षा में ले लिया गया था। गाजीपुर थाने में उनके खिलाफ 10 सितम्बर को एफआईआर रेप पीड़िता के पूर्व वकील दिनेश चन्द्र त्रिपाठी ने लिखायी थी। गोमतीनगर विस्तार के इंस्पेक्टर अखिलेश पाण्डेय के मुताबिक खरगापुर निवासी बृजभवन ने आरोप लगाया है कि रेप पीड़िता से सुलह कर अपने खिलाफ लिखाये रेप के मुकदमे को खत्म करने के लिये गायत्री ने उससे डील की थी। इसके तहत ही पीड़िता को 19 जुलाई, 2018 को 45 लाख और एक अगस्त को 48 लाख रुपये की सम्पत्ति का बैनामा कर दिया गया।

राजस्थान में अब पांचवीं क्लास में नहीं होगा कोई फेल

जयपुर। राजस्थान की असोक गहलोत सरकार ने गुरुवार को पांचवी और आठवीं बोर्ड परीक्षा को लेकर अधिसूचना जारी कर दी। अब इन दोनों कक्षाओं में मुख्य परीक्षा के बाद सप्लीमेंट्री की परीक्षा आयोजित होगी। सप्लीमेंट्री की परीक्षा में पांचवी के विद्यार्थियों को अनुत्तीर्ण नहीं किया जाएगा, लेकिन आठवीं की सप्लीमेंट्री परीक्षा में असफल रहे विद्यार्थियों को पुनः इस कक्षा की पढ़ाई करनी होगी। प्रदेश में हर साल करीब 12 लाख विद्यार्थी आठवीं और करीब 14 लाख से अधिक विद्यार्थी पांचवी की परीक्षा देते हैं। शिक्षा मंत्री गोविंद सिंह डोटासरा ने बताया कि पांचवी और आठवीं में विधिक रूप से परीक्षा आयोजित के जाने के लिए राजपत्र में संशोधन प्रकाशन किया गया है। अब इस सत्र से इन दोनों कक्षाओं की परीक्षा विधिक रूप से आयोजित की जाएगी। पांचवी और आठवीं की मुख्य परीक्षा के 60 दिनों के भीतर पूरक परीक्षा आयोजित होगी। इस परीक्षा में कक्षा पांचवी के किसी विद्यार्थी को रोका नहीं जाएगा, लेकिन 8वीं में पूरक परीक्षा में असफल विद्यार्थियों को पुनः आठवीं में ही अध्ययन करना होगा। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत अब तक 8 वीं कक्षा तक किसी को फेल नहीं करने का प्रावधान है। संशोधन कर आठवीं कक्षा में मुख्य परीक्षा के बाद पूरक परीक्षा और इसमें असफल रहने पर फेल करने का प्रावधान लागू किया है।

किसानों के मामलों पर गुमराह कर रही है किसान की बेटी

जागो पार्टी ने हरसिमरत कौर के दावों पर दागे सवाल, कहा-सबकुछ ढोंग है

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 18 सितंबर। कृषि संबंधित बिलों के खिलाफ केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने वाली हरसिमरत कौर बादल के किसान प्रेमी और किसान की बेटी कहने पर सिख भड़क उठे हैं। साथ ही वह हरसिमरत कौर के बयान को ढोंग करार दे रहे हैं।

सिखों की अगुवाई करने वाली धार्मिक पार्टी जागो ने शिरोमणी अकाली दल के कथित किसान प्रेम पर चुटकी ली है। साथ ही हरसिमरत बादल के द्वारा अपने आपको किसान की बेटी बताने को गुमराह करने वाला बताया है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए जागो पार्टी के अध्यक्ष मंजीत ड्क्षसह जीके ने कहा कि जब अकाली सरकार के समय पंजाब में किसान आत्महत्या कर रहा था, 1700 करोड़ रुपये का कीटनाशक घोटाला अकाली मंत्री तोता सिंह ने किया था और अब 2020 में शिरोमणी कमेटी ने 60 करोड़ रुपये का देशी घी और सूखा दूध पाउडर खरीदने का ठेका पंजाब के वेरका की जगह महाराष्ट्र की सनोई डेयरी को दिया था, तब किसान की बेटी कहा थी ? अब तो सतलुज यमुना लिंक नहर पर दस्तावेज सामने आ गए हैं कि अकाली सरकार ने देवी लाल के साथ मिलकर सब कुछ करवाया था। शायद इसी के बदले हरियाणा में होटलों के प्लाट भी इन्हें मिले थे। जीके ने कहा कि मैं अरदास करता हूँ कि हरसिमरत कौर की तरह हर किसान की बेटी हो, जिसके पास 3 फाइव स्टार होटल हो, महँगी कारें हो

3 फाईव स्टार होटल, प्राइवेट जेट, मंहगी गाडियों वाली कैसे हो सकती है किसान की बेटी

और प्राइवेट जेट हो। पर यह किसान की बेटी किसानों के मामलों पर गुमराह कर रही है। आज सच यह हैं कि पंजाब के किसान की बेटी की शादी के लिए परेशान उसका पिता आत्महत्या कर रहा है, किसान की बेटी को एनआरआई दूल्हा छोड़कर विदेश चला जाता है। लेकिन हरसिमरत कौर सत्ता में रहते हुए कभी नहीं बेटियों का दर्द बांटा।

जीके ने कहा कि अकाली दल के 2 कोर वोटर थे, पंथ और किसान। पर आज दोनों अकाली दल को छोड़ गए हैं। हरसिमरत कौर कहती हैं कि गुरु नानक साहिब ने किसानी की बात की थी, इसलिए मैं किसानों की बात कर रही हूँ। पर गुरु अर्जन साहिब ने पोथी को परमेश्वर कहा था, इसलिए आज गायब गुरु ग्रंथ साहिब के स्वरूपों के मामले पर सुखबीर सिंह बादल अकाली दल के अध्यक्ष पद से इस्तीफा क्यों नहीं देते ? जबकि परमेश्वर का सत्कार रखने में सुखबीर बादल के लिफाफे से निकला शिरोमणी कमेटी का प्रधान कायम नहीं रहा। मंजीत सिंह जीके ने केंद्र सरकार को शिरोमणी कमेटी (एसजीपीसी) चुनाव जल्द करवाने की माँग की है।

मजीठिया ड्रग्स मामले में फंसे हैं, बॉलीवुड में नशे की बात करते हैं सिरसा

जागो पार्टी के अध्यक्ष मंजीत सिंह जीके ने कहा कि दिल्ली कमेटी के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा आज बॉलीवुड में नशे की बात करते हैं पर पंजाब में अकाली सरकार के समय फैले नशे पर चुप रहते हैं। जबकि शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री विक्रम सिंह मजीठिया पर करोड़ों रुपये के ड्रग्स मामले में प्रवर्तन निदेशालय जांच कर रहा है, पर सिरसा को यह नजर नहीं आता। आपको बता दें कि विक्रम मजीठिया पूर्व केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल के सगे भाई हैं।

हरसिमरत कौर के दावों की खोली पोल

जागो अध्यक्ष मंजीत सिंह जीके ने काली सूची खत्म करने सहित कई पंथक कार्य सरकार से करवाने के हरसिमरत कौर के दावे पर कहा कि यदि हरसिमरत कौर की इतनी चलती थी तो जगदीश टाइटलर के खिलाफ उनके वीडियो खुलासे के बावजूद टाइटलर के खिलाफ एफआईआर दर्ज क्यों नहीं करवाई ? काली सूची और ककार मामले पर बतौर दिल्ली कमेटी अध्यक्ष मुझे दिल्ली हाईकोर्ट क्यों जाना पड़ा ? गुरुद्वारा ज्ञान गोदड़ी और गुरुद्वारा डांगमार साहिब पंथ के हवाले क्यों नहीं हुए ?

कोविड-19 नियमों का पालन जांचने के लिए साइकिल से सड़कों पर घूमे एसीपी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच कोविड19 संबंधी गाइडलाइंस का पालन सुनिश्चित करने लिए दिल्ली पुलिस ने अपनी मुस्तैदी बढ़ा दी है। इसी क्रम में कनॉट प्लेस के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) सिद्धार्थ जैन ने शुक्रवार को अपनी टीम के साथ इलाके में साइकिल से गश्त लगाई ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सोशल डिस्टेंसिंग मानदंडों का पालन किया जा रहा है और लोग मास्क पहने हुए हैं।

दिल्ली पुलिस ने पिछले एक हफ्ते में कनॉट प्लेस इलाके में 2,08,000 रुपये के लगभग 416 चालान जारी किए हैं। पुलिस ने बताया कि यह चालान फेस मास्क न पहनें और सोशल डिस्टेंसिंग का उल्लंघन करने के हैं। बता दें कि, बीते दिनों डीसीपी (मुख्यालय) चिन्मय बिस्वाल ने एक आदेश जारी करते हुए कहा था कि दिल्ली पुलिस अब प्रत्येक पुलिस थाने में कोविड19 दिशानिर्देशों के उल्लंघन करने वालों पर नजर रखने के लिए समर्पित टीम तैनात करेगी क्योंकि शहर में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले फिर से बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा था कि सभी पुलिस थाने इस तरह की टीम एक स्थान पर वर्दी में रोजाना सुबह 10 बजे से शाम छह बजे तक तैनात करेंगे। जिला पुलिस उपायुक्तों को बारीबारी से वैसे क्षेत्र या स्थान चुनने को कहा गया था जहां उल्लंघन के लगातार मामले सामने आते हैं और इस क्षेत्र को संबंधित पुलिस थाने के इंस्पेक्टर की निगरानी में रखने को कहा था। जानकारी के अनुसार, राजधानी दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण के तेजी से फैलने का सिलसिला लगातार जारी है।

यहां एक्टिव केस से लेकर कंटेनमेंट जोन तक सभी में एक बार फिर से वृद्धि देखी जा रही है। गुरुवार को दिल्ली में कोरोना के करीब 4,400 से अधिक नए केस मिलने के बाद यहां संक्रमितों की कुल संख्या 2 लाख 34 हजार के पार पहुंच गई है। वहीं अब तक मृतकों संख्या भी बढ़कर 4,877 हो गई है। इसके साथ ही एक्टिव केस भी बढ़कर करीब 32 हजार के करीब पहुंच गए हैं। वहीं, राजधानी में कंटेनमेंट जोन की संख्या भी बढ़कर 1670 हो गई है।

डा. काशी नाथ सिंह को मिला शिक्षारत्न सम्मान

प्रयागराज। सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी एंव राष्ट्रीय शैक्षिक संघ, उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में आयोजित हिंदी दिवस एंव शिक्षक सम्मान समारोह में प्रयागराज के हंडिया पी जी कॉलेज के पूर्व इतिहास विभागाध्यक्ष डा. काशी नाथ सिंह को शिक्षारत्न के सम्मान से विभूषित किया गया है। यह सम्मान उनके सत्कर्म, सच्चरित्र, सत्यनिष्ठा ,सद्भावना से सूसंपन्न अपने उद्दात एवं महनीय व्यक्तित्व के कारण अपने अकादमिक शिक्षा के साथ साथ मानवमुल्यों के संरक्षण में जो अविस्मरणीय भूमिका निभाई है उसके लिए राजस्थान के राज्यपाल, कलराज मिश्र द्वारा किया गया। संयोजक प्रोफेसर प्रेम नारायण सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा आभार वयक्त किया।

PMC बैंक फ्रॉड: ED ने दिल्ली में 100 करोड़ के तीन होटलों को किया अटैच

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पंजाब एंड महाराष्ट्र बैंक (पीएमसी) घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग जांच के दौरान दिल्ली में 100 करोड़ रुपए मूल्य के तीन होटलों को अटैच किया है। इस मामले से जुड़े अधिकारियों ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एजेंसी ने अब तक 360 करोड़ रुपए मूल्य की गैरगिरवी संपत्तियों को अटैच किया है, जोकि एचडीआईएल के प्रमोटर्स राकेश और सारंग वाधवान से जुड़े हैं।

पीएमसी बैंक घोटाला पिछले साल सामने आया था। यह मनी लॉन्ड्रिंग जांच को लेकर यूनीक केस है, क्योंकि पहली बार ईडी ने ऐसी संपत्तियों को हाथ नहीं लगाया है जो बैंक के पास गिरवी रखे गए हैं। यह रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के परामर्श से किया गया है, जिसने पिछले साल सितंबर में बैंक का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया था। एक अधिकारी ने कहा कि एचडीआईएल की गिरवी संपत्तियों से पैसा वसूलने के लिए ईडी ने नवंबर 2019 में अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) दिया था।

शुक्रवार को जिन संपत्तियों को अटैच किया है उनमें होटल कॉनक्लेव बूटीक,20 कैलाश कॉलोनी, होटल कॉनक्लेव कमफर्ट **D-**150, ईस्ट ऑफ कैलाश, और होटल कॉनक्लेव एग्जीक्युटिव **C-**22, कालकाजी हैं। इन पर कथित तौर पर लिब्रा रियलटर्स प्राइवेट लिमिटेड, एम/एस दीवान रियलटर्स प्राइवेट लिमिटेड और राकेश कुमार वाधवान, रोमी, मेहरा, और एम/एस लिब्रा होटल्स प्राइवेट लिमिटेड और इसके डायरेक्टर; एडीआईएल से जुड़े कंपनियों का स्वामित्व है। दूसरे अधिकारी ने बताया कि ये तीन होटल अब फैब होटल्स के रूप में जाने जाते हैं। एंटी मनी लॉन्ड्रिंग जांच एजेंसी ने शुक्रवार को एक बयान में यह भी कहा, जांच मं पता चला कि एम/एस लिब्रा रियलटर्स प्राइवेट लिमिटेड, एम/एस दीवान रियलटर्स प्राइवेट लिमिटेड ने धोखाधड़ी के जरिए पीएमसी बैंक से लोन के रूप में 247 करोड़ रुपए लिए।

मुख्तार अंसारी पर चौतरफा शिकंजा, बेटों पर इनाम के बाद पत्नी-सालों के खिलाफ गैर जमानती वॉरंट जारी

गाजीपुर। गैंगस्टर मुख्तार अंसारी पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कड़े रुख के बाद मुख्तार पर शिकंजा कसता जा रहा है। संपत्तियों की कुर्की और बेटों पर इनाम घोषित करने के अलावा पत्नी और सालों भी कार्रवाई की जद में आ गए हैं। शुक्रवार को मुख्तार अंसारी की पत्नी आफसा अंसारी और उसके साले सरजील रजा और अनवर शहजाद के खिलाफ गैंगस्टर कोर्ट गाजीपुर ने गैर जमानती वॉरंट जारी कर दिया है। पुलिस अधीक्षक डॉ. ओपी सिंह ने बताया कि प्रदेशभर में माफियाओं के खिलाफ चल रहे ऑपरेशन क्लीन अभियान के तहत थाना कोतवाली गाजीपुर में दर्ज गैंगस्टर एक्ट के तहत मुख्तार अंसारी की पत्नी और उसके दोनों सालों के खिलाफ गैर जमानती वॉरंट जारी किया गया है। पिछले काफी दिनों से पुलिस प्रशासन ने अंसारी और उसके गैंग के सदस्यों पर नकेल कसते हुए एक के बाद एक कानूनी कार्यवाई को अंजाम दिया है। कुछ दिन पहले ही बाहुबली विधायक मुख्तार अंसारी गैंग पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्तार की पत्नी और 2 सालों पर गैंगस्टर ऐक्ट का केस सदर कोतवाली में दर्ज किया था। मुख्तार की पत्नी आफसा पर कुर्क जमीन पर अवैध

कब्जे के आरोप में केस दर्ज दर्ज किया गया था, वहीं उसके दो सालों पर सरकारी ठेका हासिल करने के लिए फर्जी दस्तावेज लगाने का केस दर्ज हुआ था। मुख्तार की पत्नी आफसा अंसारी पर सरकारी धन गबन करने का भी आरोप था। गुरुवार को मऊ में अंसारी के बेहद करीबी कोयला माफिया राजन सिंह के करीब 35 लाख की संपत्ति को पुलिस ने कुर्क किया था।

तृणमूल सांसद ने राज्यसभा में गोमूत्र का उड़ाया मजाक, मचा हंगामा

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 18 सितंबर। तृणमूल कांग्रेस के एक सांसद द्वारा गोमूत्र का मजाक उड़ाने के बाद शुक्रवार को राज्यसभा में हंगामा मच गया। तृणमूल सांसद शांतनु सेन उच्च सदन में होम्योपैथी केंद्रों की भयावह स्थिति के बारे में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा, ऐसी सरकार से क्या उम्मीद की जा सकती है जो कहती है कि गोमूत्र पीने से बीमारी या कोविड19 ठीक हो सकता है? सेन ने कहा, वे अप्रत्यक्ष रूप से निजी मेडिकल कॉलेजों, नीमहकीमों को बढ़ावा दे रहे हैं।

कई लोग गोमूत्र के औषधीय गुणों को मानते हैं और गाय को पवित्र मानते हैं। कई ने अन्य बीमारियों के बीच कैंसर को ठीक करने के इसके गुणों का दावा किया है। हाल ही में फिल्म स्टार अक्षय कुमार ने भी स्वीकार किया कि वह गोमूत्र का सेवन करते हैं। सदन में होम्योपैथी केंद्रीय परिषद (संशोधन) विधेयक, 2020 पर चर्चा चल रही थी। हालांकि तृणमूल ने खुद को अलग

थलग पाया क्योंकि सत्ताधारी भाजपा के साथ कई दलों ने होम्योपैथी के पक्ष में तर्क दिया।

बीजू जनता दल के प्रसन्ना आचार्य ने कहा, होम्योपैथी चिकित्सा की एक पुरानी भारतीय प्रणाली है और यह गरीबों के लिए सुलभ है। इसलिए हमें इसे और मजबूत बनाने की जरूरत है। समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने कहा कि ऐसी कई बीमारियां हैं जिनका एलोपैथी में कोई इलाज नहीं है, लेकिन आयुर्वेद में इसका इलाज मौजूद है।

आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने कहा कि आयुष मंत्रालय के बजट में होम्योपैथी के लिए अलग से निर्धारित राशि बहुत कम है। दूसरी ओर द्रमुक ने सिफारिश की कि राज्य चिकित्सा परिषदों के निर्वाचित सदस्यों के प्रतिनिधित्व का प्रावधान होना चाहिए। भाजपा के सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, कुछ लोग कहते हैं कि होम्योपैथिक दवाओं की प्रभावशीलता को लेकर कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। होम्योपैथी न केवल बीमारी, बल्कि रोगी पर भी फोकस करता है। उन्होंने कहा कि यह अफसोस की बात है कि भारतीय चिकित्सा की इस विशेष प्रणाली को एक्सप्लोर नहीं किया जा रहा है।

कांग्रेस सांसद ने पंजाब जहरीली शराब कांड की सीबीआई जांच की मांग की

नई दिल्ली, 18 सितंबर (वेबवार्ता)। पंजाब की अपनी ही सरकार पर निशाना साधते हुए, राज्यसभा में कांग्रेस सांसद शमशेर सिंह दुलो ने शुक्रवार को राज्य में जहरीली शराब कांड की सीबीआई जांच की मांग की। इस त्रासदी में 100 से अधिक लोगों की जान चली गई थी।

पंजाब कांग्रेस की गुटबाजी राज्यसभा तक पहुंच गई। इससे पहले दुलो और प्रताप सिंह बाजवा ने इसी मुद्दे को लेकर राज्यपाल से मुलाकात करने के बाद राज्यसभा में ये मुद्दा उठाया।

राज्यपाल से मुलाकात के बाद कांग्रेस पार्टी में खलबली मच गई थी और पंजाब इकाई ने तो इनके निष्कासन की मांग तक कर डाली थी। शुक्रवार को दुलो ने सदन में बोलते हुए कहा कि इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई है और शराब तस्कर खुलेआम कारोबार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मामला अंतरराज्यीय है और किसी केंद्रीय एजेंसी से इसकी जांच होनी चाहिए। दुलो ने कहा राज्य में कई शराब माफिया सक्रिय हैं। इससे पहले कांग्रेस के दोनों राज्यसभा सांसद पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के इस्तीफे की मांग कर चुके हैं। पंजाब में विपक्ष ने राज्य सरकार पर शराब भट्टियों और कांग्रेस विधायकों के खिलाफ कार्रवाई करने में विफलता का आरोप लगाया था, जिनकी शराब माफिया के साथ मिलीभगत के कारण जुलाई के अंत में पंजाब के 135 लोगों की मौत हो गई थी।

महिला पुलिस कर्मियों के लिए आवासीय व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता

घाटे से उबर कर लाभ में पहुँचा उत्तर प्रदेश पुलिस आवास निगमः योगी

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ/दिल्ली, 18 सितम्बर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश पुलिस आवास निगम की कार्यप्रणाली को और अधिक चुस्तदुरूस्त व प्रभावी बनाया गया है तथा निगम द्वारा किये जाने वाले निर्माण कार्यों में तेजी लाते हुये उनके समयबद्ध निस्तारण पर विशेष बल दिया गया है। इसके फलस्वरूप घाटे में चल रहा यह निगम अब लाभ की ओर अग्रसर है। अपर मुख्य सचिव (गृह) अवनीश कुमार अवस्थी की अध्यक्षता में आज लोक भवन में पुलिस आवास निगम द्वारा किये जा रहे कार्यों की गहन समीक्षा के दौरान यह जानकारी दी गयी। उन्होने पुलिस आवास निगम को दिये गये निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को सुनिश्चित करते हुए उनके समयबद्ध रूप से पूर्ण किये जाने के निर्देश देते हुये बताया कि शासन द्वारा निर्माण कार्यों के लिए पर्याप्त धन की व्यवस्था की जा रही है। पुलिस आवास निगम के अपर पुलिस महानिदेशक हरि राम शर्मा ने बताया कि वर्ष 201718 में जहाँ यह निगम 11 करोड़ तथा 201819 में रु0 08 करोड़ के घाटे में चल रहा था, वही वर्ष 201920 के अगस्त माह से यह निगम लाभ की ओर अग्रसर हुआ है। वर्तमान समय में घाटे की बजाय एक करोड़ के लाभ में पहुँच गया है। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश पुलिस आवास निगम की आठ निर्माण इकाईयाँ क्रमशः मेरठ, आगरा, कानपुर, लखनऊ. प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर और गोण्डा में स्थित है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा घोषित किये गये पुलिस विभाग के आवासीय एवं अनावासीय भवनों के निर्माण कार्य के तहत पुलिस

आवास निगम द्वारा कुल 155 निर्माण कार्य किये जा रहे हैं। इसके तहत 29 फायर स्टेशनों, 17 थानों व 7 पुलिस चौकियों के आवासीय एवं अनावासीय भवनों का निर्माण कार्य निगम द्वारा किया जा रहा है। साथ ही 44 जनपदों की पुलिस लाइन्स के महिला हॉस्टल /बैरक (जी+3) के 44 कार्य तथा 44 जनपदों की पुलिस लाइन्स के बहुमंजिला भवन से सम्बन्धित 58 निर्माण कार्य निगम द्वारा कराये जा रहे हैं।

शासन द्वारा महिला पुलिस कर्मियों के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता पर आवासीय व्यवस्था किये जाने के निर्देश दिये गये है। बैठक में बताया गया कि शासन द्वारा पुलिस आवास निगम को उक्त 155 कार्यों हेतु रु0 100647 लाख की धनराशि मंजूर की गयी है, जिसमें से अब तक रु. 15761 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा चुकी है।

पुलिस आवास निगम द्वारा अब तक रु0 7105 लाख से अधिक की धनराशि निर्माण कार्यों पर व्यय की जा चुकी है। बैठक में जानकारी दी गयी कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में निर्माण कार्यों में अपेक्षित प्रगति अप्रैल मई में कोविड19 के कारण प्रभावित हुई, जिसकी पूर्ति हेतु प्रयास किये जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस आवास निगम के अधिकारियों ने बैठक में किये जा रहे कार्यों का विस्तृत ब्यौरा देते हुये बताया कि जिन जिलों की पुलिस लाइन्स में महिलाओं के लिए बैरक निर्माण कार्य किया जा रहा है, उनके नाम क्रमशः हमीरपुर, मुजफरनगर, लखनऊ, रामपुर, हाथरस, उन्नाव, मऊ, फिरोजाबाद, बरेली, मेरठ, गोरखपुर, मैनपुरी, कानपुर देहात, एटा, आगरा, अलीगढ़, बदायूं, मथुरा, पीलीभीत, अयोध्या, बिजनौर, गौतमबुद्धनगर, ललितपुर, जालौन व फतेहगढ़ हैं। इसके अलावा कानपुर देहात, उन्नाव, रायबरेली, बाराबंकी, सीतापुर, मुरादाबाद, बिजनौर में पुरूषों के लिए पुलिस लाइन्स में बैरक निर्माण कार्य किया जा रहा है।

पुलिस चौकी और थानों का होगा निर्माण

बैठक में जानकारी दी गयी कि पुलिस आवास निगम द्वारा इनको सफीपुर (उन्नाव).करनैलगंज (गोण्डा), स्याना (बुलंदशहर), विधूना (औरैया) चकरनगर (इटावा), महाराजगंज (रायबरेली) एवं बासगांव (गोरखपुर) में फायर स्टेशन के निर्माण कार्य हेतु अग्रिम धनराशि की मांग हेतु उपयोगिता प्रमाणपत्र पुलिस मुख्यालय को प्रेषित किया गया है। इसके अलावा थाना गैडास बुजुर्ग (बलरामपुर), थाना नैमिषारण्य, कोतवाली देहात (सीतापुर) में अनावासीय भवन, बेलहर कला (संत कबीर नगर) में आवासीय/अनावासीय भवन तथा थाना साड (कानपुर नगर) में आवासीय/अनावासीय भवन का निर्माण कार्य किया जा रहा है। पुलिस आवास निगम द्वारा चौकी अमृतपुर (फर्रुखाबाद) चौकी अमीनगर सराय (बागपत) में आवासीय भवनों का निर्माण कराया जाएगा इसके आलावा चौकी सैंदर (बाराबंकी) में चौकी मथुरा बाजार (बलरामपुर), चौकी मछली गाँव बाजार (गोण्डा) व चौकी अमीनगर सराय (बागपत) में अनावासीय भवनों का निर्माण किया जा रहा है।